रांची, गुरुवार
16.07.2026
वर्ष : 11, अंक : 224, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

यूक्रेन के नए प्रधानमंत्री होंगे सर्गी कोरेट्स्की, जेलेंस्की ने किया समर्थन

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सरकारी ऊर्जा कंपनी नाफ्टोगाज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सर्गी कोरेट्स्की को देश का अगला प्रधानमंत्री बनाने का समर्थन किया है। यह फैसला प्रधानमंत्री यूलिया स्विरिडेंको के इस सप्ताह इस्तीफा देने के बाद सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जेलेंस्की ने पत्रकारों से कहा, हमारी प्राथमिकता स्पष्ट है- आगामी सर्दियों की तैयारी। सभी आवश्यक विचार-विमर्श के बाद मुझे पूरा विश्वास है कि प्रधानमंत्री पद के लिए सर्गी कोरेट्स्की सबसे उपयुक्त और तैयार उम्मीदवार हैं। इससे पहले, स्विरिडेंको ने प्रधानमंत्री पद संभालने के लगभग एक वर्ष बाद इस्तीफा दिया। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सरकार में इस फेरबदल की घोषणा तो की, लेकिन इसके पीछे कोई विस्तृत कारण सार्वजनिक नहीं किया। उन्होंने केवल इतना कहा कि देश नई चुनौतियों और प्राथमिकताओं के अनुरूप अपनी राजनीतिक रणनीति में बदलाव कर रहा है।

यूको बैंक से 47.37 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में 4 राज्यों में सीबीआई की छापेमारी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को यूको बैंक को 47.37 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने के आरोप में दर्ज बैंक धोखाधड़ी मामले में कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और तमिलनाडु में कई स्थानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई मेसर्स जुपिटर बायो साइंसेज लिमिटेड, उसके प्रबंध निदेशक, निदेशकों तथा अज्ञात लोकसेवकों और निजी व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज मामले में की गई। सीबीआई के अनुसार, यह मामला यूको बैंक, हैदराबाद की शिकायत पर दर्ज किया गया है। तेलंगाना उच्च न्यायालय के 5 मार्च और 24 अप्रैल के आदेशों के अनुपालन में एजेंसी ने 29 जून को प्राथमिकी दर्ज की थी। आरोप है कि कंपनी और उससे जुड़े लोगों ने बैंक से ऋण सुविधाएं हासिल करने के लिए फर्जी एवं मनगढ़ंत प्रोफार्मा इनवॉइस प्रस्तुत किए और गिरवी रखी गई संपत्तियों के बढ़े हुए मूल्यांकन संबंधी दस्तावेज जमा किए। इससे बैंक को 47.37 करोड़ रुपये का कथित नुकसान हुआ। मामला दर्ज होने के बाद सीबीआई ने विभिन्न राज्यों में समन्वित तलाशी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान जुपिटर बायो साइंसेज लिमिटेड के निदेशकों से जुड़े आवासीय परिसरों की भी तलाशी ली गई।

भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और माता सुभद्रा ने दिए भक्तों को दर्शन, जयघोष से गूंजा मंदिर परिसर

बिभा संवाददाता

रांची। रथयात्रा महोत्सव की पूर्व संध्या पर बुधवार को धुर्वा के जगन्नाथ मंदिर में आस्था और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन माता सुभद्रा ने विशेष श्रृंगार के साथ श्रद्धालुओं को दर्शन दिए। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतार लगी रही। बारिश के बीच भी श्रद्धालुओं के आस्था में कोई कमी नहीं दिखी। बड़ी संख्या में लोग परिवार सहित मंदिर पहुंचे और भगवान के दर्शन कर सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

भगवान के दर्शन होते ही पूरा मंदिर परिसर जय जगन्नाथ के उद्घोष से गूंज उठा। श्रद्धालु हाथ जोड़कर भगवान के समक्ष नतमस्तक हुए और विधिवत पूजा-अर्चना की। मंदिर में बज रहे घंटे-घड़ियाल, शंखनाद और धार्मिक भजनों ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। बारिश की फुहारों के बीच श्रद्धालुओं की अटूट आस्था देखने लायक रही। कई श्रद्धालु भीगते हुए भी कतार में डटे रहे और भगवान के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त किए।

भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और माता सुभद्रा का विशेष श्रृंगार श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना रहा। दर्शन के दौरान मंदिर परिसर में सुरक्षा और व्यवस्था के लिए स्वयंसेवकों और मंदिर प्रबंधन की ओर से विशेष इंतजाम किए गए थे,

ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। श्रद्धालुओं में अगले दिन गुरुवार को निकलने वाली रथयात्रा को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है।

इधर, मंदिर समिति ने रथयात्रा की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों के बाद भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा भव्य रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण के लिए निकलेंगे। इस दौरान हजारों श्रद्धालु रथ की रस्सी खींचकर धन्य होंगे।

जगन्नाथपुर मंदिर मुख्य पजारी रामेश्वर पाढ़ी ने बताया कि नेत्रदान उत्सव के साथ भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा तीनों विग्रहों का अनुष्ठान संपन्न हो गया। शाम में 108 दीपों की महाआरती के साथ ही 14 दिनों बाद श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए मंदिर के पट खोल दिए गये।

वहीं, 16 जुलाई भगवान जगन्नाथ का रथ मौसीबाड़ी के लिए प्रस्थान करेगा, जो 25 जुलाई को वापस लौटेगी। प्रशासन और मंदिर न्यास समिति ने ऐतिहासिक रथयात्रा को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गाइडलाइंस जारी कर दी है।

16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जाएगी। मंदिर प्रबंधन ने बताया कि दोपहर 02 बजे तक श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे। इसके बाद दर्शन बंद कर दिए जाएंगे। दोपहर 2.30 से 03 बजे के बीच सुदर्शन चक्र, श्री गरुड़, लक्ष्मी-नरसिंह, बलभद्र स्वामी, माता सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के विग्रह रथ के लिए प्रस्थान करेंगे। इसके बाद विग्रहों को रथ पर विराजमान कर श्रृंगार किया जाएगा।

शाम 04 बजे रथ पर भक्त श्री विष्णु सहस्त्रनाम पूजा करेंगे। शाम 4.30 से शाम 05 बजे तक मंदिर के सहायकों की ओर से भगवान के चरणों में पुष्प अर्पित किए जाएंगे। शाम 5:01 बजे भगवान जगन्नाथ का रथ मौसीबाड़ी के लिए प्रस्थान करेगा। शाम 06 बजे रथ के मौसीबाड़ी पहुंचने की संभावना है। शाम 6.05 बजे से महिलाओं को रथ पर दर्शन का अवसर मिलेगा। रात्रि 07 बजे दर्शन बंद कर विग्रहों को मौसीबाड़ी मंदिर में विराजमान कराया जाएगा। रात 08 बजे 108 की मंगल आरती के बाद शयन अनुष्ठान होगा।

मंदिर न्यास समिति ने बताया कि रथ पर केवल पुजारी और अधिकृत व्यक्ति ही धोती पहनकर रहेंगे। रथ संचालन के दौरान हटिया के पुलिस उपाधीक्षक दिशा-निर्देश देंगे। वे वर्दी में रहेंगे, विष्णु सहस्त्रनाम पूजा के दौरान रथ सुरक्षा समिति और पुलिसकर्मी पूजा स्थल की घेराबंदी करेंगे। समिति ने बताया कि रथ धीरे-धीरे मौसीबाड़ी की ओर बढ़ेगा। वापसी रथयात्रा 25 जुलाई को निकाली जाएगी।

मुख्यमंत्री ने की सड़क निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक, दिए महत्वपूर्ण निर्देश

लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करें : मुख्यमंत्री

बिभा संवाददाता

रांची : हमारी सरकार के नेतृत्व में राज्य में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर उल्लेखनीय प्रगति हो रही है। पथ निर्माण विभाग द्वारा सड़कों, फ्लाईओवर एवं पुल-पुलियों के व्यापक निर्माण से राज्य में विकास की नई तस्वीर उभर रही है। आने वाले समय में झारखंड में सड़कों का एक सशक्त एवं विस्तृत नेटवर्क विकसित होगा, जिससे आवागमन सुगम होने के साथ-साथ आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। उक्त बातें आज झारखंड मंत्रालय में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित पथ निर्माण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कही गईं। बैठक के दौरान विभागीय अधिकारियों ने पिछले पाँच वर्षों की कार्य योजनाओं, निमार्णाधीन तथा पूर्ण हो चुके कार्यों

की विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें सड़कों, फ्लाईओवर, ओवरब्रिज एवं पुल-पुलियों से संबंधित परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया गया। मुख्यमंत्री ने प्रस्तुति का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं की तैयारी और क्रियान्वयन निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए तथा लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाए।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पथ निर्माण विभाग को सभी परियोजनाओं का अद्यतन एवं सुव्यवस्थित डेटाबेस तैयार करने तथा जियो-टैगिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परियोजना की स्थिति, लागत, समय-सीमा और प्रगति का स्पष्ट विवरण उपलब्ध हो, ताकि कार्यों की प्रभावी निगरानी की जा सके। उन्होंने कहा कि जियो-टैगिंग से पारदर्शिता बढ़ेगी और निगरानी प्रणाली सुदृढ़ होगी। साथ ही, समस्याओं की समय पर पहचान कर शिकायतों के त्वरित समाधान पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें विभिन्न माध्यमों से सड़कों की स्थिति, गड्ढों, जलजमाव एवं निर्माण कार्यों से संबंधित सुझाव एवं शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इनका संज्ञान लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करें तथा नियमित रूप से अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए गड्ढों की मरम्मत, जल निकासी की समुचित व्यवस्था एवं सड़कों की गुणवत्ता में सुधार पर विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही, संकीर्ण मार्गों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने निमार्णाधीन परियोजनाओं की प्रगति में तेजी लाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सड़क, फ्लाईओवर एवं पुल-पुलिया से जुड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि आम जनता को बेहतर सुविधा मिल सके।

उन्होंने राजधानी रांची सहित अन्य क्षेत्रों की महत्वपूर्ण परियोजनाओं को प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, सोलर साइकिल ट्रैक एवं अन्य नवीन परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता एवं मजबूती बनाए रखने पर बल दिया। उन्होंने पुल-पुलियों के किनारों को सुदृढ़ बनाने, जल निकासी की बेहतर व्यवस्था करने तथा सभी निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता मानकों के पालन के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार, पथ निर्माण विभाग के सचिव सुनील कुमार, अभियंता प्रमुख प्रवीण जयंत भेंगरा तथा संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भारत-ब्रिटेन सीईटीए लागू होने से व्यापारिक संबंधों को मिलेगी नई गति : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) तथा सामाजिक सुरक्षा समझौते के लागू होने का स्वागत करते हुए इसे दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी में मील का पत्थर बताया है। उन्होंने कहा कि इन समझौतों से दोनों देशों के आर्थिक संबंध और अधिक गहरे होंगे तथा किसानों, उद्यमियों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और कुशल भारतीय पेशेवरों के लिए नए अवसर खुलेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की एक्स पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत-ब्रिटेन साझेदारी के लिए यह एक महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) और सामाजिक सुरक्षा समझौते के लागू होने से दोनों देशों की साझा महत्वाकांक्षाएं ठोस अवसरों में परिवर्तित होंगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सीईटीए भारतीय किसानों, उद्यमियों और एमएसएमई क्षेत्र को नई गति प्रदान करेगा। इससे कई प्रमुख भारतीय उद्योगों को ब्रिटेन के बाजार तक

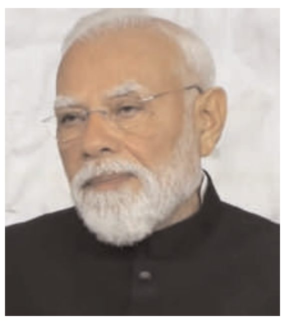

अधिक सशक्त पहुंच मिलेगी। साथ ही प्रौद्योगिकी, पेशेवर सेवाओं और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ेगा तथा कुशल भारतीय प्रतिभाओं की आवाजाही को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा समझौता ब्रिटेन में अस्थायी रूप से कार्यरत भारतीय पेशेवरों को महत्वपूर्ण राहत देगा और भारतीय उद्यमों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच आपसी विश्वास तथा व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश और नवाचार आधारित भविष्य की साझेदारी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत और ब्रिटेन साझा समृद्धि के लक्ष्य के साथ आगे भी मिलकर कार्य करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से डीआरएम ने की मुलाकात, मुरी और पिस्का स्टेशन उद्घाटन का दिया आमंत्रण

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से झारखंड मंत्रालय में दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची मंडल के डीआरएम के.एन. सिंह ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान डीआरएम ने मुख्यमंत्री को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किए गए मुरी और पिस्का रेलवे स्टेशन के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र सौंपा।

जानकारी के अनुसार, इन दोनों रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन कार्यक्रम 17 जुलाई 2026 को निर्धारित किया गया है। यह पहल रेलवे स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने और यात्रियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ईरान पर अमेरिकी हमले में 30 की मौत, ट्रम्प ने अगले 3 दिन और बड़े हमले की चेतावनी दी

एजेंसी

तेहरान/वॉशिंगटन। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि हाल के अमेरिकी हवाई हमलों में 260 से अधिक लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता हुसैन केरमनपौर के अनुसार, घायलों में कम से कम तीन महिलाएं और छह बच्चे शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 222 घायलों को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है।

केरमनपौर ने कहा कि ये सभी लोग ईरान पर हाल में हुए अमेरिकी हमलों की ताजा लहर में घायल हुए हैं। हालांकि, उन्होंने हमलों की सटीक समयावधि का उल्लेख नहीं किया। इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि फिलहाल नहीं हो सकी है।

इससे पहले ईरान सरकार की प्रवक्ता फातेमेह मोहाजेरानी ने बताया था कि हाल के दिनों में दक्षिणी ईरान में अमेरिकी हमलों में 30 से अधिक नागरिकों की मौत हुई है। ईरानी सेना ने दावा किया कि देश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित

एक सैन्य अड्डे पर रातभर हुए अमेरिकी हमलों में सात सैन्यकर्मी भी मारे गए।

दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की, जिसमें ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को और तेज करने की रणनीति पर चर्चा की गई। इसमें उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन, सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

बैठक से पहले फॉक्स न्यूज से बातचीत में ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका अगले तीन दिनों में ईरान पर और अधिक जोरदार हमले करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना की नजर पिकऐक्स माउंटेन पर बनी हुई है। अमेरिका और इजराइल का मानना है कि इस पहाड़ी के नीचे ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी गतिविधियां संचालित कर रहा है।

केंद्र ने ओडिशा व झारखंड में रेलवे की दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ओडिशा और झारखंड में रेल मंत्रालय की 3,907 करोड़ रुपये की लागत वाली दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को बुधवार को मंजूरी दी। ओडिशा और झारखंड के चार जिलों में प्रस्तावित इन परियोजनाओं से रेलवे नेटवर्क में करीब 145 किलोमीटर की वृद्धि होगी तथा इन्हें वर्ष 2030-31 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में इस परियोजना पर मुहर लगाई गई।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल ने पारादीप-हरिदासपुर रेलखंड के दोहरीकरण तथा राजखरसावां-डांगोआपोसी रेलखंड पर चौथी लाइन बिछाने की परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। इन परियोजनाओं से लाइन क्षमता बढ़ेगी, जिससे रेल परिचालन अधिक कुशल और विश्वसनीय बनेगा तथा यातायात का दबाव कम होगा।

उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप तैयार की गई हैं। इनका उद्देश्य मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स दक्षता को बढ़ाना है, जिससे लोगों, वस्तुओं और सेवाओं का आवागमन अधिक सुगम हो सकेगा।

इन परियोजनाओं से ओडिशा और झारखंड के चार जिलों में स्थित लगभग 1,526 गांवों, जिनकी कुल आबादी करीब 14 लाख है, को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा। साथ ही क्षेत्र के आर्थिक विकास, रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा, जो प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

रेल मंत्रालय के अनुसार क्षमता विस्तार से ललितगिरि बौद्ध परिसर, श्री बलदेवज्यू मंदिर और मेघाहातुबुरु पहाड़ियों जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक रेल संपर्क बेहतर होगा, जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

सरकार ने बताया कि ये रेल मार्ग कोयला, लौह अयस्क, डोलोमाइट, चूना पत्थर और जिप्सम जैसी प्रमुख खनिज एवं औद्योगिक वस्तुओं के परिवहन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। परियोजनाओं के पूरा होने पर माल ढुलाई क्षमता में 44 मिलियन टन प्रतिवर्ष की अतिरिक्त वृद्धि होगी। सरकार के अनुसार रेल परिवहन ऊर्जा दक्ष और पर्यावरण अनुकूल माध्यम है। इन परियोजनाओं से देश की लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी, लगभग 6 करोड़ लीटर तेल आयात की बचत होगी तथा 29 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आएगी, जो लगभग एक करोड़ पेड़ लगाने के बराबर पर्यावरणीय लाभ के समान है।

प्रधानमंत्री 17 को देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 जुलाई को हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब के दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वह देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन चालित ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे तथा तीनों राज्यों में करीब 26,770 करोड़ रुपये की रेल, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रधानमंत्री सुबह करीब 11 बजे हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से जींद-सोनीपत के बीच देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को रवाना करेंगे। स्वदेशी तकनीक से डिजाइन और विकसित यह ट्रेन हाइड्रोजन फ्यूल सेल टेक्नोलॉजी से चलती है, जो ट्रेन को आगे बढ़ाने के लिए हाइड्रोजन को बिजली में बदलती है। इस प्रक्रिया में बाई-प्रोडक्ट के तौर पर सिर्फ.पानी की भाप निकलती है, जिससे ट्रेन के चलने के दौरान कार्बन का उत्सर्जन बिल्कुल नहीं होता।

10 कोच वाली यह ट्रेन 3,200 हॉर्स पावर के प्रोपल्शन सिस्टम से चलती है जो इसे दुनिया की सबसे लंबी तथा सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन चालित यात्री ट्रेनों में से एक बनाता है। इसके साथ भारत परिचालन स्तर पर हाइड्रोजन ट्रेन चलाने वाले चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा।

जन शिकायत समाधान शिविर में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़, भूमि विवाद और सूदखोरी के मामलों की भरमार

थाना परिसर में पुलिस ने सुनीं लोगों की फरियाद, कई मामलों में मौके पर ही शुरू हुई समाधान की पहल

बिभा संवाददाता

खलारी। आमजन की शिकायतों का त्वरित निस्तारण और पुलिस-जनता के बीच विश्वास को मजबूत करने के उद्देश्य से बुधवार को खलारी एवं मैकलुस्कीगंज थाना परिसर में जन शिकायत समाधान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे, जहां पुलिस अधिकारियों ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुना और निष्पक्ष एवं समयबद्ध कार्रवाई का भरोसा दिलाया।शिविर में सबसे अधिक शिकायतें भूमि विवाद से जुड़ी सामने आईं। ग्रामीणों ने जमीन की पैमाइश, अतिक्रमण, रास्ता विवाद, सीमांकन और पैतृक संपत्ति के बंटवारे से संबंधित मामलों को पुलिस के समक्ष रखा। इसके अलावा सूदखोरी, मारपीट, पारिवारिक कलह, पड़ोसी विवाद और अन्य सामाजिक मामलों की शिकायतें भी दर्ज कराई गईं। अधिकारियों ने सभी मामलों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया।कार्यक्रम के दौरान मैकलुस्कीगंज थाना प्रभारी धनंजय बैठा, खलारी इंस्पेक्टर रामकुमार वर्मा समेत दोनों थानों के पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने फरियादियों से क्रमवार बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। कई मामलों में दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर आपसी सहमति से विवाद सुलझाने का प्रयास भी किया गया।इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जन शिकायत समाधान शिविर का उद्देश्य छोटे-छोटे विवादों को प्रारंभिक स्तर पर ही सुलझाकर अनावश्यक मुकदमेबाजी को रोकना और लोगों को थाना स्तर पर ही त्वरित राहत उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रत्येक शिकायत पर पारदर्शी, निष्पक्ष और संवेदनशील तरीके से कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।ग्रामीणों से अपील करते हुए अधिकारियों ने कहा कि भूमि, पारिवारिक या सामाजिक विवाद की स्थिति में कानून को अपने हाथ में लेने के बजाय तत्काल पुलिस को सूचना दें। साथ ही सूदखोरी जैसी अवैध गतिविधियों की जानकारी भी बिना किसी भय के पुलिस तक पहुंचाएं, ताकि दोषियों के खिलाफ प्रभावी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।अधिकारियों ने कहा कि इस तरह के शिविर पुलिस और आमजन के बीच संवाद का मजबूत माध्यम बन रहे हैं। इससे लोगों को अपनी समस्याएं सीधे पुलिस के समक्ष रखने का अवसर मिल रहा है और कई मामलों का मौके पर ही समाधान निकल रहा है। शिविर में शामिल ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में बेहद उपयोगी बताया।

रथ यात्रा को लेकर प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: शहर में होने वाली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। उपायुक्त और एसएसपी ने अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। रथ यात्रा मार्ग पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों से निगरानी, ड्रोन कैमरों का इस्तेमाल तथा क्विक रिस्पॉन्स टीम (दफ्ळ) को तैयार रहने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन ने ट्रैफिक व्यवस्था को भी सुचारु रखने के लिए कई स्थानों पर रूट डायवर्जन की योजना बनाई है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेडिकल टीम, एम्बुलेंस, पेयजल और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं। संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी जाएगी और किसी भी तरह की अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। प्रशासन ने शहरवासियों से अपील की है कि वे रथ यात्रा के दौरान पुलिस और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें, यातायात नियमों का सम्मान करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। प्रशासन का कहना है कि सभी विभागों के समन्वय से रथ यात्रा को शांतिपूर्ण और सफल बनाया जाएगा।

डालसा की पहल: विद्यालय में कानूनी जागरूकता की पाठशाला, विद्यार्थियों को अधिकारों के साथ नशामुक्ति का दिया संदेश

बिभा संवाददाता

खलारी।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) की ओर से बुधवार को खलारी के आदर्श उच्च विद्यालय में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को कानून संबंधी बुनियादी जानकारी देना, उनके अधिकारों से परिचित कराना तथा नशे जैसी सामाजिक बुराइयों के प्रति सचेत करना था। इस दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि जागरूक नागरिक बनकर ही वे अपने अधिकारों की रक्षा के साथ समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बेहतर निर्वहन कर सकते हैं।शिविर में विद्यालय के प्रधानाध्यापक आदित्य प्रसाद साहू, डालसा प्रतिनिधि विकास कुमार एवं पारा विधिक स्वयंसेविका (पीएलवी) रंजना गिरि ने विद्यार्थियों से संवाद किया।उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली और आम लोगों को मिलने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता की विस्तार से जानकारी दी। वक्ताओं ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, महिलाएं, बच्चे, अनुसूचित जाति एवं जनजाति सहित अन्य पात्र नागरिक बिना किसी शुल्क के विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं।कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों से भी अवगत कराया गया। वक्ताओं ने कहा कि नशे की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, करियर और पारिवारिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। विद्यार्थियों से अपील की गई कि वे नशे से पूरी तरह दूर रहें और अपने जीवन में शिक्षा, अनुशासन तथा अच्छे संस्कारों को प्राथमिकता दें।इस अवसर पर विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं, विशेष रूप से अनाथ एवं जरूरतमंद बच्चों के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई। साथ ही बताया गया कि किसी भी कानूनी परेशानी या परामर्श की आवश्यकता होने पर डालसा की टोल-फ्री हेल्पलाइन 15100 पर संपर्क कर निःशुल्क सहायता प्राप्त की जा सकती है।कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों को कानून का सम्मान करने, अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग रहने तथा समाज में जिम्मेदार और जागरूक नागरिक की भूमिका निभाने का संकल्प दिलाया गया। आयोजन को सफल बनाने में लखन प्रसाद साहू, गोपाल प्रसाद, जयप्रकाश यादव, राधा कुमारी, सुधीर पांडे, एडवर्ड मरांडी, सत्या कुमारी एवं मनोहर महतो ने सक्रिय सहयोग दिया।

संक्षिप्त खबरें

सुनील गुप्ता के प्रयास से रोड नंबर-3 का गड्ढा भरा, लोगों में खुशी

जमशेदपुर(बिभा) : बागबेड़ा कॉलोनी पंचायत के कुंवर सिंह मैदान स्थित रोड नंबर-3 में पाइपलाइन इंटर कनेक्शन कार्य के बाद महीनों दिनों से छोड़े गए गड्ढे को बुधवार को संवेदक द्वारा जेसीबी एवं मजदूरों की सहायता से भरकर समतल कर दिया गया। यह कार्रवाई पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता द्वारा मंगलवार को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (पीएचईडी) के कार्यपालक अभियंता को मांग पत्र सौंपे जाने के एक दिन बाद हुई। सुनील गुप्ता ने गड्ढे को अविलंब भरने तथा लापरवाही बरतने वाले संवेदक के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की थी। कार्यपालक अभियंता एवं कनीय अभियंता के निर्देश पर संवेदक ने गड्ढा भरने का कार्य पूरा कराया। वगौरतलब है कि डीएमएफटी मद से लगभग चार लाख रुपये की लागत से क्षेत्र में पाइपलाइन इंटर कनेक्शन का कार्य कराया जा रहा है, जिससे विगत 15 वर्षों से जलापूर्ति से वंचित घरों तक पानी पहुंच सका है। मुख्य सड़क पर गड्ढा रहने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी तथा आवागमन भी प्रभावित हो रहा था। गड्ढा भरने के बाद स्थानीय लोगों ने राहत और खशी व्यक्त करते हुए पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर सुनील गुप्ता ने कहा कि वे जनहित से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे और वादों से अधिक कार्य पर विश्वास रखते हैं।

आदिवासी कांग्रेस मोर्चा इटकी प्रखंड की विशेष बैठक संपन्न, संगठन मजबूती व जनहित के मुद्दों पर हुई चर्चा

इटकी(बिभा) : इटकी प्रखंड के कुल्ली कुम्बाटोली स्थित लिप्टस टिकरा मैदान में बुधवार को आदिवासी कांग्रेस मोर्चा इटकी प्रखंड की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष राजेश तिर्की ने की। बैठक में संगठन को पंचायत स्तर तक मजबूत बनाने तथा जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में वक्ताओं ने संगठन की मजबूती, आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा, क्षेत्र के विकास एवं सामाजिक एकता को लेकर अपने-अपने विचार रखे। साथ ही एसआईआर सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर भी चर्चा की गई। उपस्थित नेताओं ने कहा कि संगठन जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाते हुए समाज के हित में लगातार कार्य करता रहेगा। बैठक में पंचायत स्तर पर संगठन को और सक्रिय बनाने, कार्यकताओं के बीच समन्वय बढ़ाने तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर रणनीति भी तैयार की गई। अंत में सभी सदस्यों ने एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। बैठक में मुख्य रूप से राजेश तिर्की, पंकज उरांव, राजन किसपोट्टा, मनोज लकड़ा, मन्दु उरांव एवं राजू कच्छप सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सिल्ली के आदि शिव मंदिर में शताब्दी समारोह पर रुद्राभिषेक और महायज्ञ का आयोजन

सिल्ली(बिभा): सिल्ली बाजार स्थित ऐतिहासिक आदि शिव मंदिर के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर बुधवार को रुद्राभिषेक एवं महायज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। मंदिर की स्थापना को एक शताब्दी पूर्ण होने पर क्षेत्र में धार्मिक माहौल और श्रद्धा का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह से ही वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रुद्राभिषेक से हुई। पंडितों द्वारा विधि-विधान से भगवान शिव का अभिषेक किया गया। इसके बाद महायज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आहुति देकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। मंदिर को फूलों और रंग-बिरंगी झालरों से सजाया गया था। शाम को मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें आसपास के सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में स्वच्छता और व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया। इस अवसर पर मंदिर कमिटी के सभी सदस्य उपस्थित रहे। कमिटी के पदाधिकारियों ने बताया कि 100 वर्षों से यह मंदिर क्षेत्र के लोगों की आस्था का केंद्र रहा है। उन्होंने सभी भक्तों का सहयोग के लिए आभार जताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। मंदिर में हर हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे।

डीडी बार हत्याकांड के दो हत्यारोपियों को पुलिस ने भेजा जेल

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : डीडी बार हत्याकांड में जमशेदपुर पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। बिष्टुपुर थाना में दर्ज इस मामले में गठित विशेष अनुसंधान दल (एसआईटी) ने फरार चल रहे दो आरोपियों राघवेंद्र कुमार उर्फ रविंद्र उर्फ घेरे और गणेश मछुवा को बुधवार को जेल भेज दिया है। राघवेंद्र ने बिष्टुपुर थाने में सरेंडर किया। जबकि, गणेश मछुआ को छापेमारी में गिरफ्तार किया गया।पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना के बाद फरार होने और छिपने में इस्तेमाल की गई टीवीएस एक्टिवा स्कूटी (जेएच05ईएच6474) भी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार 27 जून की रात करीब 11:30 बजे बिष्टुपुर स्थित डीडी बार के सामने धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर हिमांशु सिंह को मौत के घाट उतार दिया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसआईटी का गठन किया गया था। टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य, मानवीय सूचना और अन्य उपलब्ध प्रमाणों के आधार पर लगातार छापेमारी अभियान चलाया। जांच के दौरान अब तक इस मामले में प्राथमिकी और अप्राथमिकी समेत कुल 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत भेजा जा चुका है। शेष फरार आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी जारी थी। इसी क्रम में राघवेंद्र कुमार उर्फ घेरे ने थाने में सरेंडर कर दिया और गणेश मछुवा को गिरफ्तार किया गया। पुलिस जांच में सामने आया है कि गणेश मछुवा ने इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी विश्वनाथ मंडल उर्फ बोदरा, राहुल दुबे और राघवेंद्र उर्फ घेरे को घटना के बाद छिपाने और फरार कराने में अहम भूमिका निभाई थी। पुलिस ने बताया कि गणेश मछुवा का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है और वह अवैध शराब के कारोबार से जुड़े मामलों में दो बार जेल जा चुका है।

इस कार्रवाई में सहायक पुलिस अधीक्षक ऋषभ त्रिवेदी, डीएसपी विधि-व्यवस्था सुमित कुमार, विभिन्न अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बिष्टुपुर थाना प्रभारी निरंजन कुमार, तकनीकी शाखा और विशेष छापामारटीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। गौरतलब है कि भाजपा नेता नीरज सिंह और उसके बार के मैनेजर विजय समेत कई अन्य आरोपियों को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है।

जिला सलाहकार समिति की बैठक संपन्न, माय भारत पोर्टल पर युवाओं के पंजीकरण बढ़ाने पर दिया गया विशेष जोर

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर । युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में मेरा युवा भारत, पूर्वी सिंहभूम द्वारा बुधवार को जिला सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम राजीव रंजन ने की।

बैठक में अपर उपायुक्त, जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत, तथा जिले के विभिन्न प्रमुख विभागों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इनमें जिला जनसंपर्क कार्यालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, एनसीसी, भारत स्काउट एवं गाइड, जिला उद्योग विभाग, रेड क्रॉस सोसायटी तथा जिला खेल विभाग के प्रतिनिधियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

बैठक का मुख्य उद्देश्य माय भारत पोर्टल पर अधिक से अधिक युवाओं के पंजीकरण को बढ़ावा देना तथा विभिन्न विभागों के समन्वय से युवाओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना रहा। इस दौरान युवाओं तक सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से पहुँचाने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मंटू पातर, जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत, पूर्वी सिंहभूम ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, गतिविधियों एवं योजनाओं की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि मेरा युवा भारत युवाओं को राष्ट्र निर्माण, नेतृत्व विकास, स्वयंसेवा तथा सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगा तथा सभी संबंधित विभागों के सहयोग से इन कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया जाएगा।

बैठक के अंत में उपायुक्त राजीव रंजन ने सभी विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए माय भारत पोर्टल पर अधिकाधिक युवाओं का पंजीकरण सुनिश्चित करने तथा युवाओं को सरकारी योजनाओं एवं राष्ट्र निर्माण संबंधी गतिविधियों से जोड़ने हेतु सक्रिय प्रयास करने का आह्वान किया।

बेड़ो व नरकोपी थाना में जन शिकायत समाधान शिविर आयोजित

बेड़ो थाना में 4 में से 3 मामलों का तत्काल निपटारा, नरकोपी थाना में भी एक आवेदन का हुआ समाधान

बिभा संवाददाता

बेड़ो: आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं पुलिस-जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से बुधवार को बेड़ो थाना एवं नरकोपी थाना परिसर में जन शिकायत समाधान शिविर का आयोजन किया गया।

बेड़ो थाना परिसर में आयोजित शिविर का नेतृत्व थाना प्रभारी कफिल अहमद ने किया, जबकि नरकोपी थाना परिसर में शिविर का नेतृत्व थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार टुडू ने किया।

शिविर में ग्रामीणों ने भूमि विवाद, धन गबन, आपसी विवाद, प्रमाण-पत्र सत्यापन सहित पुलिस एवं प्रशासन से जुड़ी विभिन्न समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं।

बेड़ो थाना में कुल 4 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 3 मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया, जबकि 1 मामले में जांच (इंक्वायरी) शुरू की गई।

वहीं नरकोपी थाना में 2 मामले सामने आए, जिनमें 1 आवेदन का मौके पर निष्पादन किया गया तथा 1 मामले में जांच (इंक्वायरी) की जा रही है।

शिविर के दौरान पारिवारिक विवादों एवं छोटे-मोटे आपसी झगड़ों का समाधान आपसी समझाइश और सहमति के माध्यम से कराने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि न्यायालयों पर अनावश्यक बोझ कम हो सके। साथ ही उपस्थित अधिकारियों ने ग्रामीणों को कानून व्यवस्था की जानकारी देते हुए साइबर अपराधों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की।

इस अवसर पर बेड़ो थाना प्रभारी कफिल अहमद एवं नरकोपी थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार टुडू ने कहा कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य आम लोगों को त्वरित, सुलभ एवं पारदर्शी न्याय उपलब्ध कराना है। पुलिस प्रशासन जनता की सेवा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

शिविर में पहुंचे ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस व्यवस्था से उन्हें अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार थाना का चक्कर नहीं लगाना पड़ रहा है।

रंकिणी मंदिर विकास कार्य पर विवाद राजनीतिक साजिश: सिद्वेश्वर सरदार

बिभा संवाददाता

जादूगोड़ा : हाता-जादूगोड़ा मुख्य मार्ग स्थित मां रंकिणी मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण एवं पर्यटन विकास कार्य को लेकर चल रहे विवाद तथा पोटका विधायक संजीव सरदार का पुतला दहन किए जाने पर सरदार मुड़ा स्वशासन व्यवस्था ने कड़ी आपत्ति जताई है। इस संबंध मे कालिकापुर तरफ सरदार मुड़ा सिद्वेश्वर सरदार ने रंकिणी थान स्थित गिती ओड़ा (धुमकुड़िया) मे आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि भूमिज समाज की पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था सोहदा गादी के अंतर्गत आने वाले प्राचीन रंकिणी थान में वर्षों से विकास कार्य होते रहे हैं। करीब दो वर्ष पूर्व विधायक संजीव सरदार के प्रयास से झारखंड सरकार के वन विभाग द्वारा लगभग 19 करोड़ रुपये की लागत से मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण एवं पर्यटन विकास की योजना शुरू की गई थी। कार्य प्रारंभ होने के बाद दो वर्षों तक किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं था।

सिद्शेवर सरदार ने कहा कि वर्तमान में ग्रामसभा की अनदेखी का आरोप लगाया जा रहा है, जबकि 19 मई 2024 को बड़ा झरना हिल में ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में ग्रामसभा आयोजित हुई थी, जिसमें स्थानीय मुखिया सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। इसके अलावा 26 मई 2024 को रोहिणीबेड़ा मौजा में ग्राम प्रधान गिरोश सरदार की अध्यक्षता में भी ग्रामसभा हुई थी, जिसका उल्लेख ग्रामसभा पंजी में दर्ज है।रैयती भूमि दान देकर कराया गया विकास कार्यउन्होंने कहा कि क्षेत्र के आदिवासी समुदाय वर्षों से आपसी भाईचारे के साथ रहते आए हैं और आज भी सौहार्दपूर्ण वातावरण कायम है। रंकिणी थान के सौंदर्यीकरण एवं पर्यटन विकास कार्य के रंकिणी थान मे सौंदर्यीकरण एवं पर्यटन विकास कार्य के लिये कोंदा भूमिज, पिता-रिदा भूमिज ने अपनी रैयती जमीन मौजा- रोहिणीबेड़ा, थाना-1336, खाता नंबर-57, प्लॉट नंबर- 94, रकवा-1.0 डी तथा मोहन भूमिज, पिता- मुचिया भूमिज, खाता नंबर-88 एवं 89, प्लॉट नंबर- 92 एवं 93, रकवा- 36.0 डी. के साथ-साथ खतीयानी अवैध दखल जमीन दान मे दिये है, जहां फ्लाई ओवर, गार्डवाल, सीढ़ी, गितीः ओड़ा (धुमकुड़िया), विवाह मंडप का निर्माण झारखंड सरकार एवं पर्यटन विकास वन विभाग द्वारा किया गया है. सरदार मुड़ा सरदार ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी योजना को स्वीकृति दिलाने में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधायक संजीव सरदार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है ।परंतु सरकार के विपक्ष से जुड़े कुछ बाहरी लोग राजनीतिक षड्यंत्र के तहत रंकिणी थान के विकास कार्य को विवाद का रूप देकर विधायक संजीव सरदार का पुतला दहन कर रहे हैं। सरदार मुड़ा स्वशासन व्यवस्था इसकी कड़ी निंदा करती है। उन्होंने कहा कि यदि किसी को योजना को लेकर आपत्ति थी तो संबंधित विभाग से संपर्क कर वास्तविक स्थिति की जानकारी लेनी चाहिए थी, न कि विकास कार्य में बाधा उत्पन्न करनी चाहिए थी।

सिद्धेश्वर सरदार ने आरोप लगाया कि कुछ बाहरी तत्व दो आदिवासी समुदायों के बीच वैमनस्य फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उनकी मंशा कभी सफल नहीं होगी। समाज के लोग एकजुट हैं और किसी भी कीमत पर सामाजिक सौहार्द बिगड़ने नहीं देंगे। उन्होंने बताया कि इस पूरे मामले को लेकर सरदार मुड़ा स्वशासन व्यवस्था का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही माझी-परगना महाल से मुलाकात करेगा।

पत्रकार वार्ता के दौरान मुख्य रूप से तरफ सरदार मुड़ा हिमांशु सरदार, तरफ सरदार मुड़ा हरिश चंद्र सिंह भूमिज, तरफ सरदार मुड़ा सुदर्शन भूमिज, गादी सरदार मुड़ा गौरी सरदार, गादी सरदार मुड़ा बासंती सरदार, गादी सरदार मुड़ा हेमंत सरदार, सरदार मुड़ा मनोरंजन सिंह, सरदार मुड़ा निमाई सरदार, सरदार मुड़ा सूरज सरदार, लखीराम सरदार, सरदार मुड़ा वीर सिंह सरदार, शांखो सरदार, सरदार मुड़ा संजय सरदार, सागर सरदार, रामेश्वर सरदार, अमल सरदार, सरदार मुड़ा बिरेश सरदार, रविंद्र सरदार आदि उपस्थित थे।

एनएमसी ने रिम्स में एमबीबीएस की 70 नई सीटों को दी मंजूरी, अब 250 छात्रों का होगा नामांकन

स्वास्थ्य के क्षेत्र में नई क्रांति की शुरूआत : डॉ. इरफान अंसारी

बिभा संवाददाता

रांची। नेशनल मेडिकल कमिशन (एनएमसी) ने झारखंड के सबसे बड़े सरकारी चिकित्सा संस्थान राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स), रांची में एमबीबीएस सीटों की संख्या 180 से बढ़ाकर 250 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय के बाद चालू शैक्षणिक सत्र से रिम्स में अब 250 विद्यार्थियों का नामांकन किया जाएगा। इसे झारखंड में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

इससे पहले राज्य सरकार के प्रयासों से महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) मेडिकल कॉलेज, जमशेदपुर में भी एमबीबीएस सीटों की संख्या 100 से बढ़ाकर 150 की गई थी। अब रिम्स में 70 नई सीटों की मंजूरी मिलने से राज्य में मेडिकल शिक्षा के अवसर और बढ़ जाएंगे।

झारखंड के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने एनएमसी के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह झारखंड के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में नई क्रांति की शुरूआत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार रिम्स सहित पूरे स्वास्थ्य तंत्र को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने के लिए लगातार काम कर रही है। उनका कहना था कि आने वाले समय में रिम्स आधुनिक सुविधाओं से लैस एक उत्कृष्ट चिकित्सा संस्थान के रूप में देश के सामने नई पहचान बनाएगा।

स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने बताया कि सीटों में वृद्धि के साथ-साथ संस्थान में आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का भी विस्तार किया जा रहा है। इसके तहत फैकल्टी की संख्या बढ़ाने, छात्रावासों का विस्तार, आधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना, अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता तथा अन्य शैक्षणिक एवं चिकित्सा सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है, ताकि एनएमसी के सभी मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

रिम्स के प्रभारी निदेशक डॉ. डी.के. सिन्हा ने इस उपलब्धि का श्रेय राज्य सरकार, स्वास्थ्य विभाग और रिम्स प्रशासन के समन्वित प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि संस्थान ने एनएमसी की सभी आवश्यक शर्तों को पूरा करने के लिए लगातार कार्य किया, जिसके परिणामस्वरूप सीटों में वृद्धि की मंजूरी मिली।

स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि इस फैसले से झारखंड के विद्यार्थियों को राज्य के भीतर ही मेडिकल शिक्षा प्राप्त करने के अधिक अवसर मिलेंगे। साथ ही आने वाले वर्षों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की संख्या बढ़ने से राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी और दूरदराज के क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

सांसद विजय हांसदा के रिसेप्शन में पहुंचे सीएम हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन, नवदंपति को दी शुभकामनाएं

बिभा संवाददाता

रांची: राजमहल लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री विजय हांसदा के विवाहोत्सव के उपरांत राजधानी रांची के एक प्रतिष्ठित होटल में भव्य रिसेप्शन पार्टी (प्रतिभोज) का आयोजन किया गया। इस विशेष समारोह में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और उनकी धर्मपत्नी सह गाण्डेय विधानसभा क्षेत्र की विधायक कल्पना सोरेन ने शिरकत की।

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन ने नवविवाहित जोड़े—सांसद श्री विजय हांसदा एवं उनकी धर्मपत्नी सुप्रिया मुर्मू से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने नवदंपति को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर अपनी ओर से हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही उन्होंने दोनों के सुखद, समृद्ध और मंगलमय दाम्पत्य जीवन की कामना की।

इस मांगलिक अवसर पर मुख्यमंत्री और कल्पना सोरेन ने सांसद विजय हांसदा के माता-पिता, परिजनों और सगे-संबंधियों से भी मुलाकात की। उन्होंने परिवार के साथ खुशियां साझा करते हुए विवाह की ढेरों बधाई प्रेषित की। समारोह में राजनीतिक और सामाजिक जगत से जुड़े कई अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

एमबीआईएनसीटी के 28 विद्यार्थी छह माह की क्लीनिकल इंटर्नशिप के लिए पुणे रवाना

रांची(बिभा)। महादेवी बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड क्लीनिकल टेक्नोलॉजी (एमबीआईएनसीटी) के 28 विद्यार्थियों का दल बुधवार को छह माह की क्लीनिकल इंटर्नशिप के लिए पुणे स्थित आदित्य बिरला मेमोरियल हॉस्पिटल के लिए रवाना हुआ। संस्थान ने इसे विद्यार्थियों के व्यावसायिक कौशल और व्यावहारिक अनुभव को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। संस्थान की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इंटर्नशिप के दौरान विद्यार्थियों को आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं, उन्नत चिकित्सकीय प्रक्रियाओं तथा रोगी-केंद्रित देखभाल का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्हें अनुभवी चिकित्सकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में कार्य करने का अवसर मिलेगा, जिससे वे अपने व्यावसायिक ज्ञान, तकनीकी दक्षता और नैदानिक कौशल को और बेहतर बना सकेंगे। सरला बिरला विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक, कुलपति प्रो. सी. जगनाथन तथा राज्यसभा सांसद एवं निदेशक (प्लानिंग एंड डेवलपमेंट) डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि क्लीनिकल इंटर्नशिप नर्सिंग शिक्षा का अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह विद्यार्थियों को वास्तविक परिस्थितियों में कार्य करने का अनुभव प्रदान करती है और उन्हें एक कुशल एवं संवेदनशील स्वास्थ्यकर्मी बनने के लिए तैयार करती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पुणे में प्राप्त प्रशिक्षण और अनुभव के आधार पर विद्यार्थी भविष्य में समाज को बेहतर, गुणवत्तापूर्ण और मानवीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से संस्थान और विश्वविद्यालय की गरिमा बनाए रखते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपेक्षा जताई। विद्यार्थियों को रवाना करने के अवसर पर संस्थान की प्राचार्या डॉ. सुबानी बाड़ा, नर्सिंग एडमिनिस्ट्रेटर आशुतोष द्विवेदी, उप-प्राचार्या डॉ. मीनल श्वेता, निरोलिन कुल्लू तथा अंजना मसीह सहित संस्थान के अन्य शिक्षक एवं अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों को अनुशासन, समर्पण और पूर्ण निष्ठा के साथ प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने तथा संस्थान का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं।

संजय सेठ ने किया रथ मेला में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सहायता शिविर का उद्घाटन

रांची(बिभा)। दक्षिण छोटानागपुर के ऐतिहासिक रथ मेला में आनेवाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सहायता के लिए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ की ओर से स्थापित सहायता शिविर का बुधवार को उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रथ मेला आस्था, संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र है तथा यहां आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए यह विशेष सहायता शिविर लगाया गया है। संजय सेठ ने बताया कि शिविर में संजय सेठ सहायता समूह के लगभग 200 कार्यकर्ता पूरे मेला अवधि के दौरान सेवा कार्य में जुटे रहेंगे। कार्यकर्ता श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन, आवश्यक सहायता तथा अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे। शिविर में प्राथमिक चिकित्सा की भी विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि किसी श्रद्धालु की तबीयत खराब होने या आपात स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल सहायता प्रदान की जा सके। उन्होंने कहा कि सेवा ही संगठन का मूल मंत्र है और मेला में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु तक हर संभव मदद पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान पांच हजार जवान रहेंगे तैनात, ट्रैफिक में बदलाव

बिभा संवाददाता

रांची। भगवान जगन्नाथ के रथ यात्रा को लेकर रांची पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये हैं। सुरक्षा को लेकर मंदिर परिसर से लेकर शहर के हर चौक- चौराहों पर पुलिस के जवान तैनात रहेंगे। सुरक्षा के लिहाज से 5000 हजार जवानों सहित दंडाधिकारी की तैनाती की गयी है। साथ ही ड्रोन और सीसीटीवी कैमरे से पूरे मेला और मंदिर परिसर की निगरानी की जायेगी। वॉच टावर और कंट्रोल रुम का भी मेले परिसर में निर्माण किया गया है जो 24 घंटे कार्यरत रहेगा।

इसके अलावा सभी थानेदारों को एसएसपी राकेश रंजन ने रथ यात्रा को लेकर अपने-अपने क्षेत्र में अलर्ट रहने को कहा है। साथ ही रथ यात्रा की सुरक्षा को लेकर छह अलग-अलग क्यूआरटी बनाई गई है जो लगातार निगरानी रखेगी।

एसएसपी राकेश रंजन ने बताया कि भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा और घुरती मेला को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और क्यूआरटी की प्रतिनियुक्ति की गई है। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरे से भी मेले परिसर की निगरानी की जायेगी।

वहीं भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा और घुरती मेला को लेकर रांची ट्रैफिक पुलिस ने 16 से 25 जुलाई तक विशेष यातायात व्यवस्था लागू की है। श्रद्धालुओं की सुविधा और यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए कई मार्गों पर वाहनों का रूट डायवर्ट किया गया है, जबकि कुछ रास्तों पर छोटे वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक रहेगी।

ट्रैफिक पुलिस के अनुसार बिरसा चौक से मेला जाने वाले वाहन शहीद मैदान में पार्किंग करेंगे। वहीं तुपुदाना, हटिया और धुर्वा की ओर से आने वाले वाहनों के लिए प्रभात तारा मैदान में पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

रिंग रोड से मेला या शहर की ओर आने वाले भारी और हल्के वाहन तिरिल मोड़, नॉर्थ गेट, प्रभात तारा मैदान और शालीमार बाजार होते हुए गुजरेंगे और तिरिल मोड़ स्थित हेलिपैड में पार्किंग कर सकेंगे।

बिरसा चौक से रिंग रोड (सिठियो) जाने वाले वाहनों को सिंह मोड़, चांदनी चौक, धुर्वा गोलचक्कर और वीर कुंवर सिंह चौक होते हुए भेजा जाएगा। वहीं धुर्वा से रिंग रोड जाने वाले वाहन भी वीर कुंवर सिंह चौक के रास्ते सिठियो रिंग रोड पहुंचेंगे। रिंग रोड से शहर आने वाले वाहनों के लिए भी अलग डायवर्जन रूट निर्धारित किया गया है।

मेले के दौरान तिरिल मोड़ से मौसीबाड़ी गोलचक्कर, शहीद मैदान से मौसीबाड़ी गोलचक्कर और प्रभात तारा तीनमुहान से जगन्नाथपुर बाजार तक कार, ऑटो, सवारी वाहन और बाइक के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा।

इसके अलावा पुराना विधानसभा क्षेत्र की ओर से आने वाले बड़े वाहनों और मिनीडोर को शहीद मैदान के पास बनाए गए पार्किंग स्थल पर खड़ा करना होगा। ट्रैफिक पुलिस ने कहा है कि भीड़ और यातायात की स्थिति को देखते हुए आवश्यकता पड़ने पर अन्य मार्गों पर भी अस्थायी रूप से रूट डायवर्ट या वाहनों की आवाजाही रोकी जा सकती है।

ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने लोगों से ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ सहयोग करने और किसी प्रकार का विवाद नहीं करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी प्रशासन के निर्देशों के अनुसार अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं।

यदि लोग मेला परिसर में वाहन लेकर जाने का प्रयास करेंगे तो जाम की स्थिति उत्पन्न होगी, जिससे आम लोगों और श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए सभी नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा की गई है।

रातू में छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के छह आरोपित गिरफ्तार, अन्य की तलाश जारी

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के रातू थाना क्षेत्र में एक छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य आरोपितों की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, वारदात को छात्रा के साथ गए उसके परिचित युवक के दोस्तों ने अंजाम दिया। मामले में अन्य संदिग्धों की भी तलाश की जा रही है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता रांची के तुपुदाना थाना क्षेत्र की रहने वाली है। वह अपने एक परिचित युवक के साथ रातू गई थी। इसी दौरान युवक के दोस्तों ने उसे बंधक बना लिया और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि घटना में सात से आठ लोग शामिल थे।

पुलिस के अनुसार, यह घटना 12 जुलाई की है। पीड़िता ने मंगलवार (14 जुलाई) की देर शाम रातू थाना पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी दी। शिकायत मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू की और संदिग्धों की पहचान कर गिरफ्तारी अभियान चलाया।

रांची के ग्रामीण पुलिस अधीक्षक गौरव गोस्वामी ने बुधवार को बताया कि मामले में अब तक छह आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उनसे पूछताछ की जा रही है ताकि घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा सके।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रारंभिक जांच में कुछ अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जानकारी मिली है। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीम लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है।

नगड़ी प्रखंड में एग कार्ट योजना का शुभारंभ, लाभुकों के बीच निःशुल्क एग कार्ट का वितरण

बिभा संवाददाता

नगड़ी/रांची : नगड़ी प्रखंड परिसर में नगड़ी आजीविका महिला संकुल स्तरीय स्वावलंबी सहकारी समिति के माध्यम से प्रदान एवं नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी के सहयोग से झारखंड में नई पहल एग कार्ट योजना का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर चयनित लाभुकों के साथ एग कार्ट संचालन संबंधी एकरारनामा संपन्न किया गया तथा उन्हें निःशुल्क एग कार्ट वितरित किए गए।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य अंडे के उपभोग को बढ़ावा देना, बेरोजगार एवं आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराना तथा आमजन के बीच अंडे के पोषण संबंधी लाभों के प्रति जागरूकता फैलाना है।

योजना के अंतर्गत प्रत्येक चयनित लाभुक को लगभग 50,000 (जीएसटी सहित) मूल्य का एग कार्ट एवं आवश्यक रसोई सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें लगभग 35,000 मूल्य का एग कार्ट तथा 15,000 मूल्य के बर्तन एवं अन्य आवश्यक उपकरण शामिल हैं। इन कार्टों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के अंडा-आधारित व्यंजन तैयार कर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए जाएंगे।

यह परियोजना चरणबद्ध तरीके से पूरे झारखंड में लागू की जाएगी।

इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य पूनम देवी, प्रखंड प्रमुख मधुआ कच्छप, प्रखंड विकास पदाधिकारी दीपाली भगत, बी.पी.एम. सुखदेव लोहरा, ब्रजेश, प्रदान संस्था से सुकांत कर्मकार, सुश्री रूमा, विकास, धीरज, आदर्श, जीशान, सीएलएफ के पदाधिकारी एवं सदस्य तथा अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

19 जुलाई तक सभी मतदाता अपने बीएलओ को इन्यूमरेशन फॉर्म जमा कर दें : के. रवि कुमार

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, के. रवि कुमार ने कहा कि, राज्य में बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर लगभग 96% मतदाताओं को इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराने का कार्य ससमय किया गया है। वैसे मतदाता जो एएसडीडी सूची के हो सकते है अथवा वैसे मतदाता जो मतदान केंद्र क्षेत्र से दूर रहने के कारण अपना इन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं कर पाए हैं, अथवा किसी अन्य कारणवश, जिन्हें अभी तक इन्यूमरेशन फॉर्म प्राप्त नहीं हुआ हैं, वे ही शेष बचे हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राज्य के सभी पात्र भारतीय मतदाताओं से अनुरोध किया है, कि 19 जुलाई तक अपने बीएलओ से संपर्क करते हुए अपना भरा हुआ एवं हस्ताक्षर किया हुआ इन्यूमरेशन फॉर्म वापस जमा कर दें। उन्होंने कहा कि राज्य में बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर इन्यूमरेशन फॉर्म वर्तमान मतदाता सूची के मतदाताओं तक उपलब्ध कराई गई है। अब बीएलओ, मतदाताओं द्वारा भरा हुआ एवं हस्ताक्षर किया हुआ इन्यूमरेशन फॉर्म वापस जमा करने का कार्य कर रहे हैं।

के. रवि कुमार ने कहा है कि 22 जुलाई को बीएलओ एवं बीएलएझ2 की इन्यूमरेशन फेज के दौरान तीसरी एवं अंतिम बैठक सभी मतदान केंद्रों पर निर्धारित है। उक्त बैठक में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलएझ2 के साथ बीएलओ एएसडीडी सूची को अंतिम रूप देंगें। जिसका प्रकाशन 5 अगस्त को मतदाता सूची के ड्राफ्ट पब्लिकेशन के साथ किया जाएगा। उन्होंने सभी मतदाताओं एवं मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए -2 से आग्रह किया है कि मतदाताओं द्वारा भरा हुआ एवं हस्ताक्षर किया हुआ इन्यूमरेशन फॉर्म 19 जुलाई तक संबंधित बीएलओ को वापस जमा करना सुनिश्चित करें जिससे एसआईआर के इन्यूमरेशन फेज से सम्बंधित अन्य कार्य जैसे इन्यूमरेशन फॉर्म का डिजिटाइजेशन, मतदान केंद्र के मतदाताओं के अनुरूप रेशनलाईजेशन (एक परिवार/घर के मतदाता एक ही मतदान केंद्र पर मतदाता सूची में सूचीबद्ध हो), इन्यूमरेशन फॉर्म द्वारा मतदाताओं से प्राप्त जानकारियों का सत्यापन एवं एएसडीडी सूची का अंतिम प्रकाशन को ससमय पूरा किया जा सके।

के. रवि कुमार ने कहा है कि वैसे मतदाता जिन्हें अभी भी इन्यूमरेशन फॉर्म नहीं प्राप्त हुआ है वे अपने बीएलओ से संपर्क कर अथवा ऑनलाइन माध्यम से अपना इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा कर सकते हैं।

पूर्व रेलवे

विशेष सीमित निविदा सूचना

चीफ रोलिंग स्टॉक इंजीनियर/कोचिंग, यांत्रिक विभाग, पूर्व रेलवे, 17 एन.एस. रोड, फेयरली प्लेस सूचीबद्ध फर्मों से निम्नलिखित कार्य के लिए "एकल पैकेट प्रणाली" के तहत मुहरबंद निविदा आमंत्रित करते हैं।

1	कार्य का नाम	सूचीबद्ध फर्मों के ज़रिए पूर्व रेलवे की निर्दिष्ट ट्रेनों में दो वर्ष (730 दिन) की अवधि के लिए बेहतर ऑन-बोर्ड सर्विसेस (ओबीएचएस और लिनन वितरण)
2	कार्य स्थल	पूर्व रेलवे (हावड़ा और सियालदह मंडल)
3	कार्य की अवधि	दो वर्ष (730 दिन)
4	कार्य का अनुमानित मूल्य	रु. 40,03,34,778.52 (जीएसटी सहित)
5	बयाना राशि (ऑनलाइन)	रु.21,51,700/- एफए एंड सीएओ, पूर्व रेलवे, कोलकाता के पक्ष में
6	निविदा प्रपत्र का मूल्य	शून्य
7	निविदा कागजातों की उपलब्धता	वेबसाइट **www.ireps.gov.in**
8	निविदा कागजातों की उपलब्धता की तिथि और समय	दिनांक 04.08.2026 को 14.50 बजे तक उपलब्ध
9	निविदा की अंतिम तिथि और समय	दिनांक 04.08.2026 को 15.00 बजे
10	निविदा के खुलने की तिथि और समय	दिनांक 04.08.2026, 15.30 बजे से। यदि निविदा खोलने की तिथि पर छुट्टी हो या कोई अन्य कारण हो, तो निविदा अगले कार्यदिवस पर खोली जाएगी।
11	निविदा के खुलने का स्थान	पूर्व रेलवे मुख्यालय, फेयरली प्लेस, यांत्रिक विभाग, पहली मंज़िल, फेयरली प्लेस, कोलकाता-700001

संख्या एमसी/385/रिफॉर्म ओबीएचएस-01/26 दिनांक : 15.07.2026

MISC-104/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

टाटी में जूट- सोहराई प्रशिक्षण का दूसरा बैच शुरू, 25-30 ग्रामीण महिलाएं लेंगी प्रशिक्षण, स्वरोजगार से जुड़ने का मिलेगा अवसर

पारंपरिक कला को बाजार से जोड़ना हमारी प्राथमिकता : डॉ. मयंक मुरारी

बिभा संवाददाता

रांची/टाटी। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत टाटी पश्चिम गांव में जूट शिल्प एवं सोहराई पेंटिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे बैच का शुभारंभ किया गया। उषा मार्टिन फाउंडेशन एवं इटकी वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रशिक्षण में क्षेत्र की 25 से 30 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं के कौशल विकास, पारंपरिक कला के संरक्षण तथा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इसके माध्यम से प्रतिभागियों को झारखंड की प्रसिद्ध सोहराई कला एवं जूट शिल्प का व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर उन्हें बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि वे भविष्य में स्वयं का उद्यम स्थापित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उषा मार्टिन फाउंडेशन के सीएसआर हेड डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि झारखंड की पारंपरिक कलाएं केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर ही नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका का मजबूत माध्यम भी बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि यदि महिलाएं उत्पादों की गुणवत्ता, आकर्षक डिजाइन, फिनिशिंग, पैकेजिंग और विपणन पर विशेष ध्यान दें, तो जूट एवं सोहराई उत्पाद राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी अलग पहचान बना सकते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण को पूरी लगन और समर्पण के साथ सीखकर इसे स्थायी आय के स्त्रोत में बदलने का आह्वान किया।

इटकी वेलफेयर सोसाइटी के सुनील कुमार ने कहा कि महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से संगठित होकर कार्य करना चाहिए। सामूहिक उत्पादन से बड़े ऑर्डर प्राप्त करने, अपनी ब्रांड पहचान विकसित करने तथा बेहतर बाजार उपलब्ध कराने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल कला सिखाना नहीं, बल्कि महिलाओं को सफल उद्यमी बनाना है।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जूट शिल्प एवं सोहराई पेंटिंग से संबंधित आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों ने सोहराई कला की पारंपरिक तकनीकों, प्राकृतिक रंगों के उपयोग, डिजाइन निर्माण तथा जूट से उपयोगी एवं आकर्षक उत्पाद तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

कार्यक्रम के सफल संचालन में संगीता कुमारी, मेवालाल महतो एवं अनुपम कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके सहयोग से प्रशिक्षण का संचालन सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण में शामिल महिलाओं ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण उनकी पारंपरिक कला को रोजगार से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। प्रतिभागियों ने भविष्य में सामूहिक रूप से गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार कर बाजार तक अपनी पहुंच बनाने का संकल्प भी व्यक्त किया।

ग्रामीण महिलाओं के कौशल विकास, पारंपरिक कला के संरक्षण तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन की दिशा में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एक प्रेरणादायी पहल के रूप में उभर रहा है।

बोकारो में कब्रिस्तान के पास जुआ अड्डा का भंडाफोड़ 6 गिरफ्तार, नगद व 10 बाइक जब्त

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा की गुप्त सूचना के आधार पर गठित टीम ने बुधवार को चास थाना क्षेत्र अंतर्गत अंसारी मोहल्ला स्थित कब्रिस्तान के पास बने बंद चारदीवारी वाले स्थान में चल रहे जुआ अड्डे पर छापामारी कर 6 व्यक्तियों को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया। कार्रवाई एएसपी वेदांत शंकर के नेतृत्व में की गई।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से कुल 36,200 नकद, 08 मोबाइल फोन, दो कॉपी, चार खुले ताश के गड्डे, दो पैक बंद ताश के गड्डे तथा दो बैनर जिनपर 01 से 09 तक अंक लिखे हुए थे, जब्त किए। इसके अलावा चारदीवारी के बाहर खड़े कुल 10 दो-पहिया वाहन भी विधिवत जब्त कर लिए गए हैं। चास एएसपी वेदांत शंकर ने बताया कि प्राप्त गुप्त सूचना के अनुरूप टीम ने घेराबंदी कर छापामारी की। मौके पर जुआ खेलते पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ चालान व प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। कब्रिस्तान के आसपास की निगरानी बढ़ा दी गई है और संबंधित वाहनों के कागजात तथा आरोपियों की पहचान-पुष्टि की जा रही है। अधिकारी ने कहा कि मामला जुआखोरी का है और जुआ संचालन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और जालसाजी में शामिल अन्य लोगों की पहचान के लिए छानबीन की जा रही है। स्थानीय लोगों ने कहा कि कब्रिस्तान के पास इस तरह की गैरकानूनी गतिविधियाँ लंबे समय से चिंता का विषय रही हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से राहत की सांस ली जा रही है और वे आशा कर रहे हैं कि भविष्य में ऐसी गतिविधियाँ नियंत्रित होंगी।

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि ऐसी किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत नजदीकी थाना या हेल्पलाइन पर दें ताकि समय रहते रोकथाम संभव हो सके।

70 वर्षों की परंपरा: नयावन में आज से लगेगा ऐतिहासिक भगवान जगन्नाथ रथ मेला

बिभा संवाददाता

चंदनकियारी (बोकारो): चंदनकियारी प्रखंड के नयावन पंचायत स्थित नयावन-पाबराटांड़ रथटांड़ में भगवान श्री श्री जगन्नाथ देव स्वामी की ऐतिहासिक रथ यात्रा मेला पिछले लगभग 70 वर्षों से श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित की जा रही है। इस वर्ष भी 16 जुलाई 2026 को पारंपरिक रथ मेला का आयोजन होगा, जिसमें भगवान जगन्नाथ देव मासीबाड़ी के लिए प्रस्थान करेंगे।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 1957 में संत श्री श्री उत्तमानंद परमहंस देव (रामेश्वर बाबाजी) ने ग्रामीणों के सहयोग से विधिवत रथ यात्रा की शुरूआत की थी। इसके बाद वर्ष 1960 में भगवान जगन्नाथ का मंदिर निर्मित कराया गया। रथ का प्रथम संचालन भी श्री श्री उत्तमानंद परमहंस देव के हाथों संपन्न हुआ था।

रथ यात्रा के अवसर पर वर्षों से धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया जा रहा है। पूजा-अर्चना का दायित्व प्रारंभ से ही तारानारी के पंडित राजेंद्र पांडे तथा चंदनकियारी शिलफोर के पुजारी भोला पांडे निभाते आ रहे हैं।

रथ मेला को लेकर नयावन-पाबराटांड़ सहित कुलटांड़, पर्वतपुर, शिलफोर, ढिबरदा, योगीडीह, बरडुभी, कारीटांड़ और टेटेगाबाद समेत आसपास के कई गांवों के श्रद्धालु तैयारियों में जुटे हुए हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

ग्रामीणों ने बताया कि यह रथ मेला केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। श्रद्धालु पूरे उत्साह और भक्ति के साथ भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शामिल होकर सुख, शांति और समृद्धि की कामना करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

सेंट मेरीज नर्सरी में बच्चों ने बिखेरा आत्मविश्वास, सफल रहा अंग्रेजी समूह कविता पाठ प्रतियोगिता

बोकारो(बिभा) : सेंट मेरीज नर्सरी स्कूल में आज अंग्रेजी समूह कविता पाठ का रंगारंग आयोजन हुआ, जिसमें प्री-नर्सरी और नर्सरी के नन्हे

विद्यार्थियों ने उम्दा प्रदर्शन कर आयोजित कार्यक्रम को यादगार बना दिया। छोटे-छोटे बच्चों की जोशीली प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया और बच्चों के आत्मविश्वास की झलक साफ दिखी। कार्यक्रम में प्री-नर्सरी के बच्चों ने जंप कविता का उत्साहपूर्ण और आनंदमय समूह पाठ प्रस्तुत किया। उनकी ऊर्जा, शरणीय हाव-भाव और समुचित ताल ने मंच पर एक जीवंत माहौल बनाया। वहीं नर्सरी के बच्चों ने रेनबो कलर कविता का आकर्षक समूह पाठ प्रस्तुत करते हुए साफ उच्चारण, लय और आपसी तालमेल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। दोनों प्रदर्शनाओं में बच्चों की अभिव्यक्ति की स्पष्टता और आत्मविश्वास ने विशेष प्रभावित किया। विद्यालय के प्राचार्य रेवरेंड फादर दिनु एम. डैनियल ने बच्चों के उत्साह और प्रयासों की जमकर सराहना की। प्राचार्य ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएँ न केवल भाषा कौशल में सुधार लाती हैं, बल्कि बच्चों के आत्मविश्वास, मंच संचालन क्षमता, रचनात्मक अभिव्यक्ति और टीमवर्क की भावना को भी पुष्ट करती हैं। उन्होंने प्रतिभागी बच्चों और उनके प्रशिक्षकों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बधाई व शुभकामनाएँ दीं। विद्यालय के शिक्षक और मातापिता भी बच्चों के उत्साहवर्धक व्यवहार तथा कार्यक्रम की सुव्यवस्था पर संतुष्ट दिखे। आयोजकों ने बताया कि यह प्रतियोगिता बच्चों के लिए सीखने, आनंद लेने और अपनी प्रतिभा को निखारने का एक सार्थक और यादगार अवसर साबित हुई।

जीजीपीएस चास में एयर रेड (रेड अलर्ट) एवं ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का सफल आयोजन

चास (बोकारो)(बिभा) । गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल, चास में बुधवार को स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के तहत एयर रेड (रेड अलर्ट) एवं

ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली सुरक्षा प्रक्रियाओं से अवगत कराना तथा उनमें सतर्कता, जागरूकता एवं त्वरित प्रतिक्रिया की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम की शुरूआत मॉक ड्रिल के उद्देश्य एवं सुरक्षा संबंधी दिशा-निदेशों की जानकारी के साथ हुई। इसके पश्चात रेड अलर्ट सायरन बजते ही विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए शांतिपूर्वक एवं अनुशासित ढंग से सुरक्षित स्थानों पर पहुँचकर अभ्यास में भाग लिया। ब्लैकआउट ड्रिल के दौरान कक्षाओं की लाइटें एवं अन्य विद्युत उपकरण बंद किए गए, खिड़कियों पर पर्दे लगाए गए तथा पूर्ण शांति बनाए रखी गई। ऑल क्लियर संकेत मिलने के बाद विद्यालय की नियमित शैक्षणिक गतिविधियाँ पुनः प्रारंभ कर दी गईं। जीजीईएस के अध्यक्ष तरसेम सिंह ने मॉक ड्रिल के सफल आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि सुरक्षा के प्रति जागरूकता और पूर्व तैयारी प्रत्येक नागरिक के लिए अत्यंत आवश्यक है।

पत्तों में सृजन की छटा : डीएवी-4 के नन्हे कलाकारों ने लीफ कोलाज से उकेरे आकर्षक पोस्टर

बोकारो(बिभा)। बुधवार को डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4, में पाठ्य सहगामी गतिविधियों के अन्तर्गत कक्षा तृतीय एवं चतुर्थ के विद्यार्थियों के लिए लीफ

कोलाज गतिविधि का आयोजन किया गया। इस गतिविधि में बच्चों ने विभिन्न प्रकार के प्राकृतिक पत्तों का उपयोग कर अत्यंत आकर्षक, रंग-बिरंगे एवं रचनात्मक पोस्टर तैयार किए। विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता, कलात्मक अभिव्यक्ति तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता का सुंदर परिचय देते हुए प्रकृति संरक्षण, हरित पर्यावरण एवं स्वच्छता जैसे विषयों पर मनमोहक कृतियाँ प्रस्तुत कीं। गतिविधि के माध्यम से बच्चों में रचनात्मक सोच, सौंदर्यबोध, सूक्ष्म अवलोकन, टीम भावना तथा प्राकृतिक संसाधनों के प्रति संवेदनशीलता का विकास हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एस. के. मिश्रा ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, ₹पाठ्य सहगामी गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। लीफ कोलाज जैसी गतिविधियाँ विद्यार्थियों की सृजनात्मक क्षमता को निखारने के साथ-साथ उन्हें प्रकृति के प्रति प्रेम, संरक्षण और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का संदेश भी देती हैं। ऐसे रचनात्मक प्रयास बच्चों के व्यक्तित्व को नई दिशा प्रदान करते हैं तथा उन्हें सीखने की प्रक्रिया से आनंदपूर्वक जोड़ते हैं।₹ उन्होंने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों एवं गाइड शिक्षकों की सराहना की और भविष्य में इस प्रकार की नवाचारी एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों के निरंतर आयोजन द्वारा बच्चों के समग्रता पूर्ण विकास की मंगल कामना की।

सेक्टर 1-सी में भाजपा कार्यालय का भव्य उद्घाटन, माता की चौकी, भजन-कीर्तन व मंगल पाठ आयोजित

बिभा संवाददाता

बोकारो: सेक्टर 1-सी स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं उन्नति फाउंडेशन के संयुक्त कार्यालय का आज भव्य उद्घाटन केंद्रीय सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों के बीच संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत धनबाद सांसद ढुल्लू महतो जी की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री देवी ने दीप प्रज्वलित कर और माँ जगदंबा की पूजा-अर्चना करके की।

उद्घाटन के बाद उन्नति फाउंडेशन के तत्वावधान में सायं माता की चौकी, भजन-कीर्तन तथा मंगल पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, कार्यकर्ता और संस्था की सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम में भक्ति-मय वातावरण का नजारा देखने को मिला और उपस्थित लोगों ने संयुक्त रूप से माता भगवती की आराधना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम में भाजपा के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र राज, पूर्व बेरमो विधायक योगेश्वर महतो (बाटुल), पूर्व विधायक बिरंचि नारायण मंडल सहित विशाल गौतम, ब्रज दुबे, मुकेश राय, मनोज झा, विभीषण, मिनी मनी, सुलेखा दीदी, बबीता, अनीता झा, रानी राजी, मिनी स्टीफन, जूही, रतन, श्रुति, बबीता और इंदिरा भाभी समेत सैकड़ों कार्यकर्ता व समर्थक उपस्थित थे। उन्नति फाउंडेशन की हजारों सदस्याओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और भजन-कीर्तन में शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उन्नति फाउंडेशन की संस्थापिका और भाजपा प्रदेश मंत्री महिला मोर्चा अर्चना सिंह ने कहा कि यह अवसर केवल कार्यालय के उद्घाटन के लिए नहीं किया गया है, बल्कि इसका उद्देश्य सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना और सेवा भाव को मजबूती देना भी है। उन्होंने कहा कि माँ भगवती की आराधना के माध्यम से राष्ट्र की समृद्धि, समाज के कल्याण और सभी नागरिकों के मंगल की कामना की जाएगी। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित श्रद्धालुओं में महाप्रसाद का वितरण किया गया। उद्घाटन समारोह में उपस्थित वरिष्ठ पदाधिकारियों, संघ के राष्ट्रवादी विचार परिवार के सम्मानित सदस्यों तथा उन्नति फाउंडेशन की मातृशक्ति और बहनों ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

नीति और संवेदनशीलता से बहाली: सेक्टर-4 पुलिस ने संवेदनशीलता दिखाते हुए दो बच्चियों को परिवार से मिलाया

बिभा संवाददाता

बोकारो : सेक्टर-4 थाना की पहल से दो बालिकाओं को उनके माता-पिता के सुपुर्द करके पारिवारिक संरक्षण सुनिश्चित किया गया। दोनों बच्चियां कुछ समय से अपनी नानी के घर रह रही थीं और मां के घर वापस जाने के लिए तैयार नहीं थीं, जिससे उनकी पढ़ाई और माता-स्नेह प्रभावित हो रहे थे।

परिजन समस्या की गंभीरता देखते हुए सेक्टर-4 थाना से मदद के लिए संपर्क किए। मामले की नाजुकता और बच्चों के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए थाना ने तुरंत कार्रवाई की। नगरपालिका महिला थाना प्रभारी मीरा लकड़ा एवं बाल संरक्षण समिति के सदस्यों के साथ मिलकर सभी पक्षों से संवाद कर बच्चों की काउंसलिंग की गई और आवश्यक समझाइश दी गई।

काउंसलिंग के बाद दोनों बच्चियों को सुरक्षित रूप से उनके माता-पिता के साथ घर भेज दिया गया। थाने ने बताया कि बच्चों के भविष्य का आधार शिक्षा, संस्कार और माता-पिता का स्नेह है, इसलिए आगे भी बचपन के संरक्षण और जनहित के मामलों में सेक्टर-4 थाना सतर्क एवं प्रतिबद्ध रहेगा।सेक्टर-4 थाना ने कहा, बचपन को मिले प्यार और शिक्षा का अधिकार ही उज्ज्वल भविष्य का मजबूत आधार है।

ऑनलाइन जन्म प्रमाण पत्र बनने में हो रहा विलंब :रणधीर

बोकारो(बिभा)। बोकारो-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की बैठक आवासीय कार्यालय सेक्टर 9 में हुई इस बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश महासचिव रणधीर सिंह ने कहा कि बोकारो जिला प्रशासन के द्वारा ऑनलाइन जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने में काफी विलंब हो रहा है जिससे हजारों बच्चों का भविष्य पर खतरा मंडरा रहा है श्री सिंह ने कहा कि कई महीने से अभीवाबक जन्म मृत्यु निबंधन कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं पर उन्हें कोई उचित वजह न बताकर टाल दिया जा रहा श्री सिंह ने कहा कि जब इस विषय पर सेक्टर वन स्थित जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र निबंधन कार्यालय में पदस्थ डॉक्टर जय नाथ कुमार से बात की गई तो उन्होंने कहा कि पहले ऑनलाइन करना मेरे हाथ में था परंतु कई महीनो से पोर्टल बदल गया है जिसकी जानकारी जिला प्रशासन में बैठे अधिकारी को नहीं है जिसके कारण विलंब हो रहा है श्री सिंह ने कहा कि शीघ्र ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल उपायुक्त महोदय बोकारो से मिलकर इस समस्या के समाधान का मांग करेगा ताकि हजारों बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके।

बोकारो निवास मे मालियों को मिला ईएल बोनस: बीके चौधरी

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो निवास मे लगभग 12 बर्षो से काम कर रहे मालियों ने ई एल ,बोनस यानि फाईनल के रूप मे मिलने बाला पैसा का रूप रंग कैसा होता है देखने का नसीब इन मजदूरों को नही मिल रहा था ।क्योंकि मजदूरों का संरक्षक यानि चौकीदार हीं जब सब जानते समझते न्याय नही दिलबा सका तो मजदूरों के नसीब को हीं दोष दिया जा सकता है ।जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी के संज्ञान मे जब समस्या आया और प्रबंधन से सबाल जबाब जब होने लगा तो मजदूर को हीं काम से निकालने का काम किया गया ।आश्चर्य तो तब हुआ है कि अधिशासी निदेशक (एच आर) मैडम के संज्ञान मे भी सारी गौरख धंधा को बताने के उपरान्त भी नतीजा ढ़ाक का तीन पात बाली कहाबत यहां चरितार्थ हुआ। युनियन के तरफ से अत्यंत महत्वपूर्ण बोकारो निवास मे नही चाहते हुए आन्दोलन का रूप रेखा तैयार किया गया ।इस बीच बोकारो निवास का बिभाग समान्य प्रशासन मे बिभागाध्यक्ष के रूप मे महाप्रबंधक ए के सिंह ने पदभार ग्रहण करते हीं उन्होंनें इस मामले मे अनेको बार महामंत्री बि के चौधरी से बार्ता उपरान्त समी मालियों को ई एल बोनस सहित फाईनल का भुगतान बैंक खाता मे किया गया एवं कामपर पुनः रखा गया फिरभी एक माली बैठा हुआ है जिसे जल्दकाम पर रख लिया जायगा ।दो चार लाख का राशि नही था लेकिन जो भी थोड़ा-बहुत पैसा मिला तो इन मजदूरों मे इसलिए खुशी का लहर दोड गया कि नौकरी के अवधि मे पहली बार मिला ।इस खुशी मे मजदूरों ने आज जय झारखंड मजदूर समाज कार्यालय सेक्टर-9 मे महामंत्री बि के चौधरी को फूल माला पहनाकर एवं लड्डू खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया ।महामंत्री ने समान्य प्रशासन के महाप्रबंधक ए के सिंह को इस उपलब्धि मे सहयोग करने और भी आई पी जगह मे आन्दोलन को रूकबाने के लिए धन्यवाद और साधूबाद दिया ।

एसएमएस न्यू संचालन पर उठे गंभीर आरोप; कर्मचारियों ने स्थानीय समस्याओं पर मौन तोड़ने का आह्वान किया

बिभा संवाददाता

बोकारो : बीएसएल के एसएमएस न्यू विभाग में जलजमाव व रूफ सीपेज जैसी बुनियादी समस्याएँ रहने के बावजूद विभाग उत्पादन उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, ऐसी शिकायतों को लेकर बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ की एसएमएस न्यू शाखा की बैठक बुधवार को कैंटीन रेस्ट रूम में आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित कर्मचारियों ने एक स्वर में कहा कि विभाग प्रबंधन स्थानीय मुद्दों को अनदेखा कर रहा है और कर्मचारियों की समस्याएँ बनी हुई हैं। बैठक के दौरान यूनियन पदाधिकारियों ने बताया कि विभाग हर माह उत्पादन के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, लेकिन कर्मचारियों से जुड़े ज्वलंत मुद्दे यथावत बने हुए हैं। प्रमुख समस्याओं में एप्रोच रोड का अभाव, खराब ड्रेनेज सिस्टम, बारिश के दिनों में रूफ/रूम सीपेज तथा जल जाम शामिल हैं। बैठक में यह भी कहा गया कि बॉयलर रेस्ट रूम में पानी भरने की घटनाएँ बढ़ रही हैं जबकि प्रशिक्षु कर्मचारियों को छात्रावास आवंटन नहीं किया जा रहा है और ठेकेदारों को छात्रावास आवंटन दिए जा रहे हैं।

सुरक्षित कार्यस्थल और मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर यूनियन ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। पेयजल और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव, ओएचएस के पास टूटी सड़क तथा कैंटीन में स्वास्थ्य मानकों के विपरीत भोजन/नाश्ता पर भी चिंता जताई गई। कर्मचारियों का कहना था कि इन समस्याओं का प्रभाव न केवल काम के माहौल पर पड़ता है बल्कि कर्मियों की सेहत व सुरक्षा के लिए भी खतरा है।

बैठक में 2027 वेज रिवीजन, नई श्रम संहिता के अनुसार संयंत्र स्तर पर कार्यसमिति गठन, 2017 से लंबित वेज रिवीजन, बकाया एरियर, बोनस और इंसेंटिव फॉमूर्ला में सुधार तथा नए श्रम कानून लागू कर यूनियन चुनाव कराने जैसे संवेदनशील विषयों पर भी व्यापक चर्चा हुई। यूनियन नेताओं ने इन मुद्दों के स्थायी समाधान के लिए विभाग प्रबंधन से संवाद और कार्रवाई की मांग की।

बैठक के अंत में उपस्थित सभी सदस्यों ने प्रबंधन के साथ समन्वय करने के बजाय यदि समस्याएँ नहीं सुलझाई गईं तो कड़ा आंदोलन छेड़ने का संकल्प लिया। बैठक की अध्यक्षता दिलीप कुमार ने की, महासचिव हरिओम, कोषाध्यक्ष राहुल प्रसाद साव, उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार तथा विभागीय प्रतिनिधि अजय कुमार ने उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया और संघर्ष में एकजुट रहने का आह्वान किया। यूनियन का बयानः ₹विभाग केवल उत्पादन पर केन्द्रित होकर लगातार नए कीर्तिमान बना रहा है, जबकि स्थानीय समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। यदि प्रबंधन ने तुरंत कदम नहीं उठाए तो कड़ा आंदोलन तय है।

'बोकारो एक्शन प्लान' के तहत चयनित पंचायतों के विकास को लेकर जैनामोड़ में बैठक आयोजित

बिभा संवाददाता

बोकारो: 'बोकारो एक्शन प्लान' के अंतर्गत चयनित पंचायतों को आदर्श, समावेशी एवं सतत विकास आधारित पंचायत के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से स्वयंबर होटल, जैनामोड़ में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदान संस्था की पीयूषमयी ने ग्राम पंचायत विकास योजना (GPDP) एवं PAI 2.0 के उद्देश्यों, पंचायतों की भूमिका तथा स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजनाओं के निर्माण पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पंचायतों के समन्वित प्रयास, जनभागीदारी एवं प्रभावी योजना निर्माण से ही सतत एवं समावेशी विकास के लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं।

सूरज सेन ने राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए झारखंड मिलेट मिशन, किसान समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री कुसुम (PM-KUSUM) योजना, पर ड्रॉप मोर क्रॉप (PDMC), राज्य उद्यान विकास योजना तथा मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना सहित अन्य योजनाओं के उद्देश्य, पात्रता एवं लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने में पंचायतों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा पंचायतों के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र लाभुकों को इन योजनाओं से जोड़ा जाना चाहिए।

सहयोगिनी संस्था की ओर से गौतम सागर ने कहा कि सारथी नेटवर्क के द्वारा बोकारो जिले में 30 पंचायत को केंद्रित कर तैयार की गई एक्शन प्लान के तहत पंचायत राज संस्थाओं के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर समावेशी एवं सहभागी विकास को गति दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि सहयोगिनी संस्था पंचायत प्रतिनिधियों एवं संबंधित विभागों के साथ निरंतर समन्वय बनाकर बोकारो एक्शन प्लान को सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी पंचायत प्रतिनिधियों से योजनाओं के प्रचार-प्रसार एवं लाभुकों के चयन में सक्रिय सहयोग देने की अपील की। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि पंचायतों के समन्वय से विभिन्न पंचायतों में विशेष जागरूकता एवं लाभुक चयन शिविर (कैंप) आयोजित किए जाएंगे, ताकि पात्र एवं जरूरतमंद ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा जा सके। इससे अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं का लाभ मिलेगा तथा कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं आजीविका के क्षेत्र में ग्रामीणों को सशक्त बनाया जा सकेगा।

इस अवसर पर पंचायत कसमार, जरीडीह, पेटरवार , चास प्रखंड के प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं विभिन्न संस्थाओं के सदस्यों ने पंचायत स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, जनजागरूकता एवं सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने पर अपने सुझाव साझा किए। बैठक का समापन चयनित पंचायतों में समन्वित विकास कार्यों को गति देने तथा आगामी कार्ययोजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के संकल्प के साथ हुआ।

कोतरे-हुरदाग के रैयतों ने राज्यसभा सांसद खीरू महतो को सौंपा 12 सूत्री मांग-पत्र

बिभा संवाददाता

बोकारो : गोमिया प्रखंड के मौजा कोतरे और हुरदाग के रैयतों तथा भूमि-विस्थापित परिवारों के प्रतिनिधिमंडल ने आज राज्यसभा सांसद और कोयला व खान सलाहकार समिति के सदस्य खीरू महतो को 12 सूत्री मांग-पत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने केबीपी (कोतरे-बसंतपुर-पचमो) कोल परियोजना व केंदला-दनिया रेल लाइन निर्माण से प्रभावित परिवारों के अधिकारों और न्याय की मांग दोहराई। प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि परियोजना के कारण बड़ी संख्या में किसान, रैयत और ग्रामीण प्रभावित हुए हैं, परन्तु स्थानीय लोगों को रोजगार, वर्तमान बाजार दर के अनुसार न्यायसंगत मुआवजा, पुनर्वास तथा वैकल्पिक आजीविका के अधिकार नहीं मिल पा रहे हैं। सौंपे गए मांग-पत्र में कहा गया है कि सभी वास्तविक रैयतों और भूमि-विस्थापित परिवारों के वैधानिक अधिकार सुनिश्चित किए जाएं और सभी पात्र परिवारों को समान रूप से रोजगार, मुआवजा व पुनर्वास का लाभ दिया जाए। साथ ही स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार देने का भी आग्रह किया गया है।

उपायुक्त ने महुआडांड़ प्रखंड का किया व्यापक निरीक्षण, विकास योजनाओं एवं जनसेवाओं की प्रगति का लिया जायजा

शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार के साथ लोगों की समस्याओं को दूर करना हो पहली प्राथमिकता: उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लातेहार/महुआडांड़: उपायुक्त संदीप कुमार के द्वारा आज महुआडांड़ प्रखंड का व्यापक दौरा कर विभिन्न विकास योजनाओं, स्वास्थ्य एवं शिक्षा संस्थानों, निमार्णाधीन परियोजनाओं तथा भारत निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ़) कार्यक्रम के तहत संचालित कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन तथा आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने पंचायत सचिवालय अकसी का निरीक्षण किया। सचिवालय भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए उन्होंने भवन के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार के लिए

भवन निर्माण विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके पश्चात उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर, अकसी का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं, दवा उपलब्धता, साफ-सफाई एवं मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया तथा स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए।उपायुक्त ने उत्क्रमित प्लस-2 उच्च विद्यालय, बाँसकरचा का निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक एवं आधारभूत व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इसी क्रम में उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ़) के तहत बूथ संख्या 244, 246 एवं 249 का निरीक्षण कर रक्फ़से संबंधित कार्यों का जायजा लिया तथा बीएलओ को निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। संचालित कार्यों का अवलोकन करते हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा सभी पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने निमार्णाधीन एकलव्य विद्यालय, बाँसकरचा का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का अवलोकन किया तथा गुणवत्ता के साथ समय पर कार्य पूर्ण कराने के निर्देश संबंधित कार्यपालक एजेंसी को दिए।

इसके बाद उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सेमरबुढ़नी एवं पंचायत सचिवालय, चैनपुर का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध जनसेवाओं एवं कार्यालयीन व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

दौरे के दौरान उपायुक्त ने जीराफूल चावल एवं मूंगफली प्रसंस्करण इकाई, महुआडांड़ का निरीक्षण कर उत्पादन, विपणन एवं स्थानीय किसानों को मिलने वाले लाभ की जानकारी प्राप्त की तथा इकाई के बेहतर संचालन के लिए आवश्यक निर्देश दिए।इसके उपरांत उन्होंने प्रखंड सह अंचल कार्यालय, महुआडांड़ पहुंचकर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत संचालित कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों, प्रपत्रों के निष्पादन एवं मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रगति का निरीक्षण करते हुए सभी कार्यों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप समय पर पूर्ण करने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय परिसर की साफ-सफाई, विभिन्न शाखाओं के कार्यों एवं अभिलेखों के संधारण की समीक्षा की। उपायुक्त ने अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि सभी अभिलेखों का संधारण सुव्यवस्थित एवं अद्यतन रखें। विशेष रूप से कैशबुक को नियमित रूप से अपडेट रखने का निर्देश दिया गया, ताकि वित्तीय कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

उपायुक्त ने सामुदायिक स्वास्थ्य उपकेन्द्र, महुआडांड़ का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति, दवा उपलब्धता, साफ-सफाई तथा मरीजों को दी जा रही सेवाओं का निरीक्षण किया।

मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, अनुमंडल पदाधिकारी महुआडांड़, सिविल सर्जन, गोपनीय प्रभारी पदाधिकारी श्रेयांश, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, जिला शिक्षा पदाधिकारी गौतम कुमार साहू, प्रखंड विकास पदाधिकारी महुआडांड़ संतोष बैठा, संबंधित कार्यपालक अभियंता, संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

सरकारी बस स्टैंड में अनाधिकृत रूप से खड़ी कबाड़ बसों को हटाने का अंतिम अल्टीमेटम

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: बिरसा मुंडा चौक स्थित सरकारी बस स्टैंड (बस पड़ाव) के कायाकल्प और सुगम यातायात व्यवस्था को लेकर हजारीबाग नगर निगम बेहद सख्त रुख अपना रहा है। उपायुक्त एवं नगर आयुक्त द्वारा पूर्व में किए गए औचक निरीक्षण के दौरान बस स्टैंड परिसर में अनाधिकृत रूप से लंबे समय से खड़ी 6 कबाड़ बसों को चिन्हित किया गया था, जिससे स्टैंड में अव्यवस्था और जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है।

इस संबंध में संबंधित बस मालिकों को पूर्व में दिनांक 20.06.2026 को ही नोटिस निर्गत कर इन कबाड़ बसों को स्टैंड परिसर से हटाने का निर्देश दिया गया था।इसके बावजूद संबंधित बस ऑपरेटरों द्वारा अब तक बसों को नहीं हटाया गया है। इसे गंभीरता से लेते हुए नगर आयुक्त, हजारीबाग नगर निगम द्वारा सख्त रुख अपनाते हुए सभी संबंधित ट्रेवल्स एजेंसियों को

अंतिम चेतावनी पत्र जारी कर दिया गया है।इन ट्रेवल्स एजेंसियों को मिला अंतिम अल्टीमेटम:मेसर्स पम्मी ट्रेवल्स - 02 बसें, मेसर्स अंश राज ट्रेवल्स - 01 बस, मेसर्स शिवम बस सर्विस - 01 बस, मेसर्स इन्द्रलोक ट्रेवल्स - 01 बस, मेसर्स हेमकुन्ट ट्रेवल्स - 01 बस। सभी संबंधित बस मालिकों को स्पष्ट रूप से सचेत किया गया है कि वे पत्र प्राप्ति के 07 दिनों के अंदर अनिवार्य रूप से अपनी अनाधिकृत एवं कबाड़ बसों को सरकारी बस स्टैंड परिसर से हटा लें।यदि निर्धारित 07 दिनों की समयावधि के भीतर बसों को नहीं हटाया जाता है, तो नगर निगम प्रशासन नियमानुसार स्वयं इन बसों को जब्त करने और हटाने की दंडात्मक कार्रवाई करेगा।

बड़कागांव थाना की कार्यप्रणाली पर एसपी की सख्ती

पुराने मामलों के जल्द निपटारे और संगठित अपराध पर विशेष अभियान के निर्देश

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : पुलिस अधीक्षक हजारीबाग ने मंगलवार को बड़कागांव थाना का निरीक्षण कर लंबित मामलों की समीक्षा की। इस दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बड़कागांव, थाना प्रभारी तथा सभी पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे। एसपी ने वर्ष 2025 से पहले और वर्तमान में दर्ज सभी लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में एसपी ने कहा कि थाने में लंबित जमानती एवं गैर-जमानती वारंट, इश्तेहार और कुर्की-जब्ती की कार्रवाई के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। साथ ही प्रत्येक सोमवार को थाना स्तर पर समीक्षा बैठक आयोजित कर लंबित मामलों की प्रगति की निगरानी करने का निर्देश दिया।

अवैध मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए ऐसे स्थानों की पहचान कर वहां विशेष अभियान चलाने और इसमें शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा गया। संगठित

अपराध से जुड़े लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन करने तथा नए मामलों में भी तत्काल कार्रवाई कर आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

एसपी ने आम लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने और उनका समयबद्ध समाधान करने पर भी जोर दिया। वहीं, जमीन विवाद से जुड़े लंबित मामलों की थाना दिवस में नियमित समीक्षा कर संबंधित अंचलाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए लंबित मामलों का समयबद्ध निष्पादन, अपराधियों पर कार्रवाई और जनता की शिकायतों के त्वरित समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

अग्रवाल महिला मंडल का सावन मेला उत्सव 25-26 जुलाई को

हजारीबाग(बिभा) : अग्रवाल महिला मंडल द्वारा आगामी 25 एवं 26 जुलाई को स्थानीय अग्रसेन भवन में दो दिवसीय ₹सावन मेला उत्सव₹ का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष सोनल अग्रवाल एवं सचिव राखी अग्रवाल ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि अग्रवाल महिला मंडल पिछले 20 वर्षों से लगातार सावन मेला का सफल आयोजन करता आ रहा है। इस वर्ष मेले को पहले से अधिक आकर्षक, भव्य और नवीन स्वरूप दिया जा रहा है, ताकि शहरवासियों को एक अलग अनुभव मिल सके।उन्होंने बताया कि मेले में 20 से भी अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां महिलाओं और परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार के उत्पाद उपलब्ध होंगे। इनमें साड़ियां, सूट, हैंडबैग, फैशनेबल ज्वेलरी, राखियां, गिफ्ट आइटम, होम डेकोर, कॉस्मेटिक, आर्ट एंड क्राफ्ट सहित कई आकर्षक वस्तुएं एक ही स्थान पर उपलब्ध रहेंगी।अध्यक्ष सोनल अग्रवाल ने कहा कि सावन मेला केवल खरीदारी का माध्यम नहीं, बल्कि महिलाओं को स्वरोजगार और अपने हुनर को प्रदर्शित करने का भी एक सशक्त मंच है। वहीं सचिव राखी अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष मेले में कई नई और आकर्षक स्टॉल शामिल की जा रही हैं, जिससे आगंतुकों को विविधता और बेहतर विकल्प मिलेंगे।दो दिवसीय इस आयोजन में शहर के बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। अग्रवाल महिला मंडल ने सभी शहरवासियों से अपील की है कि वे अपने परिवार एवं मित्रों के साथ मेले में पहुंचकर खरीदारी करें, महिला उद्यमियों का उत्साहवर्धन करें और सावन उत्सव का आनंद लें।

छठे दिन उमड़ी श्रद्धालुओं की आस्था

हजारीबाग(बिभा): दिगंबर जैन मंदिर, बड़म बाजार में परम पूज्य मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज एवं पूज्य मुनि श्री 108 कौशल्य सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित आठ दिवसीय सिद्धचक्र महामंडल विधान के छठे दिन बुधवार को श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास से हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित किया।मंदिर परिसर सुबह से ही भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। मंत्रोच्चार, भक्ति गीतों एवं जयघोष के बीच श्रद्धालुओं ने पूजन, अर्घ्य समर्पण, शांतिधारा एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। इस अवसर पर पूज्य मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि सिद्धचक्र महामंडल विधान में अपार शक्ति समाहित है। यह विधान आत्मशुद्धि, आत्मकल्याण एवं कर्मों की निर्जरा का प्रभावशाली माध्यम है। उन्होंने कहा कि सच्ची श्रद्धा, विश्वास एवं भक्ति भाव से इस विधान में सहभागी बनने वाले श्रद्धालुओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं तथा आत्मिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।

प्रांतिय मारवाड़ी महिला सम्मेलन कि प्रथम कार्यकारणी बैठक रामगढ़ में आज

रामगढ़(बिभा): झारखंड प्रादेशिक मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा आयोजित प्रथम कार्यकारिणी बैठक कल 16 जुलाई 26 को रामगढ़ शाखा के आतिथ्य में मिस्का बैंक्विट हॉल में होगी। प्रांतीय कार्यकारिणी कि इस बैठक में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्षा रेखा राठी व विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सचिव बबिता बगड़िया सहित तीन पुर्व राष्ट्रीय अधयक्षा, दस पुर्व प्रांतीय अधयक्षा सहित सभी जिला व शाखाओं कि अध्यक्षा व मंत्री सहित 150-200 बहनें उपस्थित रहेंगी। कार्यकारणी कि बैठक कि अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष प्रभा पाड़िया व सचिव प्रतिवेदन मनीषा मित्तल द्वारा किया जाएगा । कार्यक्रम को रामगढ़ मारवाड़ी महिला समाज कि घड़कन पुर्व राष्ट्रीय अधयक्षा अरुणा जैन के निर्देशन तथा रामगढ़ जिला मारवाड़ी महिला सम्मेलन के आतिथ्य में आयोजित हो रही कार्यकारणी कि बैठक में समाज सुधार से संबंधित विषयों पर चर्चा होगी। जिला अध्यक्ष रिद्धि जैन ने बताया कि कल कि बैठक कि तैयारियां जिला शाखा की सभी बहनें सफलता पूर्वक आयोजन में लगी है तथा अंतिम चरण में है।

रामगढ़ में बनेगा पार्किंग, जलापूर्ति और जल जमाव की समस्या होगी दूर : डीसी

बिभा संवाददाता

रामगढ़। शहर को सुव्यवस्थित और सुसज्जित बनने के लिए काफी प्रयास किया जा रहे हैं। लेकिन उन्हें धरातल पर भी उतारना है। यह बातें बुधवार को नगर परिषद और छावनी परिषद् की ओर से किए जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान डीसी ऋतुराज ने कही। उन्होंने कहा कि शहर में पार्किंग की व्यवस्था बेहद आवश्यक है। इसके अलावा जलापूर्ति और जलजमाव की समस्या को जल्द दूर करना है। बैठक में छावनी परिषद एवं नगर परिषद क्षेत्र में संचालित विभिन्न योजनाओं और कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए डीसी ने गुणवत्तापूर्ण तरीके से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान छावनी परिषद क्षेत्र में

पार्किंग व्यवस्था, जलापूर्ति योजनाओं, जल जमाव, यात्री शेड, सार्वजनिक शौचालय सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। शहर में व्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से झंडा चौक से बाजार समिति रामगढ़ तक विभिन्न स्थलों को चिन्हित करने का निर्देश दिया गया। डीसी ने संबंधित अंचल अधिकारियों को अपनी टीम के साथ स्थल निरीक्षण कर सरकारी भूमि की पहचान करने एवं जरूरी रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

डीसी ने बंद पड़ी जलापूर्ति योजनाओं की जानकारी ली। उनके संचालन का निर्देश दिया। आईओसीएल की ओर से गैस पाइपलाइन बिछाने के क्रम में क्षतिग्रस्त हुई जलापूर्ति पाइपलाइन की मरम्मती के लिए आईओसीएल, विद्युत विभाग तथा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य कराने को कहा।

डीसी ने शहर के सतकौड़ी तालाब के सौंदर्यीकरण एवं अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया। साथ ही नगर परिषद की ओर से किए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने नगर प्रबंधकों को प्रत्येक दिन सुबह अपने-अपने निर्धारित वार्डों का निरीक्षण करने तथा साफ-सफाई, जलापूर्ति एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लेने का निर्देश दिया। अधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण कर अवैध रूप से निर्मित भवनों एवं संस्थानों को चिन्हित करते हुए कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सुगिया सहित अन्य क्षेत्र में निमार्णाधीन सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए डीसी ने निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान पीएम स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक योजना, आश्रय गृह, राजस्व संग्रहण, पुस्तकालय निर्माण सहित नगर परिषद एवं छावनी परिषद से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की भी समीक्षा की गई।

श्रद्धांजलि 2026 को लेकर हो एंटरटेनमेंट सांस्कृतिक टीम एवं भगवा ध्वज समिति की संयुक्त प्रेस वार्ता सम्पन्न

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : कारगिल विजय दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले श्रद्धांजलि 2026 कार्यक्रम को लेकर आज हो एंटरटेनमेंट सांस्कृतिक टीम एवं भगवा ध्वज समिति की संयुक्त प्रेस वार्ता शहीद स्मारक, हजारीबाग में सम्पन्न हुई।प्रेस वार्ता में आयोजक रोहित वर्मा ने बताया कि 26 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाला यह विशेष कार्यक्रम देश के वीर शहीदों को समर्पित होगा। यह कार्यक्रम लगातार दूसरी बार हम लोग आयोजन कर रहे हैं कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शहीदों के अदम्य साहस, त्याग और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धापूर्वक नमन करना तथा युवाओं में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करना है।दो दिवसीय कार्यक्रम को लेकर कार्यक्रम का रूपरेखा तैयार की गई। कार्यक्रम की शुरूआत दिनांक 25 जुलाई 2026 को हजारीबाग नगर में तिरंगा यात्रा के साथ होगी।इसके पश्चात 26 जुलाई 2026 को 1 शहीद स्मारक, हजारीबाग में हवन, किया जाएगा। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए हो एंटरटेनमेंट सांस्कृतिक टीम के श्री रोहित वर्मा तथा भगवा ध्वज समिति के अध्यक्ष अनूप भाई ने कहा कि श्रद्धांजलि 2026 केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर सपूतों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। उन्होंने शहरवासियों, युवाओं, विद्यार्थियों एवं सभी सामाजिक संगठनों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करने की अपील की।

प्लास्टिक हटाने को लेकर रोटरी क्लब ने किया कार्यशाला आयोजित

रामगढ़। रोटरी क्लब की ओर से सेवा पखवाड़े के तहत आम जनों को जागरूकता करने के लिए बुधवार को प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम के दौरान रोटेरियन सुरेश पी अग्रवाल, संजीव सिंह संजू एवं कमलेश्वर सिंह ने कहा कि प्लास्टिक का प्रयोग मानव स्वास्थ्य पर खतरा है। साथ ही साथ पर्यावरण पर भी असर पड़ रहा है। देशभर में सिंगल यूज प्लास्टिक पर बैन लगाया गया है। पॉलिथीन का बिल्कुल उपयोग ना किया जाए, इसमें सब की भलाई है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक हटाओ अभियान से ही पृथ्वी के भविष्य को बचाया जा सकता है। अध्यक्ष राजेश कुमार मोदी और सचिव आशीष दास ने संयुक्त बयान में कहा कि पर्यावरण संरक्षण दुनिया के लिए एक ज्वलंत समस्या है। हम सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करें जिससे हमारा पर्यावरण संतुलित रहे। कार्यक्रम में रोटेरियन अमरेश गणक, सुरेश बौंदिया, संजय अग्रवाल मथुरा वाले, विजय अग्रवाल, विजय पोद्दार, संजय शर्मा, राहुल जैन, संजय जैन शामिल थे।

आईआईटी इंजीनियरों ने तैयार किया झारखंड का पहला ऑटोमैटिक हाइड्रोलिक रथ

इस्कॉन की रथयात्रा में दिखेगा तकनीक और आस्था का अद्भुत संगम

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : भगवान श्रीजगन्नाथ की पावन रथयात्रा के अवसर पर इस वर्ष हजारीबाग में श्रद्धालुओं को आस्था के साथ आधुनिक तकनीक का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। इस्कॉन हजारीबाग द्वारा तैयार कराया गया विशेष रथ अपनी आधुनिक तकनीक और अनोखी बनावट के कारण पूरे राज्य में आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह झारखंड का पहला ऐसा ऑटोमैटिक हाइड्रोलिक रथ होगा, जिसे आईआईटी बॉम्बे और आईआईटी कोलकाता के इंजीनियरों ने डिजाइन किया है।रथ की सबसे बड़ी विशेषता इसका हाइड्रोलिक सिस्टम है। शहर में जगह-जगह लटक रहे बिजली और संचार के तारों को ध्यान में रखते हुए रथ को आवश्यकता के

अनुसार 16 फीट से बढ़ाकर 40 फीट तक ऊंचा या नीचे किया जा सकेगा। यह पूरी प्रक्रिया रिमोट कंट्रोल के माध्यम से संचालित होगी, जिससे रथ यात्रा के दौरान किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी और सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

आयोजकों के अनुसार इस विशेष तकनीक से रथ यात्रा अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और सुचारु रूप से संपन्न होगी। रथ का निर्माण पारंपरिक धार्मिक स्वरूप को बनाए रखते हुए आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीक के साथ किया गया है, जिससे श्रद्धालुओं को एक नया अनुभव मिलेगा।इस्कॉन हजारीबाग की ओर से जानकारी दी गई कि भगवान श्रीजगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा महारानी की भव्य रथयात्रा गुरुवार को सुबह 11 बजे प्रारंभ होगी। यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

एसआईआर-2026 में उत्कृष्ट कार्य करने पर बीएलओ को उपायुक्त ने किया सम्मानित

बिभा संवाददाता

लातेहार: विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले मतदान केंद्र संख्या-262 (उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सुरकई), महुआडांड़ प्रखंड की बीएलओ लखनी नगेसिया को जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त संदीप कुमार द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। लखनी नगेसिया ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान अपने मतदान केंद्र क्षेत्र में शत प्रतिशत गणना प्रपत्रों का वितरण एवं शत प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण सर्वप्रथम पूर्ण कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। उनके उत्कृष्ट कार्य, कर्तव्यनिष्ठा एवं समयबद्ध निष्पादन की सराहना करते हुए उपायुक्त ने उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि निर्वाचन कार्य में बीएलओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने में बीएलओ की सक्रिय भागीदारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाती है। उन्होंने सभी बीएलओ से इसी प्रकार समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की अपील की।उपायुक्त ने सम्मानित बीएलओ के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनका उत्कृष्ट कार्य अन्य कर्मियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत है। निर्वाचन कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को समय-समय पर प्रोत्साहित एवं सम्मानित किया जाता रहेगा।

हेरहंज प्रखंड झामुमो कमिटी ने राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम को सौंपा ज्ञापन, खेल स्टेडियम के लिए वैकल्पिक स्थल की मांग

बिभा संवाददाता

लातेहार: झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) हेरहंज प्रखंड कमिटी ने बुधवार को राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम को ज्ञापन सौंपकर हेरहंज प्रखंड के ताशु ग्राम में प्रस्तावित खेल स्टेडियम के निर्माण पर असहमति जताई। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि स्टेडियम का निर्माण ऐसे उपयुक्त एवं सर्वसुलभ स्थान पर कराया जाए, जहाँ प्रखंड के अधिक से अधिक खिलाड़ियों एवं युवाओं को इसका लाभ मिल सके।ज्ञापन प्राप्त करने के बाद राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम ने मामले को गंभीरता

से लेते हुए तत्काल जिला प्रशासन से दूरभाष के माध्यम से संपर्क किया। उन्होंने उपायुक्त एवं अंचल अधिकारी से बातचीत कर जनभावनाओं के अनुरूप स्टेडियम के निर्माण के लिए वैकल्पिक स्थान पर विचार करने का आग्रह किया। सांसद ने आश्वस्त किया कि जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उचित निर्णय लेने का प्रयास किया जाएगा।झामुमो नेताओं ने कहा कि खेल स्टेडियम ऐसी जगह बनाया जाना चाहिए, जहाँ सभी पंचायतों के खिलाड़ियों की पहुँच आसान हो और खेल प्रतिभाओं को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें।इस अवसर पर झामुमो जिला प्रवक्ता सुशील कुमार यादव, जिला उपाध्यक्ष चंद्रदेव उरांव, जिला सचिव रामबृक्ष भोगता, हेरहंज जिला परिषद सदस्य चंचला देवी, महिला कोषाध्यक्ष पूजा कुमारी,प्रखंड अध्यक्ष विजय उरांव, प्रखंड सचिव यादव भोला, युवा मोर्चा अध्यक्ष रॉकी कुमार लोहारा, मो. सलमान अंसारी, महिला मोर्चा अध्यक्ष गेंदिया देवी, अरुण यादव, नकुल यादव, बिगन उरांव, सोनू कुमार चंद्रवंशी, केंद्रीय सदस्य सुदामा प्रसाद* सहित बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

जगन्नाथ महायात्रा : आस्था, परम्परा, आध्यात्मिक चेतना का विराट उत्सव

ललित गर्ग

वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं। धर्म का मूल स्वरूप जोड़ना है, विभाजन करना नहीं।

आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से प्रारम्भ होकर दस दिनों तक चलने वाली भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकआस्था, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक दर्शन का विराट उत्सव है। पुरी की यह महायात्रा हजारों वर्षों की परम्परा का जीवंत प्रतीक है, जिसमें भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं। इसी कारण इसे ह्यमहायात्राह्ल कहा जाता है। भारत के चार धामों में प्रतिष्ठित श्री जगन्नाथ धाम की यह यात्रा देश ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व के करोड़ों श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बनती है। वर्ष 2026 की रथयात्रा भी अपार श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई जा रही है, किन्तु इस बार इसके साथ एक नया विवाद भी जुड़ गया है। देश एवं विदेश के अनेक स्थानों पर इस्कॉन द्वारा स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग तिथियों पर रथयात्राएं आयोजित किए जाने पर कुछ धार्मिक एवं परम्परावादी संगठनों ने आपत्ति व्यक्त की है। उनका मत है कि जगन्नाथ रथयात्रा की तिथि वही होनी चाहिए जो पुरी श्रीमंदिर द्वारा निर्धारित होती है। दूसरी ओर इस्कॉन का तर्क है कि विदेशों में स्थानीय प्रशासन की अनुमति, सार्वजनिक अवकाश, मौसम तथा अन्य व्यावहारिक कारणों से कभी-कभी तिथि में परिवर्तन आवश्यक हो जाता है। यह विवाद केवल तिथि का नहीं, बल्कि परम्परा और वैश्विक विस्तार के बीच संतुलन खोजने का विषय बन गया है।

वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं। धर्म का मूल स्वरूप जोड़ना है, विभाजन करना नहीं। पुरी का श्रीमंदिर भगवान जगन्नाथ का मुख्य धाम है। लगभग 800 वर्ष पुराने इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जगन्नाथ स्वरूप में अपने बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। प्रतिवर्ष केवल एक बार तीनों देव विग्रह अपने गर्भगृह से बाहर निकलकर भक्तों को दर्शन देते हैं। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता है। सामान्य दिनों में जहां भगवान के दर्शन सीमित होते हैं, वहीं रथयात्रा में प्रत्येक व्यक्ति बिना किसी भेदभाव के भगवान के साक्षात दर्शन कर सकता है।

यात्रा की तैयारियां अक्षय तृतीया से प्रारम्भ हो जाती हैं। उसी दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के तीनों विशाल रथों का निर्माण आरम्भ होता है। प्रत्येक वर्ष नए रथ बनाए जाते हैं। यद्यपि उनका स्वरूप और आकार सदियों से समान रहता है, फिर भी प्रत्येक वर्ष नई लकड़ी, नई सज्जा और नवीन निर्माण किया जाता है। भगवान जगन्नाथ का रथ गरुड़ध्वज (कपिलध्वज), बलभद्र का तालध्वज तथा सुभद्रा का दर्पदलन अथवा पद्मध्वज कहलाता है। इन रथों के निर्माण की प्रक्रिया केवल शिल्पकला नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना मानी जाती है। कारीगर विशेष धार्मिक नियमों का पालन करते हुए इन्हें बनाते हैं। यह परम्परा हमें यह संदेश देती है कि प्रत्येक वर्ष मनुष्य भी अपने भीतर की ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार और लोभ को त्यागकर स्वयं का नव-निर्माण करे।

रथयात्रा के पीछे अनेक पौराणिक कथाएं भी जुड़ी हैं। कहा जाता है कि एक बार सुभद्रा ने द्वारका नगर देखने की इच्छा व्यक्त की। तब भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने उन्हें अलग रथ पर बैठाकर नगर भ्रमण कराया। उसी स्मृति में तीनों भाई-बहनों की संयुक्त रथयात्रा निकाली जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार भगवान की अपूर्ण प्रतिमाओं का निर्माण स्वयं विश्वकर्मा ने किया था, जो आज भी जगन्नाथ संस्कृति की विशिष्ट पहचान है। इस महायात्रा का एक अत्यन्त मार्मिक पक्ष यह भी है कि स्नान पूर्णिमा के बाद भगवान अस्वस्थ माने जाते हैं और लगभग पन्द्रह दिनों तक सार्वजनिक दर्शन नहीं देते। इसके पश्चात वे रथों पर आरूढ़ होकर अपनी मौसी के घर गुण्डिचा मंदिर जाते हैं। वहां नौ दिनों तक विश्राम करते हैं और फिर बहुड़ा यात्रा के माध्यम से पुनः श्रीमंदिर लौटते हैं। लौटते समय भगवान का पोडा पीठा ग्रहण करना, पंचमी को देवी लक्ष्मी का रुष्ट होकर रथ का पहिया तोड़ना तथा बाद में भगवान द्वारा उन्हें मनाने की परम्परा भक्तिभाव एवं मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण है।

पुरी की रथयात्रा का एक अन्य अद्भुत दृश्य छेरा पहरा है। गजपति महाराज स्वयं स्वर्ण निर्मित झाड़ू से रथों के मार्ग की सफाई करते हैं। यह परम्परा संदेश देती है कि ईश्वर के समक्ष राजा और सामान्य व्यक्ति सभी समान हैं। सत्ता का सर्वोच्च पद भी सेवा से बड़ा नहीं हो सकता। रथयात्रा के समय जगन्नाथ मंदिर का महाप्रसाद भी विशेष आकर्षण का केन्द्र होता है। विश्व की सबसे बड़ी मंदिर रसोइयों में से एक इस रसोई में मिट्टी के पात्रों में प्रसाद बनाया जाता है। दाल, चावल, सब्जियाँ, मालपुआ, गजामूंग, लाई, नारियल तथा अनेक प्रकार के व्यंजन अत्यंत अल्प मूल्य पर श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराए जाते हैं। यह प्रसाद केवल भोजन नहीं, बल्कि समानता और साझेदारी का प्रतीक है।

धार्मिक ग्रन्थों में रथयात्रा का अत्यन्त महत्व बताया गया है। स्कन्द पुराण, ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण तथा उत्कल खण्ड में भगवान जगन्नाथ की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। मान्यता है कि रथयात्रा के दर्शन एवं रथ को स्पर्श करने से अनेक जन्मों के पाप नष्ट होते हैं तथा रथ खींचने वाले को मोक्ष का अधिकारी माना गया है। यद्यपि इन मान्यताओं का आध्यात्मिक अर्थ यह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन-रथ को धर्म, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलाता है, वही वास्तविक मुक्ति प्राप्त करता है। जगन्नाथ रथयात्रा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामाजिक समरसता है। इस अवसर पर जाति, वर्ग, भाषा, क्षेत्र अथवा सम्प्रदाय का कोई भेद नहीं रहता। लाखों श्रद्धालु एक साथ रथ की रस्सी खींचते हैं। यही वह क्षण होता है जब धर्म केवल पूजा-पद्धति न रहकर सामाजिक एकता का उत्सव बन जाता है।

आज यह यात्रा केवल पुरी तक सीमित नहीं रही। भारत के लगभग सभी प्रमुख नगरों सहित अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और अनेक यूरोपीय देशों में भी जगन्नाथ रथयात्रा आयोजित होती है। विशेष रूप से इस्कॉन ने इस परम्परा को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। करोड़ों विदेशी भक्तों ने इसी माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण एवं जगन्नाथ संस्कृति को जाना है। इसलिए यदि कहीं तिथियों को लेकर व्यावहारिक परिवर्तन भी किए जाएँ तो उनके पीछे धार्मिक अवमानना नहीं, बल्कि स्थानीय व्यवस्थाओं की विवशता भी हो सकती है। फिर भी यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जहाँ तक सम्भव हो, श्रीमंदिर की परम्परा और निर्धारित तिथि का सम्मान किया जाए, ताकि सम्पूर्ण विश्व में एकात्मता का संदेश और अधिक सुदृढ़ हो।

दार्शनिक दृष्टि से रथ मनुष्य के शरीर का, भगवान आत्मा का तथा रथ को खींचने वाली रस्सियाँ समाज और लोकशक्ति का प्रतीक हैं। आत्मा तभी सार्थक होती है जब समाज सहयोग करे और समाज तभी श्रेष्ठ बनता है जब उसके केन्द्र में ईश्वर, नैतिकता और आत्मशुद्धि का भाव हो। यही कारण है कि जगन्नाथ रथयात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मविशुद्धि, लोकमंगल, समरसता, सेवा और आध्यात्मिक जागरण का अनुपम पर्व है। वर्तमान समय में जब समाज अनेक प्रकार के वैचारिक, सामाजिक और धार्मिक विभाजनों से गुजर रहा है, तब भगवान जगन्नाथ की यह महायात्रा हमें स्मरण कराती है कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य विवाद नहीं, बल्कि संवाद है। वर्चस्व नहीं, बल्कि समन्वय है और बाहरी आडम्बर नहीं, बल्कि अंतःकरण की पवित्रता है। यही इस महायात्रा का सनातन संदेश है कि जीवन का रथ तभी सही दिशा में चलता है जब उसमें श्रद्धा, सेवा, समरसता, आत्मसंयम और लोककल्याण के पहिए समान गति से चलते रहें। यही जगन्नाथ महायात्रा की शाश्वत महिमा है और यही इसकी वैश्विक प्रासंगिकता।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

संपादकीय

पैसे के पीर टीटीई

सही मायने में कलकत्ता हाईकोर्ट ने ट्रेनों में टीटीई के उस सर्वमान्य भ्रष्ट आचरण को सार्वजनिक रूप से उजागर किया है, जिसे रेलयात्री कीमत चुकाने के बाद भी कहने में संकोच करते हैं। यात्रियों से खचाखच भरी ट्रेनों में अक्सर मुश्किल से सफर करने वाले यात्री खाली पड़ी बर्थ अलॉट करा लेते हैं। जिसके एवज में उन्हें टीटीई को किराये के अलावा अतिरिक्त पैसा भी देना पड़ता है। यह चलन देशभर में विभिन्न ट्रेनों में दिखायी देता है। लेकिन अक्सर यात्री अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचकर बात को आई-गई मान लेते हैं। लेकिन जब पैसे देकर अपराधियों को दी गई बर्थ के जरिये चलती ट्रेन में कोई बड़ा अपराध हो जाए तो मामला गंभीर हो जाता है। दरअसल, जस्टिस राजशेखर मंथा व जस्टिस बिस्वरूप चौधरी की बेंच साल 2009 में तीस्ता-तोरस एक्सप्रेस में हुई लूट और मौत के मामले में दो दोषियों की अपील पर सुनवाई कर रही थी। उस दौरान कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की कि टीटीई खाली बर्थ ऐसे बेचते हैं,जैसे बाजार में सब्जियां बिकती हैं। ऐसे में अपराधी खाली बर्थ खरीदकर आरक्षित कोच तक पहुंच बना लेते हैं। वे फिर यात्रियों के साथ घुल-मिलकर उन्हें लूट लेते हैं। अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि पैसे लेकर जनरल टिकट वाले यात्रियों को खाली बर्थ देने से अपराधियों को आरक्षित कोच के यात्रियों तक पहुंचने का मौका मिल जाता है। तीस्ता व तोरस केस में भी जो आपराधिक घटना हुई है, उसमें कई टीटीई ने अपनी जिम्मेदारी सही ढंग से नही निभायी। दरअसल, सत्रह साल पुराने केस में जलपाईगुड़ी से सियालदह जा रही तीस्ता-तोरसा एक्सप्रेस में जनरल टिकट पर सफर कर रहे दो बदमाशों ने टीटीई को पैसे देकर एस-8 कोच में खाली बर्थ ले ली थी। फिर इन्होंने खाने-पीने की चीजों में नशीला पदार्थ मिलाकर कुछ यात्रियों को बेहोश कर दिया और उनका सामान लूट लिया। घटना में जहरीले पदार्थ से सुनील कुमार दास की मौत हो गई थी, जबकि दूसरा लंबे समय अस्पताल में उपचार के बाद बच गया था। दरअसल, इस मामले में दोनों आरोपियों को दोषी पाया गया, लेकिन पुलिस द्वारा पर्याप्त साक्ष्य न जुटाए जाने के कारण सात साल की जेल के बाद कोर्ट को उन्हें रिहा करना पड़ा। कोर्ट ने टीटीई ही नहीं, पुलिस को भी लापरवाह माना क्योंकि मृतक का विसरा फॉरेंसिक जांच को नहीं भेजा गया। दूसरे यात्री के अस्पताल में उपचार के रिकॉर्ड भी नहीं जुटाए गए। फलतः हत्या के आरोप सिद्ध नहीं हो पाए। इस घटनाक्रम के बाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले की कॉपी पूर्वी रेलवे के महाप्रबंधक समेत देशभर के रेलवे अधिकारियों को भेजने को कहा।

चिंतन-मनन

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए।

अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था।

महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं-हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों को जन्म देती है। वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

सोनम वांगचुक का लंबा अनशन अब जीवन पर भारी

कांतिलाल मांडोत

विपक्ष की राजनीति से ऊपर उठकर स्वास्थ्य बचाने का समय अनशन नहीं समाधान चाहिए वांगचुक को जीवन बचाकर लोकतांत्रिक संघर्ष का नया रास्ता चुनना चाहिए

दिल्ली के जंतर मंतर पर शिक्षा व्यवस्था में सुधार और कथित परीक्षा अनियमितताओं के विरोध में सोनम वांगचुक का आमरण अनशन लगातार जारी है। अनशन के सत्रहवें दिन तक पहुंचते पहुंचते उनका स्वास्थ्य चिंताजनक स्थिति में बताया जा रहा है। खबरों के अनुसार उनका वजन लगभग साढ़े आठ किलोग्राम कम हो चुका है और लगातार कमजोरी बढ़ रही है। चिकित्सकीय दृष्टि से यह स्थिति किसी भी व्यक्ति के लिए गंभीर मानी जाती है। लंबे समय तक भोजन से दूर रहने का असर केवल शरीर के वजन पर ही नहीं पड़ता बल्कि हृदय गुर्दे मांसपेशियों और मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर भी पड़ सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी चिंता किसी राजनीतिक मांग से अधिक एक इंसान के जीवन की होनी चाहिए।

सोनम वांगचुक देश के जाने माने शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। शिक्षा पर्यावरण और लद्दाख जैसे संवेदनशील मुद्दों पर उन्होंने वर्षों तक काम किया है। ऐसे व्यक्ति की आवाज लोकतंत्र में महत्वपूर्ण मानी जाती है। किसी भी नागरिक को अपनी बात शांतिपूर्ण ढंग से रखने और सरकार से जवाब मांगने का अधिकार है। लेकिन जब विरोध का तरीका स्वयं के जीवन के लिए खतरा बनने लगे तब उस पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है।

अनशन भारतीय लोकतांत्रिक परंपरा का एक पुराना और प्रभावी माध्यम रहा है। महात्मा गांधी से लेकर अनेक सामाजिक नेताओं ने इसका उपयोग नैतिक दबाव बनाने के लिए किया। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि जब किसी अनशनकारी का स्वास्थ्य लगातार गिरने लगता है तब आंदोलन की दिशा बदलना भी उतना ही आवश्यक हो जाता है। किसी भी आंदोलन का उद्देश्य जीवन की रक्षा करते हुए समाज और व्यवस्था में परिवर्तन लाना होता है न कि स्वयं को ऐसी स्थिति में पहुंचा देना जहां जीवन ही संकट में पड़ जाए।

वर्तमान समय में सोनम वांगचुक के समर्थन में कई विपक्षी नेताओं और फिल्मी हस्तियों ने बयान दिए हैं। उनसे अनशन समाप्त करने की अपील भी की गई है। दूसरी ओर सरकार पर संवेदनहीन होने के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह स्वाभाविक है कि लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष के बीच आरोप प्रत्यारोप चलते रहते हैं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में यह भी दिखाई देता है कि राजनीतिक दल अपने अपने दृष्टिकोण से इस मुद्दे को प्रस्तुत कर रहे हैं। सत्ता पक्ष अपनी स्थिति स्पष्ट कर रहा है जबकि विपक्ष सरकार को घेरने का अवसर तलाश रहा है।

यही वह बिंदु है जहां सबसे अधिक सावधानी की आवश्यकता है। किसी भी राजनीतिक दल का प्राथमिक उद्देश्य राजनीतिक लाभ प्राप्त करना होता है। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि हर राजनीतिक बयान केवल अनशनकारी के स्वास्थ्य की चिंता से प्रेरित है। विपक्ष सरकार पर हमला कर रहा है और सरकार अपने स्तर पर जवाब दे रही है। लेकिन इस राजनीतिक संघर्ष के बीच सबसे बड़ा नुकसान यदि किसी का हो सकता है तो वह स्वयं सोनम वांगचुक का स्वास्थ्य है।

वास्तविकता यह है कि यदि उनकी तबीयत और अधिक बिगड़ती है तो सबसे बड़ी कीमत उन्हें और उनके परिवार को चुकानी पड़ेगी। राजनीतिक दल अपने अपने एजेंडे के साथ आगे बढ़ जाएंगे लेकिन एक सामाजिक कार्यकर्ता का स्वास्थ्य और जीवन वापस नहीं लौटाया जा सकता। इसलिए यह समय भावनात्मक निर्णयों से अधिक व्यावहारिक सोच का है।

लंबे समय तक भूखे रहने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता तेजी से कम होती है। मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। रक्तचाप और शुगर का संतुलन बिगड़ सकता है। हृदय की धड़कन पर भी असर पड़ सकता है। यदि समय रहते चिकित्सा और पोषण नहीं मिले तो स्थिति गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए डॉक्टर भी आमतौर पर लंबे आमरण अनशन को स्वास्थ्य के लिए अत्यंत जोखिमपूर्ण मानते हैं।

सोनम वांगचुक यदि अपनी मांगों को लेकर संघर्ष जारी रखना चाहते हैं तो उसके अनेक लोकतांत्रिक विकल्प उपलब्ध हैं। जनसभाएं की जा सकती हैं। देशव्यापी जनजागरण अभियान चलाया जा सकता है। अदालत का दरवाजा खटखटाया जा सकता है। विशेषज्ञों के साथ संवाद स्थापित किया जा सकता है। संसद सदस्यों और विभिन्न सामाजिक संगठनों का समर्थन जुटाया जा सकता है। मीडिया और सामाजिक मंचों के माध्यम से भी व्यापक जनमत तैयार किया जा सकता है। इन सभी तरीकों से आंदोलन जीवित रहेगा और नेतृत्व भी सुरक्षित रहेगा। इस पूरे मामले में यदि कॉकरोच जनता पार्टी और आंदोलन से जुड़े अन्य लोग वास्तव में वांगचुक के शुभचिंतक हैं तो उन्हें भी हस्तक्षेप करना चाहिए। किसी भी आंदोलन का नेतृत्व करने वाले व्यक्ति का जीवन सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि आंदोलन का चेहरा ही गंभीर बीमारी का शिकार हो जाए तो आंदोलन की दिशा भी प्रभावित होती है। इसलिए पार्टी और सहयोगियों को उन्हें सम्मानपूर्वक अनशन समाप्त करने के लिए तैयार करना चाहिए और संघर्ष की नई रणनीति बनानी चाहिए।

सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद हमेशा टकराव से बेहतर विकल्प होता है। यदि किसी मुद्दे पर व्यापक असंतोष दिखाई दे रहा है तो सरकार को बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास करना चाहिए। इससे तनाव कम होगा और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास भी मजबूत होगा।

आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीति से ऊपर उठकर मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की है। किसी भी विचारधारा से मतभेद हो सकते हैं लेकिन किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य और जीवन पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। सोनम वांगचुक का संघर्ष अपनी जगह महत्वपूर्ण हो सकता है लेकिन उनका जीवन उससे कहीं अधिक मूल्यवान है।

इसलिए समय की मांग यही है कि सोनम वांगचुक अपना आमरण अनशन समाप्त करें और लोकतांत्रिक संघर्ष का कोई दूसरा प्रभावी मार्ग चुनें। इससे उनकी बात भी मजबूत होगी और उनका स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहेगा। आंदोलन तभी सफल माना जाएगा जब उसका नेतृत्व स्वस्थ रहकर समाज के लिए आगे भी काम करता रहे। जीवन रहेगा तभी संघर्ष भी जारी रहेगा और बदलाव की संभावना भी बनी रहेगी।

राम के मंदिर में पारदर्शिता की अग्निपरीक्षा

कुमार कृष्णन

अयोध्या का श्रीराम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है। यह करोड़ों भारतीयों की आस्था, पांच शताब्दियों से अधिक लंबे संघर्ष, सामाजिक आंदोलनों और सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय के बाद साकार हुए राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। देश के कोने-कोने से लोगों ने अपनी श्रद्धा के अनुसार इस मंदिर के निर्माण में आर्थिक सहयोग दिया। किसी ने सौ रुपये दिए, किसी ने अपनी जीवन भर की बचत, तो किसी ने सोना-चांदी और बहुमूल्य धातुएं अर्पित कीं। इसलिए राम मंदिर से जुड़ा हर प्रश्न केवल एक ट्रस्ट या संस्थान का प्रश्न नहीं है, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास का प्रश्न है। यही कारण है कि मंदिर के चढ़ावे और दान में कथित अनियमितताओं का मामला जब सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा, तो इसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में दाखिल जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जवाब मांगा है। साथ ही उत्तर प्रदेश की विशेष जांच टीम (एसआईटी) से जांच की स्थिति रिपोर्ट भी तलब की गई है। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई की तिथि भी निर्धारित कर दी है। न्यायालय का यह कदम किसी को दोषी ठहराना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि आरोपों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो तथा सत्य सामने आए। लोकतंत्र में न्यायपालिका की यही भूमिका है–विश्वास बनाए रखना और कानून के शासन को मजबूत करना।याचिकाओं में आरोप लगाए गए हैं कि मंदिर में प्राप्त दान और चढ़ावे के प्रबंधन में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। कुछ कर्मचारियों पर चढ़ावे में कथित गबन, दान कक्ष की चाबियां अनधिकृत लोगों के पास रहने और वित्तीय प्रक्रियाओं में लापरवाही जैसे आरोप लगाए गए हैं। विश्व सिंधी सेवा संगम ने भी वर्ष 2021 में मंदिर को दान की गई लगभग दो सौ किलोग्राम चांदी की ईंटों का विधिवत रसीद नहीं मिलने और उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है। दूसरी ओर ट्रस्ट ने भी कुछ कर्मचारियों से जुड़ी पहचान निरस्त करने और दर्शन व्यवस्था में बदलाव जैसे कदम उठाए हैं। इन सबके बीच एसआईटी की जांच और न्यायालय की प्रक्रिया ही अंतिम सत्य का आधार बनेगी।

यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अभी आरोप हैं, फैसला नहीं। न्यायालय ने केवल जवाब मांगा है, किसी को दोषी घोषित नहीं किया है। इसलिए मीडिया, राजनीति और समाज–तीनों की जिम्मेदारी है कि वे न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करें। किसी को पहले से दोषी ठहराना भी अनुचित है और बिना जांच के हर आरोप को साजिश बताकर खारिज कर देना भी उतना ही गलत है।

लेकिन इस पूरे प्रकरण ने एक बड़ा सवाल अवश्य खड़ा किया है। क्या भारत की बड़ी धार्मिक संस्थाओं में वित्तीय पारदर्शिता की व्यवस्था पर्याप्त है? मंदिरों, गुरुद्वारों, मठों, दरगाहों और अन्य धार्मिक संस्थानों में हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये का दान आता है। यह धन किसी कर के रूप में नहीं आता, बल्कि लोगों की आस्था का प्रतीक होता है। इसलिए उसका प्रबंधन भी उसी स्तर की पवित्रता और पारदर्शिता से होना चाहिए। देश के कुछ प्रमुख धार्मिक संस्थानों ने आधुनिक वित्तीय प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। डिजिटल लेखा प्रणाली, ऑनलाइन दान, सीसीटीवी निगरानी, नियमित ऑडिट और सार्वजनिक आय-व्यय विवरण जैसी व्यवस्थाएं धीरे-धीरे बढ़ रही हैं। लेकिन अनेक स्थानों पर अब भी पारंपरिक व्यवस्था, सीमित निगरानी और अपर्याप्त जवाबदेही बनी हुई है। जब संस्थाओं का आकार और दान की मात्रा बढ़ जाती है, तब केवल परंपरा के भरोसे व्यवस्था नहीं चल सकती। आधुनिक प्रबंधन और पारदर्शिता को स्वीकार करना समय की आवश्यकता है।

दुर्भाग्य यह है कि भारत में धार्मिक संस्थाओं की पारदर्शिता पर सवाल उठते ही बहस का स्वरूप बदल जाता है। लोग तुरंत इसे धर्म बनाम अधर्म या आस्था बनाम षड्यंत्र की बहस बना देते हैं। जबकि वास्तविक प्रश्न केवल इतना है कि श्रद्धालुओं द्वारा दिया गया धन सुरक्षित है या नहीं और उसका उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुसार हो रहा है या नहीं। यह प्रश्न किसी धर्म के खिलाफ नहीं, बल्कि धर्म की गरिमा के पक्ष में है।

आस्था कभी भी पारदर्शिता से कमजोर नहीं होती। बल्कि पारदर्शिता आस्था को और मजबूत करती है। यदि किसी संस्था का लेखा-जोखा साफ है, उसकी प्रक्रियाएं स्पष्ट हैं और उसकी कार्यप्रणाली सार्वजनिक जांच की कसौटी पर खरी उतरती है, तो उसकी प्रतिष्ठा और बढ़ती है। जो संस्था स्वयं को जनता के प्रति जवाबदेह मानती है, उसके प्रति विश्वास भी अधिक गहरा होता है।

राम का पूरा जीवन सत्य, मयार्दा और उत्तरदायित्व का संदेश देता है। राम ने सत्ता को अधिकार नहीं, दायित्व माना। उन्होंने राजा होकर भी स्वयं को लोकमत और नैतिकता से ऊपर नहीं रखा। रामराज्य की अवधारणा केवल समृद्धि की नहीं, बल्कि न्याय, समानता और पारदर्शी शासन की अवधारणा है। यदि राम के नाम पर बने सबसे बड़े मंदिर में भी पारदर्शिता की मांग उठती है, तो उसे राम के आदर्शों के विरुद्ध नहीं, बल्कि उन्हीं के अनुरूप समझा जाना चाहिए।

यह विवाद एक अवसर भी हो सकता है। यदि इस मामले की निष्पक्ष जांच होती है और उसके आधार पर देश के सभी बड़े धार्मिक ट्रस्टों के लिए आधुनिक वित्तीय मानक तय किए जाते हैं, तो इससे धार्मिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और मजबूत होगी। हर बड़े धार्मिक ट्रस्ट के लिए स्वतंत्र वार्षिक ऑडिट, ऑनलाइन आय-व्यय विवरण, डिजिटल इन्वेंट्री, सीसीटीवी आधारित निगरानी, दान की वस्तुओं का वैज्ञानिक अभिलेखीकरण और समय-समय पर सार्वजनिक रिपोर्ट जारी करना अनिवार्य बनाया जा सकता है। इससे न केवल विवाद कम होंगे, बल्कि श्रद्धालुओं का विश्वास भी बढ़ेगा।

राजनीतिक दलों को भी इस मुद्दे पर संयम बरतना चाहिए। राम मंदिर किसी दल की राजनीतिक संपत्ति नहीं है। यह करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का केंद्र है। इसलिए इस मामले को राजनीतिक लाभ-हानि के चश्मे से देखने के बजाय संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। न्यायालय को अपना काम करने देना चाहिए और जांच एजेंसियों को बिना किसी दबाव के तथ्य सामने लाने चाहिए।

लोककवि कैलाश गौतम की चर्चित कविता गान्ही जी की एक पंक्ति यहां अनायास याद आती है– तोहरै नाव बिकत हो सगरो...। यह पंक्ति केवल गांधी पर नहीं, बल्कि उन सभी परिस्थितियों पर लागू होती है, जहां महापुरुषों के नाम का सम्मान तो किया जाता है, लेकिन उनके मूल्यों की उपेक्षा होती है। यही बात राम पर भी लागू होती है। यदि राम के नाम पर मंदिर बने और उसी मंदिर में पारदर्शिता पर प्रश्न उठें, तो सबसे पहले चिंता उन्हीं लोगों को होनी चाहिए, जो राम को मयार्दा पुरुषोत्तम मानते हैं।

दुनिया के इन जादुई झरनों को देखकर बन जाएगा आपका दिन, छूमंतर होगा सारा स्ट्रेस

दुनिया भर में प्राकृतिक सुंदरता का एक अनोखा अनुभव झरनों में देखने को मिलता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा काफी मनमोहक होता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा देखना लोगों के मन को सुकून पहुंचाने के साथ रोमांच का अनुभव कराता है। बता दें कि दुनिया में कई ऐसे झरने हैं, जिनकी ऊंचाई और सुंदरता उनको खास बनाती है। इन झरनों की ऊंचाई सुनकर कोई भी चौंक जाएगा, वहीं इनकी सुंदरता भी उतनी ही सुकूनदायक है।

पहाड़ों, गहरी घाटियों और हरियाली बीच बहते हुए यह झरने प्राकृतिक कला का अनूठा और अद्वितीय उदाहरण है। अगर आप भी प्रकृति प्रेमी है और घूमने के भी शौकीन हैं, तो आपको दुनिया के सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों का दीदार करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दुनिया के कुछ सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों के बारे में बताने जा रहे हैं।

एंजेल फॉल्स , वेनेजुएला

वेनेजुएला दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप पर एक देश है। जहां पर एंजेल फॉल्स बहता है। वेनेजुएला का यह एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। जोकि वेनेजुएला के केनैमा नेशनल पार्क में स्थित है। इस झरने की धारा इतनी ऊंचाई से गिरती है कि पानी नीचे तक पहुंचते-पहुंचते बारीक-बारीक बूंदों में बदल जाता है।

टुगेला फॉल्स, दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका में मौजूद टुगेला फॉल्स की ऊंचाई 3,110 फीट है। बारिश के मौसम में यहां का नजारा देखने लायक है। यह रॉयल नेटल नेशनल पार्क के ड्रेकेन्सबर्ग माउंटेन्स पर स्थित है।

थ्री सिस्टर्स फॉल्स, पेरू

पेरू एक बेहद खूबसूरत जगह है, जहां पर आपको थ्री सिस्टर्स फॉल्स नाम का शानदार जलप्रपात देखने को मिलेगा। यह अमेजन जंगल के बीच स्थित है और तीन स्तरों में बहता है। इसी वजह से इसका नाम %थ्री सिस्टर्स% पड़ा। ट्रैकिंग और रोमांच पसंद करने वालों के लिए यह जगह जन्नत से कम नहीं है।

ओलूपेना फॉल्स, हवाई

संयुक्त राज्य अमेरिका के हवाई में करीब 900 मीटर की ऊंचाई पर ओलूपेना फॉल्स है। ओलूपेना फॉल्स सीधे समंदर से लगती चट्टानों से गिरता है और सिर्फ बोट या हेलिकॉप्टर से ही देखा जा सकता है।

युंबिला फॉल्स, पेरू

बता दें कि युबिला फॉल्स सबसे ऊंचे झरनों में शामिल है, यह पेरू में है। हाल ही में खोज में यह झरना पाया गया है। जोकि पेरू के घने जंगलों में छिपा है और अब धीरे-धीरे फेमस हो रहा है। यहां पर आपको चारों ओर मनमोहक नजारा देखने को मिलेगा।

श्रीनगर सिर्फ एक शहर नहीं, एक ऐसा अनुभव जो आपकी रूह को छू जाए!

भारत के जम्मू और कश्मीर राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर को धरती का स्वर्ग यूं ही नहीं कहा जाता। हरे-भरे बाग़, बर्फ से ढकी पहाड़ियाँ, शांत झीलें और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत श्रीनगर को न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में एक अनूठा पर्यटन स्थल बनाते हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य और झीलों का शहर

श्रीनगर की सबसे प्रसिद्ध पहचान डल झील है। इसमें हाउसबोट पर रहने का अनुभव जीवन भर याद रहता है। शिकारा की सवारी करते हुए झील के शांत पानी पर तैरते बाजार, कमल के फूल और आसपास के हिमालयी नज़ारे किसी स्वप्न से कम नहीं लगते। नगीन झील भी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो शांति और एकांत की तलाश में होते हैं।

बाग-बग़ीचों की सौगात

मुग़ल बादशाहों ने श्रीनगर में कई खूबसूरत बाग़ बनवाए, जिनमें प्रमुख हैं :

शालीमार बाग़

निशात बाग़

चश्म-ए-शाही

ये बाग़ झेलम नदी के किनारे स्थित हैं और यहाँ से झील व पर्वतों का दृश्य अत्यंत मनोरम दिखाई देता है।

धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल

श्रीनगर में कई ऐतिहासिक मस्जिदें और मंदिर हैं। इनमें प्रमुख हैं :

हजरतबल दरगाह- जहाँ पैगंबर मोहम्मद का एक पवित्र अवशेष रखा गया है।

शंकराचार्य मंदिर- जो एक पहाड़ी पर स्थित है और वहाँ से श्रीनगर का विहंगम दृश्य दिखाई देता है।

जामा मस्जिद- पुरानी कश्मीर वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण।

स्थानीय बाज़ार और हस्तशिल्प

श्रीनगर के बाज़ारों में कश्मीरी कालीन, पश्मीना शॉल, लकड़ी की नक़्क़ाशी और कागज़ी माछे की कला खरीदने लायक होती है। लाल चौक, बादशाह चौक और रेज़िडेंसी रोड मुख्य शॉपिंग स्थान हैं।

खानपान की विशेषता – कश्मीरी व्यंजन विश्वविख्यात हैं। रोगनजोश, यखनी, दुम आलू, और गुस्ताबा जैसे व्यंजन स्वादिष्ट और मसालेदार होते हैं। चाय प्रेमियों को कहवा ज़रूर आज़माना चाहिए – यह केसर और सूखे मेवों से बना एक पारंपरिक पेय है।

पर्यटन के लिए उपयुक्त समय

श्रीनगर जाने का सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर के बीच होता है, जब मौसम सुहावना रहता है। बर्फबारी का आनंद लेना हो तो दिसंबर से फरवरी का समय उपयुक्त है।

श्रीनगर केवल एक शहर नहीं, बल्कि एक अनुभव है- जहाँ हर मोड़ पर प्रकृति, संस्कृति और शांति एक साथ मिलती हैं। यदि आप प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक विरासत और मेहमाननवाज़ी का मिश्रण चाहते हैं, तो श्रीनगर आपकी अगली यात्रा सूची में अवश्य होना चाहिए।

मांडू पर्यटन: प्रेम, वास्तुकला और इतिहास की अद्भुत नगरी

मध्य प्रदेश के धार ज़िले में स्थित मांडू जिसे मांडवगढ़ या शादीशुदा पत्थरों का शहर भी कहा जाता है, भारतीय पर्यटन मानचित्र पर एक अनूठा और ऐतिहासिक स्थल है। पहाड़ियों पर बसा यह नगर न केवल स्थापत्य कला और प्राचीन स्मारकों के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि रानी रूपमती और बाज बहादुर की अमर प्रेम कहानी के लिए भी मशहूर है। मांडू की हवाओं में इतिहास की गूंज, प्रेम की सरगम और स्थापत्य का सौंदर्य साथ-साथ बहता है।

मांडू का ऐतिहासिक परिचय

मांडू का इतिहास लगभग 6वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है, लेकिन इसका स्वर्ण युग मालवा सल्तनत (15वीं सदी) के दौरान आया। इस दौरान यहाँ कई भव्य महलों, मस्जिदों, बावड़ियों और दरवाजों का निर्माण हुआ। मांडू की भौगोलिक स्थिति— विंध्याचल की पहाड़ियों पर और नर्मदा घाटी के किनारे— इसे एक स्वाभाविक किला बनाती है।

मांडू के प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. जहाज़ महल

यह महल दो झीलों— कपूर तालाब और मुंज तालाब— के बीच स्थित है, जिससे यह एक जहाज़ की तरह प्रतीत होता है। इसका निर्माण 15वीं सदी में सुल्तान ग़ियासुद्दीन खिलजी ने अपनी 15,000 रानियों के लिए करवाया था। रात्रि में इसका प्रतिबिंब जल में झलकता है, जो एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।

2. हिंदोला महल

हिंदोला (झूला) महल अपनी झुकी हुई दीवारों के कारण प्रसिद्ध है। इसका उपयोग दरबारी सभाओं के लिए किया जाता था। इसकी स्थापत्य शैली वास्तुकला के चमत्कारों में गिनी जाती है।

3. रूपमती महल

यह वह स्थान है जहाँ से रानी रूपमती नर्मदा नदी को निहारती थीं। यह प्रेम कहानी का सबसे भावनात्मक स्थल है, जहाँ से मांडू की घाटी और नर्मदा के दर्शन होते हैं।

4. बाज बहादुर महल

यह महल मांडू के अंतिम स्वतंत्र शासक बाज बहादुर का निवास था। इसकी वास्तुकला में राजपूत और मुस्लिम शैलियों का संगम देखने को मिलता है।

5. जामा मस्जिद

यह मस्जिद दिल्ली की जामा मस्जिद से प्रेरित है और मांडू के स्थापत्य वैभव को दर्शाती है। इसके विशाल प्रांगण और सुंदर मेहराबें इसकी विशेषता हैं।

6. रेवा कुंड

यह पवित्र कुंड नर्मदा नदी को समर्पित है और माना जाता है कि रूपमती इसी से जल ग्रहण करती थीं।

मांडू उत्सव

प्रत्येक वर्ष दिसंबर-जनवरी के महीने में मांडू उत्सव का आयोजन होता है, जिसमें स्थानीय लोक-संगीत, नृत्य, कला प्रदर्शन, साइकिल टूर और हॉट एयर बलून जैसी गतिविधियाँ होती हैं। यह उत्सव मांडू को जीवंत रूप देता है।

कैसे पहुँचे?

निकटतम हवाई अड्डा : इंदौर (लगभग 100 किमी)

रेलवे स्टेशन : इंदौर और रतलाम दोनों से सड़क मार्ग उपलब्ध

सड़क मार्ग: इंदौर, धार और महेश्वर से मांडू के लिए बसें और टैक्सियाँ आसानी से मिलती हैं

ठहरने की व्यवस्था

मांडू में मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित होटल और कुछ निजी रिसॉर्ट्स उपलब्ध हैं। प्राकृतिक सुंदरता के बीच रुकना अपने आप में एक अद्वितीय अनुभव होता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च के बीच मांडू घूमने के लिए सबसे उपयुक्त समय होता है। खासकर मानसून के बाद (जुलाई-सितंबर) मांडू की हरियाली और झीलें इसे और भी सुंदर बना देती हैं।

मांडू केवल एक ऐतिहासिक नगर नहीं, बल्कि एक जीवित कथा है— प्रेम, कला और संस्कृति की। यहाँ की हवाएं रूपमती के सुरों को, दीवारें बाज बहादुर के प्रेम को और झीलें बीते समय की परछाइयों को संजोए हुए हैं। यदि आप एक शांत, सुंदर और ऐतिहासिक स्थल की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो मांडू अवश्य आपकी सूची में होना चाहिए।

मानसून में इन जगहों पर पास से महसूस कर पाएंगे प्रकृति की खूबसूरती

मानसून का मौसम आते ही बारिश की बूंदे पर धरती पर पड़ती हैं, तो प्रकृति अपनी खूबसूरती के चरम पर पहुंच जाती है। बारिश के मौसम में भारत के कुछ स्थलों पर अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं। हरे-भरे जंगल, पहाड़ों से गिरते झरने, घनघोर बादलों से ढकी घाटियां और ठंडी हवाएं मन को सुकून देने का काम करती हैं। बारिश आपको प्रकृति से जुड़ने का मौका देती है। इस मौसम में घूमना और प्रकृति की खूबसूरती को महसूस करना आपको एक अलग एक्सपीरियंस दे सकता है।

इस मानसून में आप एक छोटा सा ब्रेक लेकर भीगती वादियों की सैर पर निकल जाएं। फिर चाहे वह फैमिली आउटिंग, सोलो एडवेंचर या रोमांटिक ट्रिप हो। भारत की कुछ जगहें मानसून में आपके अनुभव को यागदार बना देंगी। ऐसे में अगर आप भी बारिश में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो भारत की इन जगहों को आपकी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करें।

महाबलेश्वर, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के महाबलेश्वर हिल स्टेशन की खूबसूरती मानसून में देखने लायक होती है। यहां के हरे-भरे पहाड़, शानदार घाटियां और स्ट्रॉबेरी फार्म काफी लोकप्रिय हैं। मानसून में बादलों से ढके रास्ते और बहते हुए झरने इस जगह की सुंदरता को बढ़ा देते हैं। आप यहां पर वेन्ना लेक, आर्थर सीट और प्रतापगढ़ किला घूम सकते हैं।

लोनावला-खंडाला, महाराष्ट्र

मुंबई और पुणे के पास स्थिति लोनावला और खंडाला हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत नजर आता है। यह जगह मानसून में हरियाली से ढक जाता है। झरने, ट्रेकिंग और खूबसूरत घाटियों के लिए यह मौसम बेस्ट है। अगर आप खंडाला और लोनावला घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो कुछ जगहें आकर्षण का केंद्र रहती हैं। आप यहां पर टाइगर पॉइंट, भुशी डैम और राजमाची किले को एक्सप्लोर करें।

अलेप्पी, केरल

अगर आप भी मानसून में बैकवॉटर का अनुभव और हाउसबोट की अनोखी सैर करना चाहते हैं, तो आपको केरल के अलेप्पी की ट्रिप प्लान कर सकते हैं। बारिश की फुहारों के साथ शांत जल में हाउस बोट पर तैरते रहना आपको एक अलौकिक अनुभव देगा।

मुन्नार, केरल

केरल का मुन्नार चाय के बागानों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। बारिश में इन्हीं चाय के बागानों की हरियाली दोगुनी हो जाती है और यह काफी खूबसूरत नजर आती है। यहां पर बादलों से घिरे पहाड़ और शांत झीलें मनमोहक अनुभव कराती हैं। मानसून में मुन्नार एक फोटो परफेक्ट हिल स्टेशन बन जाता है। यहां पर आप एराविकुलम नेशनल पार्क और मट्टुपेट्टी डैम आदि को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

चेरापूंजी, मेघालय

दुनिया में सबसे अधिक बारिश वाले स्थानों में से एक मेघालय का चेरापूंजी है। यहां पर मानसून में सबसे ज्यादा बारिश होती है। लेकिन मानसून में चेरापूंजी का आकर्षण कई गुना बढ़ जाता है। यहां पर झरने, बारिश और लिविंग रूटब्रिज इस जगह को खास बनाती हैं। अगर आप मानसून में चेरापूंजी की यात्रा करने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको सेवन सिस्टर्स फॉल्स और नोक्रेक बायोस्फीयर रिजर्व जरूरे एक्सप्लोर करना चाहिए।

मथुरा में 2.90 करोड़ की चोरी का खुलासा, गुजराती परिवार को ठगा

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा पुलिस ने 4 माह पहले गुजरात के एक परिवार से हुई 2 करोड़ 90 लाख रुपये की सनसनीखेज चोरी का पर्दाफाश किया है। जैत थाना पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर 2 करोड़ रुपये नकद और 60 लाख रुपये से अधिक की ज्वैलरी बरामद की है। गांधीनगर निवासी राकेश और मानव प्रजापति अपनी संपत्ति बेचकर वृंदावन में रहने आए थे। उन्होंने यह रकम एक फ्लैट में रखी थी, जहां उनकी मुलाकात गेस्ट हाउस संचालक आलोक और राजन से हुई। आरोपियों ने उन्हें आश्रम बनवाने का झांसा देकर मौका पाकर उनके फ्लैट से पूरी रकम पार कर दी। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि गहन छानबीन के बाद पुलिस ने राजन, आलोक, प्रेम सागर और हीरेन नामक चारों आरोपियों को दबोच लिया। इसमें प्रेम सागर और हीरेन गुजरात के ही हैं। पुलिस ने चोरी के 2 करोड़ रुपये कैश, 60 लाख से अधिक की ज्वेलरी, मोबाइल फोन और घड़ी भी बरामद की है।

महोबा में दरिंदगी : युवक के हाथ-पैर काटे, भाजपा नेता पर आरोप

महोबा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहाँ सुभाष नगर में 21 वर्षीय युवक जयवेंद्र सिंह पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर उसके दोनों हाथ और एक पैर काट दिए गए। गंभीर रूप से घायल जयवेंद्र को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है, जहाँ उसकी हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि जयवेंद्र सिंह मंगलवार रात बाइक से चंदेल पेट्रोल पंप जा रहा था, तभी पेट्रोल पंप से पहले घात लगाए बैठे करीब आधा दर्जन हमलावरों ने उस पर कुल्हाड़ी और अन्य धारदार हथियारों से निर्ममता से हमला किया। हमलावरों ने सरेआम युवक के दोनों हाथ और एक पैर काट डाले और उसके शरीर पर कई वार कर अधमरा छोड़ फरार हो गए। इस वीभत्स घटना के दौरान कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। राहगीरों की सूचना पर तत्काल मौके पर पहुँची पीआरवी टीम ने घायल को जिला अस्पताल पहुँचाया। जिला अस्पताल के चिकित्साधिकारी डॉ. शिशुपाल ने बताया कि युवक की नाजुक हालत को देखकर तुरंत हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। कटे हुए अंगों को भी सुरक्षित रूप से मेडिकल कॉलेज भेजा गया है, ताकि प्रत्यारोपण की संभावनाओं का परीक्षण हो सके। घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। घायल युवक के पिता राजा बाबू सिंह ने बयान में लोकल भाजपा नेता शिव प्रताप सिंह परमार और उसके साथियों पर हमले का आरोप लगाया है। हालांकि, पुलिस ने कहा है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और सभी पहलुओं पर साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

असम राइफल्स, सेना, बीएसएफ ने पुलिस के साथ चलाया उग्रवादियों के खिलाफ अभियान

इंफाल (एजेंसी)।, मणिपुर में असम राइफल्स ने भारतीय सेना, बीएसएफ और मणिपुर पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त सर्च और सैनिटाइजेशन ऑपरेशन चलाया। यह अभियान मंगलवार से उखरूल जिले के टीएम कासोम इलाके में चलाया गया। असम राइफल्स के मुताबिक यह संयुक्त अभियान हाल ही में राष्ट्रीय राजमार्ग-202 पर शांगशाक के पास नुंगशांग क्षेत्र में राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा किए गए घात लगाकर हमले के बाद शुरू किया गया। सुरक्षा बलों का उद्देश्य पूरे इलाके को सुरक्षित बनाना, संदिग्ध गतिविधियों को रोकना और उग्रवादियों के खिलाफ कार्रवाई को और मजबूत करना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस अभियान में असम राइफल्स, भारतीय सेना, बीएसएफ और मणिपुर पुलिस ने आपसी तालमेल के साथ इलाके की गहन तलाशी ली और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए व्यापक सैनिटाइजेशन अभियान चलाया। सुरक्षा एजेंसियां लगातार इस क्षेत्र में निगरानी कर रहे हैं ताकि भविष्य में किसी भी तरह की राष्ट्रविरोधी गतिविधि को रोका जा सके। इससे पहले 30 जून को भी असम राइफल्स ने सिविल प्रशासन और मणिपुर पुलिस के साथ मिलकर मणिपुर के सीमावर्ती कामजोंग जिले में म्यांमार से आए विस्थापित नागरिकों की पहचान, सत्यापन और बायोमेट्रिक पंजीकरण के लिए एक संयुक्त अभियान चलाया था। रक्षा प्रवक्ता ने उस समय बताया था कि यह पहल सीमा प्रबंधन को मजबूत करने और म्यांमार से आए विस्थापित लोगों तक नियंत्रित और व्यवस्थित मानवीय सहायता पहुंचाने की दिशा में एक अहम कदम है। पूर्वी मणिपुर का कामजोंग जिला म्यांमार के साथ बिना बाड़ वाली अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है। जिला प्रशासन के निर्देशों के तहत चलाए गए उस अभियान में 40 अधिकारियों और कर्मियों की संयुक्त टीम शामिल थी।

सुप्रीम कोर्ट से चारा घोटाला में राहत मिलने पर लालू यादव बोले- हां, मैं खुश हूं

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने पर खुशी जाहिर की। अपने आवास से बाहर निकलने पर समर्थकों ने लालू यादव का जोरदार स्वागत किया और उनके साथ सेल्फी ली। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में लालू यादव ने कहा कि हां, मैं खुश हूं। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने चारा घोटाला मामले में लालू प्रसाद यादव को राहत देते हुए उनकी जमानत रद्द करने और सजा निलंबन के आदेश को समाप्त करने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के देवघर कोषागार से अवैध निकासी से जुड़े मामले में झारखंड हाईकोर्ट द्वारा दी गई राहत को बरकरार रखा। चारा घोटाला मामले में हाईकोर्ट ने लालू प्रसाद यादव को जमानत देते हुए अंतिम फैसला आने तक उनकी सजा निलंबित रखी। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट को उनकी लंबित आपराधिक अपील का निपटारा छह महीने के अंदर करने का निर्देश भी दिया। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने मंगलवार को कहा था कि हाईकोर्ट के आदेश को करीब सात साल बीत चुके हैं, इसलिए इस स्तर पर उसमें हस्तक्षेप करने की जरुरत नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि 2018 से लंबित अपील पर अब शीघ्र सुनवाई होनी चाहिए। सीबीआई ने हाईकोर्ट के 12 जुलाई 2019 के आदेश को चुनौती दी थी। सीबीआई का कहना था कि लालू प्रसाद यादव को इस आधार पर सजा निलंबन का लाभ दिया गया कि उन्होंने आधी सजा पूरी कर ली है, जबकि उसकी गणना सही नहीं थी।

पंजाब कांग्रेस में घमासान को लेकर एक्शन मोड में आए राहुल गांधी

विदेश यात्रा से लौटते ही खड़गे संग की अहम बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश दौरे से लौटते ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पंजाब कांग्रेस में जारी नेतृत्व संकट को लेकर सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक कर राज्य में बढ़ते संगठनात्मक विवाद और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर चर्चा की। बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद रहे।

सूत्रों के अनुसार, पंजाब कांग्रेस में चल रही गुटबाजी और असंतोष को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने राज्य प्रभारी एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को दिल्ली तलब किया है। बघेल बुधवार को कांग्रेस आलाकमान से मुलाकात कर पंजाब के राजनीतिक हालात और विभिन्न नेताओं से हुई बातचीत की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी राज्य के सभी प्रमुख नेताओं की राय सुनने के पक्षधर हैं और विधानसभा चुनाव से पहले संगठन में एकजुटता कायम करना चाहते हैं। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि आंतरिक मतभेदों और गुटबाजी के साथ चुनाव मैदान में उतरना कांग्रेस के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए विवाद को जल्द सुलझाने की कोशिश की जा रही है।

दरअसल, पंजाब कांग्रेस में असंतोष का केंद्र अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर बनाए रखने वाला फैसला बताया जा रहा है। इस निर्णय का पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा और विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने विरोध किया है। इन नेताओं का मानना है कि चुनाव से पहले संगठनात्मक बदलाव जरूरी है।

भूपेश बघेल ने सौंपी रिपोर्ट

इसी बीच भूपेश बघेल ने पिछले कुछ दिनों में पंजाब का दौरा कर पार्टी के विभिन्न गुटों और वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग मुलाकात की तथा संगठन की जमीनी स्थिति का आकलन किया। उन्होंने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट कांग्रेस नेतृत्व को सौंप दी है और अब दिल्ली में विस्तृत जानकारी देंगे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि भूपेश बघेल की रिपोर्ट और राहुल गांधी-खड़गे की चर्चा के आधार पर पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व और संगठन को लेकर आगे की रणनीति तय

की जाएगी। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस के लिए राज्य इकाई में एकजुटता कायम रखना सबसे बड़ी प्राथमिकता मानी जा रही है।

राम मंदिर दान विवाद : भेंट वापसी की तैयारी, ट्रस्ट में बदलाव और जांच जारी

अयोध्या (एजेंसी)। ,(ईएमएस)। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम मंदिर में दान को लेकर उठ रहे सवालों के बीच उन श्रद्धालुओं की भेंट सामग्री वापस करने की तैयारी शुरू की है, जिन्होंने प्रबंधन पर असंतोष जाहिर किया था। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का कहना है कि श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान सर्वोपरि है और इसकारण शिकायत दर्ज कराने वालों को उनकी भेंट लौटाने पर विचार हो रहा है। यह कदम तब उठाया गया है जब कई दानदाताओं ने दान रसीद न मिलने और भेंट सामग्री के रखरखाव में पारदर्शिता की कमी के आरोप लगाए थे। इधर, मंदिर में दान से जुड़ी कथित अनियमितताओं का मामला गंभीरता से जांच के दायरे में है। करीब तीन करोड़ रुपये के कथित गबन के आरोपों की जांच राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) कर रहा है। मामले की संवेदनशीलता को देखकर सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से जांच की प्रगति पर स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। एसआईटी विभिन्न दस्तावेजों और संबंधित पक्षों से पूछताछ के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। इन विवादों के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के भीतर कई अहम प्रशासनिक बदलाव भी हुए हैं। पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा अपने पदों से इस्तीफा दे चुके हैं। साथ ही, मंदिर प्रबंधन को अधिक पेशेवर और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से पहली बार मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। ट्रस्ट का मानना है कि नए प्रशासनिक ढांचे और पारदर्शी व्यवस्था से श्रद्धालुओं का विश्वास और अधिक मजबूत होगा। अब सभी की निगाहें एसआईटी जांच के परिणामों और प्रस्तावित सुधारों पर टिकी हैं।

अपनों की बगावत और कांग्रेस के चक्रव्यूह में फंसीं दीदी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भीतर मचे घमासान ने ममता बनर्जी को एक ऐसे चक्रव्यूह में फंसा दिया है, जिससे निकलना फिलहाल नामुमकिन लग रहा है। 21 जुलाई के ऐतिहासिक मोड़ पर ममता बनर्जी को दो अलग-अलग कोनों से दो ऐसे ऑफर मिले हैं, जो उनकी राजनीतिक साख को दांव पर लगाते हैं। पहला, ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी के बागी गुट ने ममता बनर्जी को अपनी अलग रैली में शामिल होने का न्योता भेजा है और उन्हें मार्गदर्शक का दर्जा दिया है। राजनीति में मार्गदर्शक मंडल का मतलब अमूमन सक्रिय राजनीति से विदाई माना जाता है। यानी बागी नेता ममता को सम्मान तो दे रहे हैं, लेकिन उनकी लीडरशिप को खारिज कर चुके हैं। दूसरा कांग्रेस ने सीधे उनके राजनीतिक वजूद पर चोट की है। शुभांकर सरकार ने साफ कर दिया कि कांग्रेस का मंच खुला है, लेकिन ममता को यह मानना होगा कि कांग्रेस का साथ छोड़ना उनकी भूल थी।

बता दें कि 21 जुलाई 1993 को यूथ कांग्रेस की रैली से जुड़ा मामला है, जिसमें पुलिस फायरिंग में कथित तौर पर 13 लोगों की मौत हो गई थी। खास बात यह है कि इस रैली की अगुवाई ममता बनर्जी खुद कर रही थीं। उन्होंने दिसंबर 1997 में कांग्रेस का साथ छोड़कर अपनी अलग पार्टी तृणमूल कांग्रेस बनाई थी, और तब से टीएमसी इस दिन को बड़े पैमाने पर रैलियों के साथ मनाती आ रही है, जबकि कांग्रेस भी इस दौरान कुछ कार्यक्रम करती रही है। वर्तमान स्थिति में, ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाला तृणमूल का बागी गुट एस्प्लेनेड में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास अपना अलग शहीद दिवस कार्यक्रम आयोजित करेगा। दूसरी ओर, पुलिस ने ममता के नेतृत्व वाले गुट को विक्टोरिया हाउस के सामने कार्यक्रम आयोजित करने की पारंपरिक अनुमति नहीं दी है, और यह मामला अब अदालत में लंबित है। बागी गुट ने भी ममता बनर्जी को मार्गदर्शक के रूप में अपनी रैली में शामिल होने का निमंत्रण दिया है, जिससे इस दिन की राजनीतिक गहमागहमी और बढ़ गई है।

वांगचुक के अनशन को समाप्त करने लगाई जनहित याचिका

नई दिल्ली(एजेंसी)। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के दिल्ली के जंतर-मंतर पर 18 दिनों से चल रहे अनशन को समाप्त कराने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। इस याचिका में अदालत से अपील की गई है कि सोनम वांगचुक को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की जाए और उनकी जान बचाने के लिए उन्हें जबरन खाना खिलाकर उनका अनशन खत्म कराया जाए।

याचिकाकर्ता राकेश कुमार सैनी, जो एक एक्टिविस्ट के साथ ही वकील हैं, ने यह कदम वांगचुक के तेजी से बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए उठाया है। उन्होंने अदालत से केंद्र और दिल्ली सरकार को निर्देश देने की मांग की है कि वांगचुक को अस्पताल ले जाया जाए और उन्हें दबाव डालकर पोषक तत्व, विटामिन और खनिज तरल के रूप में दिए जाएं, जो मानव शरीर के जीवित रहने के लिए आवश्यक हैं।

सोनम वांगचुक कॉकरोच जनता पार्टी के मंच पर नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 28 जून से अनशन पर बैठे हैं। वकील सैनी ने अपनी याचिका में चिंता व्यक्त की है कि यदि सोनम वांगचुक अनशन के दौरान मर जाते हैं, तो यह देश और दुनिया के लिए एक अत्यंत शर्मनाक बात होगी। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह वांगचुक के साथ किसी खतरनाक अपराधी, आतंकवादी या देश के गद्दार जैसा व्यवहार कर रही है और उन्हें एक मशहूर सामाजिक और पर्यावरण कार्यकर्ता की चिंता नहीं है। सैनी ने जोर देकर कहा कि सरकार कम से कम इतना तो कर सकती है कि उन्हें उचित मेडिकल सहायता दी जाए, भले ही वह जबरन ही क्यों न हो, ताकि उनकी जान बचाई जा सके। यह महत्वपूर्ण है कि सोनम वांगचुक के इस अनशन को लेकर सरकार और सीजेपी के प्रतिनिधियों के बीच अभी तक किसी तरह की बातचीत या मध्यस्थता शुरू नहीं हुई है। हालांकि, देश के विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं ने अब वांगचुक तक पहुंचना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ दिनों में आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी सहित कई दलों के नेता जंतर-मंतर पर वांगचुक से मिलने पहुंचे हैं। ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल जैसे प्रमुख नेताओं ने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों के जरिए भी सोनम वांगचुक से अनशन खत्म करने की अपील की है, जिससे इस मुद्दे की गंभीरता और राजनीतिक संवेदनशीलता और बढ़ गई है। याचिका पर अदालत का फैसला और सरकार की अगली प्रतिक्रिया अब सबकी निगाह में होगी।

संजय राउत : हनुमान चालीसा के लिए कोई शर्त नहीं, महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष एकजुट

नागपुर(एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने हनुमान चालीसा पढ़ने या मंदिर जाने को लेकर किसी शर्त की बात को सिरे से खारिज कर दिया है। यह बयान उन्होंने एनसीपी (एसपी) नेता जयंत पाटिल के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात पर अपनी प्रतिक्रिया देकर दिया। शिवसेना यूबीटी नेता राउत ने कहा कि जयंत पाटिल की मुख्यमंत्री से मुलाकात हुई है, लेकिन मंदिर जाने को लेकर मेरी कोई कंडीशन नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हनुमान चालीसा पढ़ने में भला क्या शर्त हो सकती है? राउत ने बताया कि 18 तारीख को उद्धव ठाकरे नागपुर आएंगे और वे सब मिलकर मंदिर में दर्शन करने वाले है। यदि बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं, तब मंदिर के बाहर बने मंच से उद्धव ठाकरे उन्हें संबोधित कर सकते है। इसी क्रम में, उद्धव ठाकरे ने महिला आरक्षण बिल पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि अगर सरकार यह बिल फिर लाती है, तब पूरा विपक्ष एकजुट होकर इसका विरोध करेगा। ठाकरे ने जानकारी दी कि उन्होंने बिल में सुधार के लिए अपनी बातें रखी हैं और यदि उनकी बात मानी जाती है, तभी वे उस पर चर्चा हो सकती है। उद्धव ठाकरे ने सुप्रिया सुले से बातचीत के सवाल पर कहा कि वह खुलकर अपनी बात कहने वाली नेता हैं। वहीं, कांग्रेस नेता हुसैन दलवई ने भी राजनीतिक गलियारों में चल रही अटकलों पर अपनी बात रखी। शरद पवार के भाजपा में शामिल होने की संभावना पर दलवई ने दृढ़ता से कहा कि मुझे नहीं लगता कि कुछ लोग जा सकते हैं, लेकिन शरद पवार बिल्कुल भी नहीं जाएंगे। राम मंदिर चढ़ावा मामले पर दलवई ने जगद्गुरु शंकराचार्य के बयान का जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैंने सुना है कि शंकराचार्य जी ने कहा है कि इससे क्या होगा? कुछ नहीं होगा। यह राम मंदिर नहीं बल्कि आरएसएस और भाजपा का दफ्तर है। इसीलिए वे अभी तक वहां नहीं गए हैं।

भारतीय मूल के अनिल मेनन अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना

आठ महीने चलेगा वैज्ञानिकों का मिशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन मंगलवार को कजाकिस्तान से सोयूज एमएस-29 अंतरिक्ष यान के जरिए अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए सफलतापूर्वक रवाना हो गए हैं। उनके साथ दो रूसी अंतरिक्ष यात्री, प्योत्र डुब्रोव और अन्ना किकिना भी इस आठ महीने लंबे मिशन का हिस्सा हैं। यह अंतरिक्ष यान भारतीय समयानुसार रात 8 बजकर 17 मिनट पर बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से प्रक्षेपित हुआ और पृथ्वी के दो चक्कर लगाने के बाद, रात 11 बजकर 56 मिनट पर स्वत~ स्टेशन के प्रिचाल मॉड्यूल से जुड़ गया। यह अनिल मेनन की पहली अंतरिक्ष यात्रा है, जबकि उनके रूसी सहयात्री दूसरी बार अंतरिक्ष मिशन पर गए हैं।

प्रक्षेपण के दौरान अनिल मेनन की अंतरिक्ष यात्री पत्नी अन्ना विल्हेम समेत उनके परिवार के सदस्य और नासा के प्रशासक जेरेड आइज़ैकमैन बैकोनूर कॉस्मोड्रोम में मौजूद थे, जिन्होंने इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनकर उनका उत्साह बढ़ाया। अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचने के बाद, ये तीनों यात्री नासा के अंतरिक्ष यात्रियों (जेसिका मीर, जैक हैथवे और क्रिस विलियम्स), यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की अंतरिक्ष यात्री सोफी एडेनोट, और रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री सर्गेई कुद-स्वेर्चकोव,

सर्गेई मिकाएव और आंद्रेई फेद्यायेव के साथ मिलकर मिशन को आगे बढ़ाएंगे। यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य लगभग आठ महीने तक अंतरिक्ष में रहकर वैज्ञानिक अनुसंधान करना और नई प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करना है, जिसका लक्ष्य मानव अंतरिक्ष अन्वेषण को आगे बढ़ाना और पृथ्वी पर जीवन को लाभ पहुंचाने वाली तकनीकों का विकास करना है। तीनों की अप्रैल 2027 में पृथ्वी पर वापसी निर्धारित है। रूस की अंतर्राष्ट्रीय मानवीय सहयोग एजेंसी की प्रमुख येलेना रेमिज़ोवा ने बताया कि इस रॉकेट के साथ भारतीय स्कूली बच्चों द्वारा बनाई गई चित्रकृतियां भी अंतरिक्ष में भेजी जा रही हैं, जो एक प्रतीकात्मक और प्रेरक कदम है। अनिल मेनन का जन्म अमेरिका के मिनियापोलिस में यूक्रेनी और भारतीय मूल के प्रवासी माता-पिता के घर हुआ था। वह पेशे से इमरजेंसी मेडिसिन फिजिशियन हैं और अमेरिकी स्पेस फोर्स में कर्नल के पद पर कार्यरत हैं। अमेरिकी वायुसेना में अपनी सेवा के दौरान उन्होंने ऑपरेशन एंड्यूरिंग फ्रीडम के तहत अफगानिस्तान में अग्रिम मोर्चे पर काम किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने हिमालयन रेस्क्यू एसोसिएशन के साथ जुड़कर माउंट एवरेस्ट पर पर्वतारोहियों को चिकित्सा सहायता प्रदान की है। उन्होंने रोटरी एम्बेसडोरियल स्कॉलर के रूप में भारत में एक वर्ष बिताया था, जहाँ उन्होंने पोलियो टीकाकरण अभियान का अध्ययन और उसमें सहयोग किया।

होर्मुज में बेकसूर भारतीयों पर हमले बर्दाश्त नहीं : भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। होर्मुज में अमेरिका और ईरान के बीच की जंग अब पूरी तरह से नियंत्रण से बाहर हो चुकी है, और तेल के इस महत्वपूर्ण रास्ते से गुजरना अब सीधे मौत के मुंह में जाने जैसा हो गया है। इस दुश्मनी में सबसे ज्यादा बेकसूर भारतीय नाविक पिस रहे हैं, क्योंकि दुनिया भर के मर्चेंट नेवी वर्कफोर्स में करीब 10 से 17 प्रतिशत हिस्सेदारी अकेले भारतीयों की है। यही वजह है कि होर्मुज में जब भी कोई हमला होता है, तो वहां भारतीय जरूर फंस जाते हैं और अपनी जान गंवा बैठते हैं। हालांकि, अपने लोगों पर इस तरह की आंच आना भारत को कतई बर्दाश्त नहीं है। अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए भारत ने जैसी सख्त चेतावनी हाल ही में ईरान को दी है, ठीक वैसे ही वह अमेरिका को भी खरी-खरी सुनाने से पीछे नहीं हटा था, जिससे भारत की स्वतंत्र और दृढ़ विदेश नीति स्पष्ट होती है।

किसी देश के राजनयिक को सार्वजनिक रूप से तलब करने का मतलब उस देश को सीधी और सख्त चेतावनी देना

होता है, और भारत ने इसी कूटनीतिक रास्ते का सहारा लिया। मंगलवार को जब ईरान की क्रूज मिसाइलों ने यूएई के दो तेल टैंकरों पर हमला किया और उसमें एक भारतीय नाविक की दुखद मौत हो गई, तो भारत सरकार ने बिना एक पल गंवाए एक्शन लिया। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में मौजूद ईरान के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन मोहम्मद जवाद होसैनी को तुरंत तलब कर लिया। यह मुलाकात कोई बंद कमरे की सामान्य बातचीत नहीं थी, बल्कि इसे जानबूझकर फुल पब्लिक व्यू में रखा गया। जब ईरानी राजनयिक विदेश मंत्रालय के दफ्तर पहुंचे तो वहां टीवी न्यूज कैमरों की भारी भीड़ मौजूद थी, जो भारत के गुस्से को सीधे तेहरान तक लाइव पहुंचा रही थी। विदेश मंत्रालय के पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान डिवीजन के जॉइंट सेक्रेटरी आनंद प्रकाश ने होसैनी के सामने बेहद सख्त शब्दों में भारत का कड़ा विरोध दर्ज कराया और साफ कह दिया कि हमारे नाविकों पर इस तरह की बर्बरता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में 13 जुलाई को यूएई के दो तेल टैंकर 'मोम्बासा' और 'अल बहिया' ओमान की समुद्री सीमा के पास से बेहद शांति से गुजर रहे थे, तभी अचानक ईरान की तरफ से दागी गईं दो विनाशकारी क्रूज मिसाइलें इन जहाजों से आकर टकरा गईं। यह हमला इतना भीषण था कि मिसाइल लगते ही दोनों जहाजों में भयंकर आग लग गई और वे जलते हुए मलबे में तब्दील होने लगे। इस हमले में 'मोम्बासा' टैंकर पर सवार एक भारतीय नाविक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इसके अलावा आठ अन्य नाविक बुरी तरह झुलस गए, जिनमें छह भारतीय और दो यूक्रेन के नागरिक शामिल हैं। घायलों में से चार भारतीयों की हालत इतनी गंभीर है कि वे जिंदगी के लिए जंग लड़ रहे हैं।

गडकरी की सलाह- आप चाहें तो 100 फीसद पेट्रोल ज्यादा दाम में खरीद लें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में ई20 यानी 20 फीसदी एथनॉल मिले हुए पेट्रोल के इस्तेमाल को लेकर जारी चर्चाओं और सोशल मीडिया पर फैल रही चिंताओं के बीच, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जो उपभोक्ता एथनॉल मिश्रित ईंधन का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, वे पेट्रोल पंपों पर 100 फीसदी पेट्रोल भी खरीद सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें अधिक कीमत चुकानी होगी। यह बयान ऐसे समय आया है जब ई20 ईंधन देश के लगभग हर फ्यूल स्टेशन पर उपलब्ध है और इसे लेकर वाहन मालिकों के मन में विभिन्न सवाल उठ रहे हैं। गडकरी इससे पहले भी कह चुके हैं कि एथनॉल मिले हुए ईंधन के चलते वाहन खराब होने की कोई समस्या सामने नहीं आई है, जिससे सरकार के एथनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम पर उनका भरोसा कायम है।

सोशल मीडिया पर ईंधन की गुणवत्ता को लेकर प्रसारित हो रहीं चिंताओं को दूर करने और ग्राहकों को आश्वस्त करने के लिए, सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों - इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड - ने देश भर में अपने खुदरा पंपों पर ईंधन गुणवत्ता की जांच तेज कर दी है। इन कंपनियों ने ग्राहकों से अपील की है कि वे ईंधन गुणवत्ता से जुड़ी किसी भी शिकायत को सीधे पेट्रोल पंप या कंपनी के ग्राहक सेवा माध्यमों से दर्ज कराएं और सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट पोस्टों पर भरोसा न करें। यह कदम सरकार और तेल कंपनियों की ओर से उपभोक्ताओं को ई20 ईंधन की सुरक्षा और गुणवत्ता के प्रति आश्वस्त करने का प्रयास है।

इस बीच, आईआईटी कानपुर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में इंजन रिसर्च लैबोरेटरी के परियोजना वैज्ञानिक ध्रुव राज करणा ने भी ई20 ईंधन को लेकर चल रही अफवाहों का खंडन किया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि बड़े पैमाने पर हुए अध्ययन में यह सामने आया है कि ई20 से गाड़ियों के इंजन को नुकसान, जंग लगने या किसी अन्य तकनीकी समस्या होने के कोई सबूत नहीं मिले हैं। करणा ने यह भी स्पष्ट किया कि संस्थान के अध्ययनों में ई 20 के कारण गाड़ियों के माइलेज में कोई खास कमी नहीं पाई गई है। उनके अनुसार, माइलेज में कोई भी बदलाव दरअसल ईंधन के बजाय गाड़ी चलाने की आदतों, सड़क की स्थिति और गाड़ी के रखरखाव से ज्यादा प्रभावित होता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, अब तक किए गए परीक्षणों में इंजन के टिकाऊपन या गाड़ी की रफ्तार और माइलेज पर ई20 ईंधन का कोई गलत असर नहीं देखा गया है, जो इस नई ईंधन नीति के प्रति वैज्ञानिक समर्थन को दर्शाता है।

सायरन बजते ही बत्ती गुल, साहेबगंज में ब्लैक आउट, तीन जगह में हुई मॉक ड्रिल, पूरे इलाके में सुरक्षा बल तैनात

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देश पर साहेबगंज जिला प्रशासन द्वारा बुधवार को जिले में व्यापक सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल एवं एयर रेड ब्लैकआउट अभ्यास का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। दोपहर 4 बजे से रात 9 बजे तक चले इस अभ्यास का उद्देश्य नागरिक सुरक्षा व्यवस्था, प्रशासन की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता तथा विभिन्न विभागों एवं एजेंसियों के बीच आपसी समन्वय की प्रभावशीलता का परीक्षण करना था। वहीं अभ्यास के दौरान ड्रोन, मिसाइल, हवाई हमला होने पर किस तरह से बचाव किया जाए।? इसकी जानकारी दी जाएगी। कैसे अंधेरा रखा इसकी भी जानकारी दी गई। इस दौरान सायरन भी बजाए जाएंगे। निर्देश के बाद बुधवार साहेबगंज में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान सड़क सुनसान थी, लेकिन अग्नि शमन की गाड़ियां और एंबुलेंस सड़कों पर दौड़ते दिखे। सायरन की आवाज युद्ध का परिदृश्य जैसा महसूस करा रहा था। दरअसल यह अभ्यास नागरिकों, संस्थानों और बुनियादी ढांचे को संभावित आपात स्थितियों, जैसे शत्रुतापूर्ण हमले या प्राकृतिक आपदाओं, के लिए तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण है। जिला प्रशासन ने मॉक ड्रिल क्यों जरुरी है, इसकी विस्तृत जानकारी दे रखी है।

हवाई हमले की चेतावनी सायरन

अभ्यास के दौरान निर्धारित समय पर तेज सायरन बजाए गया। इस मौके पर नागरिक तुरंत घर के अंदर आश्रय लें लिया। खिड़कियों और दरवाजों से दूर रहें। सब ठीक सायरन सुनाई देने तक घर के अंदर रहें। यदि वाहन चला रहे हैं, तो सुरक्षित रूप से रुकें और यदि संभव हो तो घर के अंदर आश्रय लें। विस्फोट या हमले के दौरान अपनी रक्षा करना सीखें, झुकें, ढकें और पकड़ें। बच्चों को आपातकालीन कदम और संपर्क जानकारी सिखाएं। एक गो-वेग तैयार रखें जिसमें आवश्यक वस्तुएं हों। जैसे प्राथमिक चिकित्सा किट, पीने का पानी, टॉर्च और वेटरी, बुनियादी सूखा भोजन, व्यक्तिगत पहचान पत्र, दवाएं और आपातकालीन संपर्क सूची। विशिष्ट क्षेत्रों में अस्थायी ब्लैकआउट हो सकता है। निर्देश मिलने पर सभी घरेलू और बाहरी लाइटें बंद करें।

सायरन बजते ही हो जाए सतर्क

इस दौरान सायरन बजा करके भी लोगों को प्रशिक्षित किया गया। इसके बजने के बाद लोगों को किस प्रकार सुरक्षित रहना है। इसका अभ्यास और जानकारी दी गई। अभ्यास में छात्रों और आम नागरिकों को शामिल किया जा रहा है। सिविल डिफेंस के बुनियादी जरूरतों के विषय में जानकारी दी गई। दूसरों की मदद करना, खुद को सुरक्षित रखना, संचार साधनों का इस्तेमाल, शेल्टर का उपयोग, प्राथमिक चिकित्सा, आग पर काबू पाने जैसे विषय पर प्रशिक्षित करने की योजना है।

साहेबगंज हुआ ब्लैकआउट?

ब्लैक आउट के दौरान पूरा साहेबगंज शहर अंधेरे में डूब गया। इस संबंध में लोगों को प्रशिक्षित किया गया। ब्लैक आउट के दौरान सरकारी कार्यालय, सार्वजनिक स्थल और घरों में अंधेरा हो गया। रोशनी का नामोनिशान नहीं था। जिससे कि दुश्मन देश को आबादी के विषय में

लोगों को सुरक्षित निकाला, अस्पताल पहुंचाया

अपर समाहर्ता विजय कुमार ने बताया कि सभी विभागों में समन्वय कर सिविल डिफेंस, पुलिस, मेडिकल विभाग और दमकल की टीमें मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपेरशन चलाया गया। लोगों को सुरक्षित निकालने और घायलों को अस्पताल पहुंचाने का अभ्यास किया गया। उन्होंने बताया कि मॉक ड्रिल के जरिए रेस्क्यू टीमों के रिस्पॉन्स समय का आकलन किया गया है। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर साहेबगंज पर मॉक ड्रिल की जा रही है।

सीओ की पहल से सुलझा पश्चिमी प्राणपुर पंचायत में स्वास्थ्य उपकेंद्र निर्माण का विवाद

बिभा संवाददाता

उधवा। उधवा प्रखंड क्षेत्र के पश्चिमी प्राणपुर पंचायत में प्रस्तावित स्वास्थ्य उपकेंद्र के निर्माण स्थल को लेकर चल रहे विवाद बुधवार को सुलह हो गया। इस दौरान अंचलाधिकारी उधवा आशीष कुमार मंडल की मौजूदगी में दोनों पक्षों की सहमति से विवाद सुलझ गया। मिली जानकारी के अनुसार पश्चिमी प्राणपुर पंचायत में स्वास्थ्य उपकेंद्र के लिए चिन्हित जमीन को लेकर पिछले कुछ दिनों से दो पक्षों के बीच विवाद चल रहा था। विवाद के कारण निर्माण कार्य बाधित हो गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल बुधवार को निर्माण स्थल पर पहुंचे। उन्होंने मौके पर दोनों पक्षों, बुद्धिजीवी, जनप्रतिनिधियों और पंचायत के गणमान्य लोगों की संयुक्त बैठक बुलाई। बैठक में दोनों पक्षों की सहमति से विवाद का समाधान किया गया। इस संदर्भ में अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल ने बताया कि दोनों पक्षों की सहमति से स्वास्थ्य उपकेंद्र के लिए जगह चिन्हित कर दी गई है। अब इस मामले में कोई विवाद नहीं है। उक्त स्थल पर स्वास्थ्य उपकेंद्र का निर्माण कार्य जल्द शुरू कराया जाएगा। ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सकें। बैठक में मौजूद लोगों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना की। मौके पर पूर्व मुखिया बादसु शेख, मुखिया प्रतिनिधि महबूब आलम, अब्दुल हन्नान, समाउन शेख, अजीजुल हक, अब्दुल मजीद शेख, शाहजहां शेख सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

सीएचसी में सहियाओं की मासिक समीक्षा बैठक, टीकाकरण सुद्दढ़ीकरण पर दिया गया विशेष प्रशिक्षण

बिभा संवाददाता

तालझारी। तालझारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित सभागार में बुधवार को सभी सहियाओं की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रंजन कुमार की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में प्रखंड क्षेत्र की सहियाओं, सहिया साथियों, सहिया पर्यवेक्षकों, बीटीटी तथा स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों ने भाग लिया। वहीं बैठक के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई तथा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक विजय राम ने टीकाकरण सुद्दढ़ीकरण अभियान पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया। उन्होंने नियमित टीकाकरण, छूटे हुए बच्चों की पहचान, शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने तथा लोगों को जागरूक करने में सहियाओं की भूमिका पर विशेष जोर दिया। वहीं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रंजन कुमार ने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सहियाओं की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी सहियाओं से क्षेत्र में नियमित भ्रमण कर स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने और टीकाकरण अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। मौके पर देवनारायण रविदास, विजय कुमार, अभिषेक कुमार, सहिया साथी सजोनी, कंचन देवी, मेरी मालतो, अवधेश कुमार सहित सीएचसी के अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। बैठक के अंत में विभिन्न कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए।

संक्षिप्त खबरें

राजमहल उपकारा में बंदी को सांप ने काटा, समय पर इलाज से टला बड़ा हादसा

राजमहल(बिभा)। राजमहल उपकारा में बुधवार सुबह एक बंदी को जहरीले सांप ने काट लिया। घटना उस समय हुई जब जेल परिसर में सफाई और घास काटने का कार्य चल रहा था। बंदी की चीख सुनते ही जेल कर्मियों ने तत्काल उसे प्राथमिक उपचार दिलाकर राजमहल अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया, जहां समय पर इलाज मिलने से उसकी जान बच गई। फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, बरहरवा थाना क्षेत्र के पतना चौक, तेलीपाड़ा निवासी सोहन कुमार यादव (23) किसी मामले में न्यायिक हिरासत में राजमहल उपकारा में बंद है। बुधवार सुबह करीब आठ बजे वह अन्य बंदियों के साथ जेल परिसर में घास काटने और सफाई कार्य में लगा था। इसी दौरान झाड़ियों के बीच से निकले एक जहरीले सांप ने उसके बाएं हाथ पर काट लिया। घटना के बाद अन्य बंदियों और जेल कर्मियों ने तत्काल जेल प्रशासन को सूचना दी। प्रशासन ने बिना देरी किए बंदी को प्राथमिक उपचार के बाद राजमहल अनुमंडल अस्पताल भेजा, जहां चिकित्सकों ने उसे एंटी-वेनम (सर्पदंश रोधी) इंजेक्शन दिया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, समय पर इलाज मिलने के कारण मरीज अब खतरे से बाहर है, हालांकि एहतियातन उसे 24 घंटे चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। वहीं जेल अधीक्षक ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जेल परिसर के आसपास ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण सांप और अन्य विषैले जीवों के आने की संभावना बनी रहती है। उन्होंने कहा कि परिसर में नियमित सफाई अभियान चलाया जाता है, लेकिन फिर भी इस तरह की घटनाएं हो जाती हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में कीटनाशक दवा का छिड़काव कराया गया है और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय किए जाएंगे। वहीं प्रशासन ने बंदी के परिजनों को भी घटना की सूचना दे दी है। परिजन अस्पताल पहुंच चुके हैं। उन्होंने प्रशासन की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए जेल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और रखरखाव को और बेहतर बनाने की मांग की है। इस घटना के बाद एक बार फिर जेल परिसरों में बंदियों की सुरक्षा, नियमित साफ-सफाई और सांप जैसे विषैले जीवों से बचाव के इंतजामों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। प्रशासन ने पूरे मामले की समीक्षा कर आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

महाराजपुर रेलवे स्टेशन तक वैकल्पिक मार्ग निर्माण की मांग, डीआरएम को सौंपा जाएगा ज्ञापन

तालझारी(बिभा)। महाराजपुर रेलवे स्टेशन तक पहुंचने के लिए सुरक्षित एवं सुगम वैकल्पिक मार्ग के निर्माण की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों ने पूर्व रेलवे, मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया है। ग्रामीणों का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के दौरान स्टेशन तक जाने वाला पुराना सार्वजनिक मार्ग बंद कर दिए जाने से आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसको लेकर समाजसेवी बजरंगी महतो, सोनु कुमार यादव, राकेश कुमार यादव, मुख्तार अंसारी, अभिषेक कुमार, रितेश मंडल, अजय साह, रोहित कुमार, रितेश कुमार सहित ग्रामीणों ने ज्ञापन हस्ताक्षर कर बताया कि वर्तमान में रेलवे स्टेशन तक पहुंचने के लिए कोई निकटतम और सुरक्षित मार्ग उपलब्ध नहीं है। इसके कारण स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं, मरीजों तथा प्रतिदिन ट्रेन से यात्रा करने वाले यात्रियों को लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। इससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त बबार्दी हो रही है। साथ ही ग्रामीणों ने यह भी उल्लेख किया है कि सावन माह में हजारों कांवरिया और श्रद्धालु महाराजपुर रेलवे स्टेशन पर उतरकर मोतीनाथ बाबा मंदिर में जलाभिषेक के लिए जाते हैं। उचित पहुंच मार्ग के अभाव में श्रद्धालुओं को भी काफी कठिनाइयों और असुरक्षा का सामना करना पड़ता है। वहीं क्षेत्रवासियों ने डीआरएम से जनहित, यात्रियों की सुविधा और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महाराजपुर रेलवे स्टेशन तक पहुंचने के लिए निकटतम स्थान पर सुरक्षित एवं सुगम वैकल्पिक मार्ग का शीघ्र निर्माण कराने की मांग की है। उनका कहना है कि इस दिशा में त्वरित कार्रवाई होने से स्थानीय लोगों के साथ-साथ बाहर से आने वाले यात्रियों को भी बड़ी राहत मिलेगी।

बाईक चोरी के मामले में दो अभियुक्त को ढ़ाई साल की सजा

दुमका(बिभा)। चोरी के 09 साल पुराने केस में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) अनुप तिर्की की न्यायालय ने दो अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए ढ़ाई साल का सजा सुनाई। साथ ही दोनों पर अदालत ने 05 हजार जुमार्ना लगाया। जुमार्ने की राशि नहीं देने पर अतिरिक्त छह माह सजा काटनी होगी। जुमार्ना की राशि सूचक को भुगतान करना होगा। दोषियों के नाम जिले के मसलिया थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव निवासी बुदीलाल मुर्मू और डुमरिया गांव निवासी लखीराम हांसदा है। न्यायालय ने 05 गवाहों की गवाही पर फैसला सुनाया। सरकार की ओर से पैरवी कर रहे सहायक लोक अभियोजन शशिकांत ठाकुर ने बताया कि न्यायालय ने दुमका नगर थाने में दर्ज प्राथमिकी में दोषी करार दिया। न्यायालय ने सूचक सीतलाल विकास कुमार के बाइक चोरी के मामले में दोषी करार देते हुए दोनों अभियुक्तों को ढ़ाई साल की सजा सुनाई। मामले में बचाव पक्ष की ओर से निवास मंडल ने बहस की।

बीडीओ ने एसआईआर शिविर का किया निरीक्षण, सभी प्रपत्र जल्द ऑनलाइन करने का दिया निर्देश

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। तालझारी सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद ने बुधवार को प्रखंड क्षेत्र में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान सूची पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की समीक्षा की तथा उपस्थित बीएलओ, सुपरवाइजर एवं संबंधित कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं बीडीओ ने शिविर में मतदाताओं से प्राप्त प्रपत्रों की जांच करते हुए कहा कि सभी आवेदन पत्रों का समय पर सत्यापन कर उन्हें निर्धारित समय-सीमा के भीतर ऑनलाइन अपलोड किया जाए, ताकि मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य बिना किसी विलंब के पूरा हो सके। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने शिविर में उपलब्ध सुविधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कहा कि शिविर में आने वाले प्रत्येक मतदाता को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाए तथा उनके आवेदन सही ढंग से भरवाकर प्राप्त किए जाएं। जिन मतदाताओं के दस्तावेज अधूरे हैं, उन्हें आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए जागरूक किया जाए। साथ ही बीडीओ ने बीएलओ को निर्देशित किया कि घर-घर जाकर अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं से संपर्क करें और जिन लोगों के प्रपत्र अब तक जमा नहीं हुए हैं, उनसे शीघ्र आवेदन प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध एवं अद्यतन होना लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती के लिए अत्यंत आवश्यक है, इसलिए इस कार्य को पूरी गंभीरता एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न किया जाए। इस अवसर पर संबंधित सुपरवाइजर, बीएलओ तथा अन्य निर्वाचन कर्मी उपस्थित थे। सभी ने निर्धारित समय के भीतर प्रपत्रों का सत्यापन एवं ऑनलाइन अपलोड का कार्य पूरा करने का भरोसा दिलाया।

अपने घर से मौसीबाड़ी जाएंगे भगवान जगन्नाथ, रथ यात्रा आज

साहेबगंज। आस्था और श्रद्धा का महापर्व भगवान श्रीजगन्नाथ की रथ यात्रा आज पूरे धार्मिक उत्साह के साथ निकाली जाएगी। परंपरा के अनुसार भगवान श्रीजगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा भव्य रथ पर सवार होकर अपने मंदिर से मौसीबाड़ी के लिए प्रस्थान करेंगे। रथ यात्रा को लेकर मंदिर परिसर और शहर में व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सुबह विशेष पूजा-अर्चना और महाआरती के बाद भगवान का भव्य श्रृंगार किया जाएगा। इसके उपरांत विधि-विधान से तीनों विग्रहों को रथ पर विराजमान कराया जाएगा। श्रद्धालु ₹जय जगन्नाथ₹ के जयघोष के बीच रथ की रस्सी खींचकर भगवान को मौसीबाड़ी तक ले जाएंगे। मान्यता है कि रथ की रस्सी खींचने से भक्तों को विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है और उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। वहीं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना को देखते हुए प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क है। धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान जगन्नाथ अपनी मौसी के घर कुछ दिनों तक विश्राम करते हैं। इसके बाद बहुदा यात्रा के माध्यम से पुनः अपने मुख्य मंदिर लौटते हैं। रथ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है और सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी है।

किसी भी हाल में मध्याह्न भोजन बंद नहीं होना चाहिए : बीईईओ

बिभा संवाददाता

उधवा। उधवा प्रखंड मुख्यालय स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय गड़ल्ली में बुधवार को सभी सचिवों की गुरु गोष्ठी आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी उधवा रोबिन मंडल ने किया। इस दौरान बीईईओ रोबिन मंडल ने उपस्थित सभी सचिवों के साथ मासिक समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान बीईईओ ने सभी शिक्षकों व छात्र-छात्राओं की उपस्थिति प्रतिदिन ई-विद्यावाहिनी में बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कक्षा 1 से 12वीं तक के सभी बच्चों का अपार आईडी बनाने का निर्देश दिया। साथ ही विद्यालय प्रबंधन समिति के पुनर्गठन के आदेश के अनुरूप दिशा-निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षकों को लेशन प्लान तैयार करना है। प्रशास्त एप के माध्यम से दिव्यांग बच्चों का डेटा ऑनलाइन करने पर जोर दिया गया। साथ ही उन्होंने एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण करते हुए लिंक के माध्यम से ऑनलाइन करने की चर्चा की गई। बीईईओ ने एमडीएम की अद्यतन स्थिति एवं मासिक उपयोगिता, एमडीएम एसएमएस एवं तिथि भोजन की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उन्होंने सभी सचिवों को निर्देश दिया कि किसी भी हाल में मध्यान्ह भोजन बंद नहीं होना चाहिए। कहा कि प्रतिदिन विद्यालय समय पर खोलें और बंद करें। उन्होंने कहा कि कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मौके पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी अटल बिहारी भगत, बीआरपी मोहनलाल साहा, इंतखाब आलम, सीआरपी बाबूलाल मंडल, अशोक पाल, द्विजेंद्र मंडल, शिक्षक मो. साईम शेख, जिब्राईल अली, मनोवर हुसैन, हारून रशीद सहित अन्य मौजूद थे।

समाज सेवा का संकल्प लेकर लौटे एनएसएस स्वयंसेवी, सात दिवसीय विशेष शिविर का हुआ समापन

बिभा संवाददाता

राजमहल। राजमहल मॉडल कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाईझ1 एवं इकाईझ2 द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का बुधवार को उत्साह और गरिमामय माहौल में समापन हो गया। सप्ताहभर चले इस शिविर में स्वयंसेवियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान, स्वच्छता, शिक्षा, डिजिटल साक्षरता एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से समाज सेवा का संदेश दिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला नोडल पदाधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं पीडब्ल्यूडी, राजमहल के जूनियर इंजीनियर प्रशांत कुमार भारती उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने की। वहीं समारोह के दौरान स्वयंसेवियों ने पूरे शिविर की गतिविधियों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। स्वयंसेवक विक्रम, कुतुब, राहुल एवं उनकी टीम ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से सात दिनों के दौरान किए गए सामाजिक कार्यों, जनजागरूकता अभियानों और ग्रामीण क्षेत्रों में हुए सकारात्मक प्रयासों को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया। वहीं मुख्य अतिथि प्रशांत कुमार भारती ने स्वयंसेवियों की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने दोनों कार्यक्रम पदाधिकारियों डॉ. रमजान अली एवं डॉ. अमित कुमार सहित सभी स्वयंसेवियों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी और भविष्य में भी समाजहित में सक्रिय रहने का आह्वान किया। प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे विशेष शिविर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ उन्हें समाज की वास्तविक आवश्यकताओं से भी जोड़ते हैं। उन्होंने स्वयंसेवियों से सेवा, अनुशासन और नेतृत्व की भावना को जीवनभर बनाए रखने की अपील की। वहीं समारोह में स्वयंसेवियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समापन समारोह को यादगार बना दिया। अंत में दोनों कार्यक्रम पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों, महाविद्यालय परिवार और स्वयंसेवियों के प्रति आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ सात दिवसीय विशेष शिविर का औपचारिक समापन हुआ।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: ओ-एसी-टी-106 से 109-26-27 (खुली), दिनांक 13.07.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएँ (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं. 1, केस संख्या** : ओ-एसी-टी-106-26-27, **कार्य का नाम**: डीईएन/4/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में आसनसोल मंडल में अंडाल और दुर्गापुर स्टील एक्सचेंज यार्ड के मौजूदा संयुक्त रनिंग रूम के विस्तार और दुर्गापुर स्टील एक्सचेंज यार्ड क्रू लॉबी के उन्नयन, रनिंग रूम के विस्तार और ट्रैक रखरखाव और परिचालन कर्मचारियों के लिए बुनियादी ढांचे, जिसमें गैंग हट्स, गुमटियां, पीने के पानी की सुविधाएं, रास्ते आदि का प्रावधान शामिल है, के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य : रु.** 8,44,13,153.82, **बयाना राशि : रु.** 16,88,300/-, **क्रम सं. 2, केस संख्या** : ओ-एसी-टी-107-26-27, **कार्य का नाम**: एईएन/2/अंडाल के तहत तापसी-सीतारामपुर आउटर (सीतारामपुर स्टेशन को छोड़कर) लाइन, तापसी-बाराबानी (टीबी) कॉर्ड लाइन, तापसी-बेलबांध साइडिंग लाइन और सोनाचारा-जामबंध साइडिंग लाइन और साथ ही ए.एस. कॉर्ड लाइन के माध्यम से अंडाल आउटर (अंडाल स्टेशन को छोड़कर) खंड में अनुपयोज्य पीएससी स्लीपर द्वारा रेलवे भूमि डिमार्केशन (सीमांकन) पिलर के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य : रु.** 57,53,325.62, **बयाना राशि : रु.** 1,15,100/-, **क्रम सं. 3, केस संख्या** : ओ-एसी-टी-108-26-27, **कार्य का नाम**: डीईएन/4/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र के तहत सोनपुर बाजारी साइडिंग (पी.वे कार्यों के लिए) पर एक समय में वार्फ (पीएफ लाइन) में लोडिंग के साथ-साथ दोनों साइलो लाइनों में एक साथ लोडिंग के लिए साइलो लाइन नंबर 01 और लाइन नंबर 02 के बीच एक क्रॉस ओवर के प्रावधान के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य : रु.** 62,60,976.31, **बयाना राशि : रु.** 1,25,200/-, **क्रम सं. 4, केस संख्या** : ओ-एसी-टी-109-26-27, **कार्य का नाम**: डीईएन/4/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र के तहत सोनपुर बाजारी साइडिंग (सिविल कार्यों के लिए) पर एक समय में वार्फ (पीएफ लाइन) में लोडिंग के साथ-साथ दोनों साइलो लाइनों में एक साथ लोडिंग के लिए साइलो लाइन नंबर 01 और लाइन नंबर 02 के बीच एक क्रॉस ओवर के प्रावधान के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य : रु.** 75,22,975.48, **बयाना राशि : रु.** 1,50,500/-, **कार्य की समापन अवधि**: 12 माह (क्रम सं. 1 हेतु), 06 माह (क्रम सं. 2 हेतु) और 04 माह (क्रम सं. 3 एवं 4 हेतु)। **बंद होने की तिथि और समय**: 10.08.2026 को 12.00 बजे प्रत्येक हेतु। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है। ASN-180/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहां देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

घाघरा में महिला व एक पुरुष की मिला शव का पुलिस ने किया उद्भेदन

पति ने ही रची थी पत्नी और उसके साथी की हत्या की साजिश, महिला समेत 6 गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के खूँटी थाना क्षेत्र के घाघरा गाँव के नदी में हत्याकांड पर मिली लोहरदगा जिले के बड़ागाई गाँव निवासी नेहा देवी और अरुण कुमार राणा के मिले दो शवों के मामले का पुलिस ने उद्भेदन करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है। इस दोहरे हत्याकांड का मास्टरमाइंड मृतका का पति कुंदन प्रमाणिक ही था जिसके विरुद्ध मृतका के पिता ने नामजद मामला दर्ज कराया था। जिस कुंदन प्रमाणिक ने अपने साथियों के साथ मिलकर पत्नी और उसके साथी की हत्या की साजिश रची थी। पुलिस ने मामले में एक महिला समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त वाहन, हथियार, मोबाइल फोन और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए हैं।

उक्त जघन्य हत्याकांड 09 जुलाई को की रात को की गयी थी जो 10 जुलाई को खूंटी थाना क्षेत्र के घाघरा गांव स्थित नदी के पुल के नीचे एक युवक और एक महिला का शव मिला था। एक स्थान पर दो शवों के मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई थी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष जांच दल का गठन किया गया था। जिसमें नामजद अभियुक्त को खोजने दिशा में और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर की गई जांच में हत्या की पूरी साजिश का खुलासा हो गया।

जिसमें सबसे पहले आरोपी कुंदन प्रमाणिक उर्फ संजीत को गिरफ्तार किया गया। जिसने हत्या की साजिश और अपनी भूमिका स्वीकार की। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने सती देवी, जितेंद्र सिंह उर्फ जयरा, रितेश चौक बड़ाईक, मदन ठाकुर उर्फ मदन प्रमाणिक, विजय रंजन शर्मा समेत कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने आरोपियों के द्वारा हत्या में प्रयुक्त किये गये स्कॉर्पियो वाहन, मृतक की मोटरसाइकिल, लोहे की दो रॉड, दोनों मृतकों एवं आरोपियों के मोबाइल फोन तथा घटना के समय पहने गए कपड़े बरामद किए हैं।

एसपी ऋषभ गर्ग ने वृहस्पतिवार को प्रेस वार्ता में बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। दोनों के एक मासूम बेटे की कस्टडी को लेकर तनाव लगातार बढ़ रहा था। पुलिस के अनुसार, इसी रंजिश के चलते पति ने अपने साथियों के साथ मिलकर पत्नी और उसके साथी की हत्या की साजिश रची और वारदात को अंजाम दिया।

खूँटी पुलिस ने कुछ ही दिनों में इस हत्याकांड केस का खुलासा कर पूरे षड्यंत्र का उद्भेदन कर दिया और आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस अनुसंधान के विशेष अनुसंधान दल खूँटी डीएसपी मंगल सिंह जामुदा, खूँटी थाना प्रभारी पु नि अशोक कुमार सिंह, पु०अ०नि० आदित्य कुमार, पु०अ०नि० कुन्दन कुमार, पु०अ०नि० अमरजीत सिंकू, पु०अ०नि० सुधीर कुमार यादव, पु०अ०नि० निशा कुमारी, तकनिकी शाखा, खूँटी एवं सशस्त्र बल शामिल थे।

भाजपा का पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण महाभियान के तहत प्रशिक्षण शिविर

पार्टी के नीति सिद्धांतों को जन जन तक पहुंचाएं और समस्याओं को हल करने का प्रयास करें : अर्जुन मुण्डा

बिभा संवाददाता

खूँटी । पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण महाभियान के तहत खूँटी जिले के भाजपा कार्यालय में वृहस्पतिवार को विशेष प्रशिक्षण वर्ग लगाया गया। जिसमें मुरहू, सयको और बिरबांकी मंडल के भाजपा के 125 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। उक्त प्रशिक्षण वर्ग में विशेष रुप से झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा और प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा उपस्थित रहे। उक्त प्रशिक्षण वर्ग जिलाध्यक्ष आनंद कुमार की अध्यक्षता में पंडित दीन दयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर पुष्पांजली करके आरम्भ किया।

मौके पर, नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि निष्ठापूर्वक पार्टी का काम एवं वर्तमान में चल रहे एसआईआर का काम को बीएलए टू एवं बीएलओ के साथ मिलकर सफलतापूर्वक सभी मतदाताओं का गणना प्रपत्र भरवाने का काम करें। समापन सत्र में पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा उपस्थित हुए। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत सभी कार्यकर्ता पार्टी के नीति एवं सिद्धांतों को जन जन तक पहुँचाएँ गाँव में समस्याओं को सूचीबद्ध करके प्राथमिकता के आधार पर हल करने का प्रयास करें एवं लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने का प्रयास करें। जहां भी मेरी जरूरत पड़े कार्यकर्ता हमसे सीधे संवाद करें। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं के लिए हमेशा उपलब्ध रहूंगा।

इस अवसर पर मुरहू मंडल अध्यक्ष विजय कुमार राम, सयको मंडल अध्यक्ष अमर मुंडु, महामंत्री सुखमोहन नायक, प्रसून मांझी, बालगोविंद महतो, राजेश नायक, नरेंद्र अधिकारी , जलेश्वर महतो, मागो मुंडा, दसायमुंडा, जगमोहन सिंह मुंडा, सोतो मानकी, नंदी कंडीर एवं सभी पंचायत अध्यक्ष एवं मंडल के पदाधिकारी उपस्थित हुए।

विश्व आदिवासी दिवस मनाने के लिए आदिवासी कांग्रेस ने की बैठक

आदिवासी संस्कृति, परम्पराओं तथा जल, जंगल, जमीन की रक्षा प्राथमिकताः ऐलेक्सियूस

बिभा संवाददाता

खूँटी। विश्व आदिवासी दिवस आगामी 09 अगस्त को मनाने के लिए वृहस्पतिवार को आदिवासी कांग्रेस ने योजना बैठक किया। आदिवासी कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष ऐलेक्सियूस परिधिया की अध्यक्षता में निर्णय लिया गया कि आगामी 9 अगस्त 2026 को मनाए जाने वाले विश्व आदिवासी दिवस को जिलेभर में भव्य एवं ऐतिहासिक रूप से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं से अभी से तैयारी शुरू करने का आह्वान किया गया।

कार्यकारी अध्यक्ष ऐलेक्सियूस परिधिया ने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परम्पराओं तथा जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा के साथ संविधान प्रदत्त अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक करना कांग्रेस की प्राथमिकता है। वहीं जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि मिश्रा ने कार्यकताओं से विश्व आदिवासी दिवस को जन-जन तक पहुंचाने और इसे एकता, सम्मान एवं गौरव का प्रतीक बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष विलसन तोपनो, धर्मदास कंडीर, पीटर ओड़या, सुचित सांगा, बेर्नाड किस्पोट्टा, जेम्स तोपनो, पीटर मुंडू, जुलियूस कंडुलना, ऐलेक्सियूस भेंगरा, मगरीता खेस, सुषमा भेंगरा, हेलेन तिड़ू, अनीता नाग, अनमोल होरो, हेरमन सोय, जयसिंह मुंडा, रोशन सांगा सहित आदिवासी कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

आजसू नेता ने बुंडू नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी पर की जांच की मांग

बुण्डू(बिभा) । पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष प्रत्याशी एवं आजसू नेता राजकिशोर कुशवाहा ने नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड राज्य मानवाधिकार आयोग, उपायुक्त, एसएसपी समेत अन्य अधिकारियों को ज्ञापन भेजकर बुण्डू नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी पर शासकीय शक्तियों के दुरुपयोग, जनसमस्याओं की अनदेखी तथा आंदोलनकारियों को फर्जी मुकदमों में फँसाने की कथित साजिश की उच्चस्तरीय विभागीय जाँच की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि नगर क्षेत्र में पिछले 15झ्र20 दिनों से जलापूर्ति ठप है। करीब एक वर्ष से डोर-टू-डोर कचरा उठाव बंद है तथा खराब स्ट्रीट लाइटों के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। इन समस्याओं को लेकर 18 जुलाई को नगर पंचायत कार्यालय के समक्ष शांतिपूर्ण घेराव का कार्यक्रम तय है। आरोप लगाया गया है कि जनप्रतिनिधियों के शिष्टमंडल से मिलने के बजाय कार्यपालक पदाधिकारी ने भ्रामक जानकारी देकर कार्यालय छोड़ दिया। साथ ही वर्ष 2023 में आंदोलनकारियों पर दर्ज मामले का उल्लेख करते हुए इस बार भी फर्जी मुकदमे की आशंका जताई गई है। ज्ञापन में 18 जुलाई के आंदोलन के दौरान स्वतंत्र दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति, संपूर्ण वीडियोग्राफी, निष्पक्ष जांच के बिना किसी एफआईआर पर कार्रवाई नहीं करने तथा आंदोलन में शामिल नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई है।

बाल तस्करी रोकने को 15 दिवसीय जागरूकता अभियान शुरू

खूँटी(बिभा)। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) से प्रेरित 'बाल तस्करी से आजादी अभियान' का शुभारंभ उपायुक्त मो. जावेद हुसैन के निर्देश पर जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल कल्याण संघ के संयुक्त तत्वावधान में डीआरडीए सभागार में किया गया। 15 दिनों तक चलने वाले इस अभियान के तहत बाल तस्करी, बाल श्रम, बाल विवाह, स्कूल ड्रॉपआउट एवं गुमशुदा बच्चों की रोकथाम के लिए जिलेभर में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग आनंद कुमार ने कहा कि बाल सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए सभी विभागों और सामाजिक संगठनों के समन्वित प्रयास जरूरी हैं। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी मो. अल्ताफ खान ने बताया कि गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाकर जरूरतमंद बच्चों की पहचान कर उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा तथा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक, रैली, जनचौपाल और खेलकूद कार्यक्रम होंगे। 30 जुलाई, विश्व मानव तस्करी विरोध दिवस पर फुटबॉल एवं हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। उक्त बैठक में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, बाल संरक्षण विभाग के लोग उपस्थित थे।

19 जुलाई को होगी झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा, 12 केंद्रों पर 4,380 अभ्यर्थी होंगे शामिल

खूंटी(बिभा)। 19 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाली झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा-2024 के सफल, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर समाहरणालय सभागार में उपायुक्त मो. जावेद हुसैन एवं पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग की संयुक्त अध्यक्षता में स्टेटिक, पेट्रोलिंग एवं फ्लाइंग मजिस्ट्रेट सहित प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों की ब्रीफिंग बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि जिले के 12 परीक्षा केंद्रों पर 4,380 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा का आयोजन तीन पालियों में किया जाएगा। सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त मो. जावेद हुसैन ने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता, गोपनीयता और पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी दंडाधिकारियों को समय पर परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करने तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कहा कि सभी पुलिस पदाधिकारी एवं दंडाधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। परीक्षा केंद्रों और आसपास के क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की कदाचार की कोशिश पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में अभ्यर्थियों की सघन जांच, पहचान सत्यापन, समयबद्ध प्रवेश, प्रश्नपत्र एवं उत्तरपुस्तिकाओं के सुरक्षित परिवहन, संचार व्यवस्था, विधि-व्यवस्था संधारण तथा आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों से आयोग के निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए परीक्षा को शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने का आह्वान किया।

समन्वय बनाकर योजनाओं को उतारें धरातल पर : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

खूंटी : समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में कृषि एवं संबद्ध विभागों तथा झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसायटी की संयुक्त समीक्षा बैठक कर विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति पर जानकारी लिये। मौके पर आपसी समन्वय के साथ योजनाओं के प्रस्ताव तैयार कर उनका प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान कृषि, आत्मा, उद्यान, भूमि संरक्षण, सहकारिता, मत्स्य, गव्य विकास, पशुपालन पर उपायुक्त ने एफपीओ एवं ग्राम संगठनों को सक्रिय करने का निर्देश दिया। साथ ही, सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर जमीनी स्तर पर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा अधिक से अधिक लाभुकों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने जिला पशुपालन पदाधिकारी को लेयर हेन्स (अंडा उत्पादन हेतु मुर्गी पालन) योजना के अंतर्गत फीड एवं शेड की व्यवस्था जे०एस०एल०पी०एस० तथा सहकारिता विभाग के समन्वय से पूर्ण कराने का निर्देश दिया।

बैठक में उपायुक्त ने पूर्व में अवैध अफीम की खेती वाले क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को ऐसे गांवों में बैठक एवं कार्यशालाओं का आयोजन कर किसानों को अनानास, ड्रैगन फ्रूट, स्ट्रॉबेरी, सूरजमुखी, हल्दी, अदरक सहित अन्य लाभकारी वैकल्पिक फसलों की खेती के लिए प्रेरित करने तथा आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन एवं योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने को कहा।

बैठक में कृषि, आत्मा, उद्यान, भूमि संरक्षण, सहकारिता, मत्स्य, गव्य विकास, पशुपालन विभाग एवं जेएसएलपीएस के पदाधिकारी उपस्थित थे।

भगवान जगन्नाथ के दरबार में युवा कांग्रेस नेता रोहित उरांव ने टेका माथा

लोहरदगा। विश्व प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ की पावन परंपरा और आस्था के बीच लोहरदगा के युवा कांग्रेस नेता रोहित उरांव ने भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के दरबार में पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा जिले सहित पूरे देश की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने भगवान जगन्नाथ के समक्ष मथा टेकते हुए लोहरदगा जिले में अमन-चैन, भाईचारे और विकास की प्रार्थना की। इस दौरान युवा नेता रोहित उरांव ने कहा कि भगवान जगन्नाथ केवल ओडिशा या किसी एक क्षेत्र के आराध्य देव नहीं हैं, बल्कि वे समस्त मानव समाज के कल्याण और एकता के प्रतीक हैं। उनकी कृपा से समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारे की भावना मजबूत होती है तथा लोगों के जीवन में सुख और समृद्धि का संचार होता है।

उग्रवादी हिंसा में मृत व्यक्तियों के आश्रितों के लिए अनुकम्पा समिति उपायुक्त ने की बैठक

बिभा संवाददता

खूँटी। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में उग्रवादी हिंसा में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को अनुग्रह-अनुदान/अनुकंपा आधारित नियुक्ति प्रदान किए जाने के संबंध में वृहस्पतिवार को इस माह में दूसरी बार जिला अनुकंपा समिति की बैठक की गई।

इस बार बैठक में कुल 5 प्रस्तावों की गहन समीक्षा की गई। उपायुक्त ने समिति के सदस्यों के साथ सभी प्रस्तावों पर पात्र आश्रितों को अनुग्रह-अनुदान एवं अनुकंपा आधारित नियुक्ति उपलब्ध कराने हेतु निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों का समयबद्ध एवं संवेदनशीलता के साथ निष्पादन किया जाए, ताकि पात्र लाभुकों को शीघ्र राहत मिल सके। बैठक में पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग, अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी, प्रभारी पदाधिकारी (गोपनीय शाखा) प्रमोद राम, जिला कोषागार पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी (सामान्य शाखा) कोमल कुमारी तथा कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग धर्मेंद्र किशोर सिंह सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

पीड़ित परिवार से पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने की मुलाकात

पीड़ित परिवार को न्याय और कम्पसेशन मिलना चाहिए : अर्जुन

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के बगडू गाँव के निवासी दिवंगत बुधन देवी के परिवार से मुलाकात करने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा वृहस्पतिवार को उनके घर पहुँचे। जिस बुधन देवी का विगत दिनों पाँच जुलाई को बिरसा इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल एंड रिसर्च अस्पताल में गलत ग्रुप का खून चढ़ाए जाने के मामले में हुई मौत हुई थी।

इस दुःखद घटना के बाद पीड़ित परिवार को किसी प्रकार का मुआवजा नहीं मिलने पर और सार्थक कार्रवाई करने में देरी होने से ये मामला बड़ा रुप ले लेता जा रहा है। जहाँ एक ओर अस्पताल चल ही रहा है और अभी तक किसी प्रकार की सार्थक कार्यवाही दिखाई नहीं देने पर झारखंड के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने वृहस्पतिवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात करने बगडू गाँव स्थित उनके घर पहुँचे और उनसे जानकारी ली। साथ ही, इसपर उन्होंने इस मामले को गहरा दुःख व्यक्त करते हुए गम्भीरता से लिया है। पीड़ित परिवार को भरोसा देते हुए कहा कि आगे इस बात को रखेंगे। क्योंकि पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए। मौके पर, अर्जुन मुण्डा ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि अभी तक प्रशासन को इसपर कार्यवाही कर देनी चाहिए थी। पर , अभी तक प्रशासन कम्पनसेशन के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। पीड़ित परिवार को अभी तक कंपनसेशन मिल जाना चाहिए था लेकिन प्रशासन इस पर कार्यवाही नहीं की है। वहीं उन्होंने कहा कि यहाँ के तथाकथित नेता भी इस प्रकार के मामले र इस दुखद घटना पर इतिफाक भी नहीं रखते हैं। वहीं अर्जुन मुंडा ने ढांढ़स बंधाया और सहयोग करने की बात कही । इस मौके पर , नागी मुण्डा , जीत वाहन मुण्डा, जीवन मुण्डा, भाजपा के जिलाध्यक्ष आनन्द कुमार, प्रखंड अध्यक्ष रुक्मिला सारु, लक्ष्मी बाखला, सूरज महतो, महावीर दास आदि अनेक लोग उपस्थित थे।

आज जिलेभर में निकलेगी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा, जरियागढ़ सहित कई क्षेत्रों में भक्तिभाव का माहौल

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले में गुरुवार को भगवान श्रीजगन्नाथ की रथयात्रा श्रद्धा, आस्था और पारंपरिक उल्लास के साथ निकाली जाएगी। प्राचीन धार्मिक परंपरा के लिए प्रसिद्ध जरियागढ़ की रथयात्रा के साथ-साथ सिलाफारी, तोरपा, तपकरा तथा खूंटी स्थित सीआरपीएफ की 94वीं बटालियन परिसर में भी भव्य रथयात्रा का आयोजन होगा। इसे लेकर सभी स्थानों पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

जरियागढ़ की रथयात्रा का विशेष धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व माना जाता है। यहां प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान श्रीजगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन एवं रथ खींचने के लिए पहुंचते हैं। मान्यता है कि रथ की रस्सी खींचने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। रथयात्रा के दौरान भजन-कीर्तन, पूजा-अर्चना और पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा।

वहीं सिलाफारी, तोरपा और तपकरा में भी स्थानीय मंदिर समितियों की ओर से आकर्षक ढंग से सुसज्जित रथों के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी। श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना कर सुख, समृद्धि और शांति की कामना करेंगे।

खूंटी स्थित सीआरपीएफ की 94वीं बटालियन परिसर में भी रथयात्रा महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। यहां सुरक्षा बल के अधिकारी, जवान और उनके परिवारजन धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेंगे तथा भगवान जगन्नाथ की आरती एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित होगा।

रथयात्रा को लेकर प्रशासन और पुलिस की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जाएंगे। एसपी ऋषभ गर्ग ने बताया कि प्रमुख मार्गों एवं आयोजन स्थलों पर पुलिस बल की तैनाती की जाएगी, ताकि श्रद्धालु शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में पर्व का आनंद ले सकें। जिलेभर में रथयात्रा को लेकर भक्तों में उत्साह का माहौल है।

इस पर्व पर मंदिरों में सुबह से ही पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। जहाँ लोग पूरी श्रद्धा भक्ति के साथ पूजा अर्चना करने पहुंचेंगे।

कुडू के टीको में सैकड़ों छात्र-छात्राओं को मिली साइकिल, शिक्षा के प्रति किया गया प्रेरित

बिभा संवाददाता

कुडू। मुख्यमंत्री साइकिल वितरण योजना के तहत बुधवार को कुडू प्रखंड के टीको स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में सैकड़ों छात्र-छात्राओं के बीच साइकिलों का वितरण किया गया। योजना का उद्देश्य दूर-दराज के गांवों से विद्यालय आने वाले विद्यार्थियों को आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना तथा उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख मुन्नी देवी ने कहा कि राज्य सरकार की यह योजना विद्यार्थियों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं के लिए काफी लाभकारी है। साइकिल मिलने से बच्चों का समय बचेगा, पढ़ाई में निरंतरता आएगी और वे अपने भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। कुडू प्रखंड उप प्रमुख ऐनुल अंसारी ने कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र के विकास का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से साइकिल का सदुपयोग करते हुए नियमित रूप से विद्यालय आने और पूरी मेहनत व लगन के साथ पढ़ाई करने की अपील की। वहीं कुडू प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) संतोष उरांव ने कहा कि सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि साइकिल वितरण योजना से दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को विद्यालय आने-जाने में काफी सुविधा मिलेगी और उनकी शिक्षा बाधित नहीं होगी। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को साइकिलों की चाबी सौंपकर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुन्नी देवी, संतोष उरांव, ऐनुल अंसारी, राजमुनी देवी, दीपेंद्र कुमार दीपू, संजू तुरी, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पहले वनडे में 'RoKo' फैंस निराश

रोहित-विराट दोनों फ्लॉप

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों खास कमाल नहीं कर पाए। रोहित 21 गेंद पर 11 और विराट 6 गेंद पर 5 रन बनाकर पवेलियन लौटे। लिहाजा इंग्लैंड दौरे पर वनडे सीरीज के पहले मैच में रोको फैंस को निराश लौटना पड़ा। इतना ही नहीं कुछ ऐसे आंकड़े और कमजोरियां भी दोनों खिलाड़ियों की सामने आई जिससे टीम इंडिया की टेंशन भी बढ़ गई।

रोहित शर्मा का वनडे वर्ल्ड कप 2023 से चैंपियंस ट्रॉफी 2025 तक पहले 10 ओवर में स्ट्राइक रेट 122.56 और औसत 67.41 का था। मगर अक्टूबर 2025 से अब तक रोहित का स्ट्राइक रेट पहले 10 ओवर में गिरकर 86.12 का हो गया है और औसत भी कम होकर 44.50 हो गया है। दूसरी ओर विराट कोहली की बात करें तो लंबे समय बाद वह भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने उतरे। अफगानिस्तान सीरीज में वह टीम का हिस्सा नहीं थे और इंजरी के कारण बाहर थे।

टीम इंडिया के लिए क्यों बढ़ी चिंता?

इंग्लैंड दौरे पर विराट कोहली का भी आगाज अच्छा नहीं रहा। वह जोफ्रा आर्चर की गेंद पर पगबाधा आउट हुए। जनवरी 2023 से अब तक यह चौथा मौका था जब पेस बॉलर के खिलाफ विराट पगबाधा आउट हुए। जबकि उससे पहले 10 साल में वह सिर्फ एक बार ही तेज गेंदबाज के सामने इस तरह आउट हुए थे। यह रोहित और विराट के आंकड़े अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियों के लिहाज से टीम इंडिया की टेंशन बढ़ा सकते हैं।

केएल राहुल का शानदार कैच

बल्लेबाज भी हुआ हैरान

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच बर्मिंघम में खेले जा रहे वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों ने जलवा बिखेरा है। इस मुकाबले में 968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटे जसप्रीत बुमराह ने अंग्रेज बल्लेबाजों की नाक में दम किया और एक विकेट लेते ही दो रिकॉर्ड अपने नाम किए। इसके बाद 706 दिन के इंतजार के बाद भारत की वनडे टीम में लौटे ऑलराउंडर शिवम दुबे ने भी कमाल की गेंदबाजी की और केएल राहुल के शानदार कैच की बदौलत उन्हें विकेट भी मिला। शिवम दुबे ने अपने पहले 5 ओवर के स्पेल में 21 रन दिए और एक विकेट लिया। उन्होंने खतरनाक दिख रहे विल जैक्स को पवेलियन भेजा। केएल राहुल ने विकेट के पीछे अपनी दाईं ओर डाइव लगाते हुए बेहतरीन कैच लपका। जैक्स 19 गेंद पर 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

968 दिन बाद लौटे बुमराह का कमाल

जडेजा और अगरकर को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटते ही कमाल कर दिया। पहले 4 ओवर में सिर्फ 8 रन और फिर पांचवें ओवर में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक का विकेट लेते ही उन्होंने दो बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। उन्होंने इस विकेट के साथ वनडे इंटरनेशनल में अपने 150 विकेट पूरे किए। साथ ही वह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा वनडे विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज भी बने। जसप्रीत बुमराह ने अपने 90वें मैच और 89वीं पारी में 150वां विकेट लिया और सबसे तेज यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे भारतीय बने। जबकि इंग्लैंड में उनका यह 31वां वनडे विकेट था। रविंद्र जडेजा (30) को पीछे छोड़ते हुए इस मामले में बुमराह नंबर 1 भारतीय गेंदबाज बने। भारत के लिए सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने का रिकॉर्ड मोहम्मद शमी के नाम है। कुलदीप यादव इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। सबसे कम गेंदों के लिहाज से भी बुमराह सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय हैं।

भारत के लिए सबसे तेज 150 ODI विकेट लेने वाले गेंदबाज

मोहम्मद शमीः 80वां मैच
कुलदीप यादवः 88वां मैच
जसप्रीत बुमराहः 90वां मैच
अजीत अगरकरः 97वां मैच
जहीर खानः 103वां मैच

सबसे कम गेंदों पर 150 ODI विकेट लेने वाले भारतीय

4070 गेंदः मोहम्मद शमी
4513 गेंदः कुलदीप यादव
4605 गेंदः जसप्रीत बुमराह
5027 गेंदः अजीत अगरकर
5131 गेंदः इरफान पठान

इंग्लैंड में सबसे ज्यादा ODI विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज

31 विकेटः जसप्रीत बुमराह*
30 विकेटः रविंद्र जडेजा
28 विकेटः भुवनेश्वर कुमार
27 विकेटः मदन लाल
26 विकेटः मोहम्मद शमी

968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटे

जसप्रीत बुमराह ने भारत के लिए अपना इससे पहले वनडे इंटरनेशनल मैच 19 नवंबर 2023 को खेला था। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उतरने के बाद अब बुमराह की वनडे टीम में वापसी हुई। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में वह इंजरी के कारण खेल नहीं पाए थे। ऐसे में अब 968 दिन बाद 14 जुलाई 2026 को लौटते ही बुमराह ने दो बड़ी उपलब्धियां हासिल कर लीं। बुमराह ने अपने पहले पांच ओवर में सिर्फ 9 रन दिए और एक विकेट हैरी ब्रूक का झटका। उन्होंने 2016 में अपना वनडे इंटरनेशनल डेब्यू किया था।

पीवी सिंधु की दमदार जीत

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने बीच में छोड़ा मैच, कोच ने चीन ओपन से भी हटने की पुष्टि की

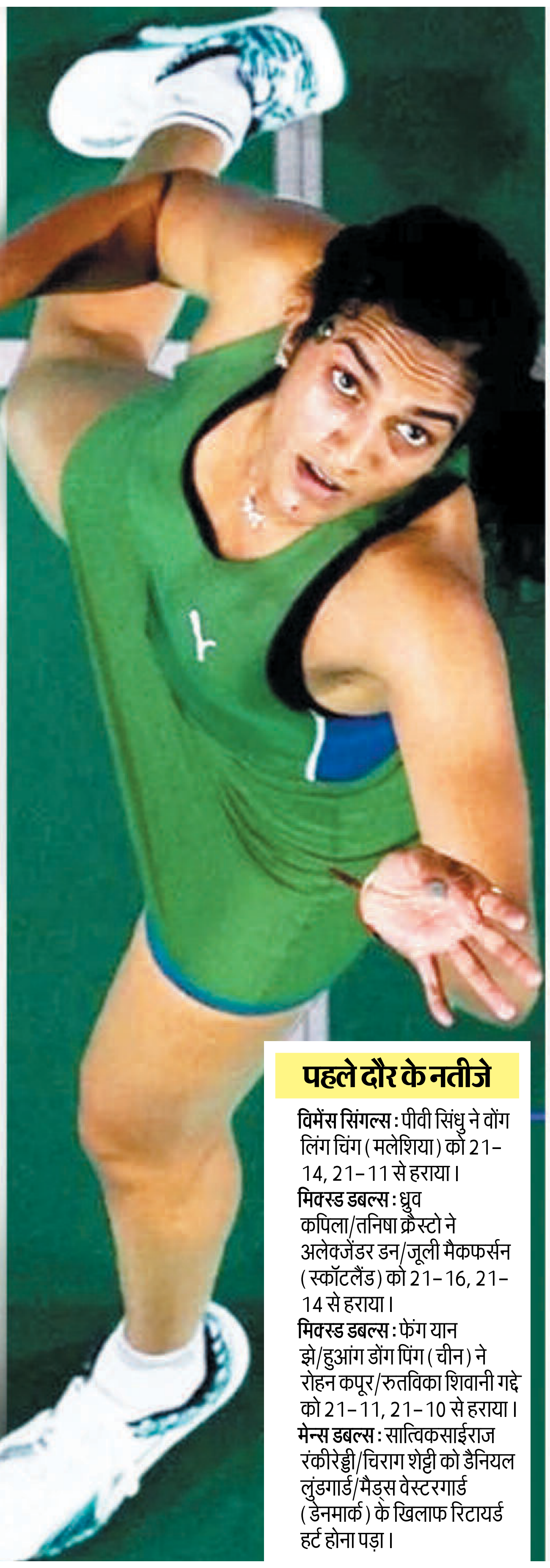

नई दिल्ली। जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के लिए मंगलवार 14 जुलाई 2026 का दिन मिला-जुला रहा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को सीधे गेमों में हराकर महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई। मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला-तनीषा क्रास्टो की जोड़ी ने सीधे गेमों में जीत हासिल करके दूसरे राउंड में जगह बनाई।

वहीं, पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की विश्व नंबर चार जोड़ी सात्विक के कंधे की चोट के कारण पहला गेम हारने के बाद मुकाबले से हट गई। चोट की वजह से भारतीय जोड़ी अगले सप्ताह होने वाले चीन ओपन में भी हिस्सा नहीं लेगी और अब उसका पूरा ध्यान विश्व चैंपियनशिप से पहले फिटनेस हासिल करने पर रहेगा।

सात्विक को लगेगा चोट से उबरने में समय

टैम किम हर ने कहा, 'सात्विक को ठीक होने में अभी कुछ समय लगेगा। विश्व चैंपियनशिप से पहले हमें कम से कम 4 सप्ताह का समय मिलेगा, जिससे हम पुरानी लय हासिल कर सकते हैं।' इससे पहले विश्व रैंकिंग में नंबर 10 पर काबिज पीवी सिंधु ने अपने सहज खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले दौर में विश्व रैंकिंग में नंबर 37 पर काबिज वोंग को हराया।

शुरुआत से ही बनाया दबदबा

पीवी सिंधु ने शुरुआत से ही खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा और रैलियों की गति को नियंत्रित करते हुए 7-4 की बढ़त हासिल की। हालांकि, वोंग ने संघर्ष जारी रखने की कोशिश की, लेकिन उनकी गलतियों ने भारतीय खिलाड़ी को लगातार आगे बढ़ने का मौका दिया। पीवी सिंधु ने इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ी रैलियों में सहज दिख रही थीं और उन्होंने अपने स्ट्रोक्स को प्रभावी ढंग से लगाकर अपनी बढ़त को 14-9 तक पहुंचा दिया। उनके बैकहैंड नेट ड्रिबल, ड्रॉप शॉट और हाफ-स्मैश सटीक रहे। एक सीधे शॉट से पीवी सिंधु को सात गेम पॉइंट मिले और उन्होंने पहला गेम अपने नाम कर लिया। पीवी सिंधु ने दूसरे गेम में भी शुरू से आक्रामक रवैया अपनाया और मलेशिया की खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। भारतीय खिलाड़ी ने जल्द ही 8-2 की बढ़त हासिल की। पीवी सिंधु इंटरवल तक 11-3 से आगे थीं। इसके बाद भी उन्होंने बड़ा अंतर बनाए रखा और फिर 10 मैच पॉइंट हासिल किए। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे मैच पॉइंट पर मैच अपने नाम किया।

पहले दौर के नतीजे

विमेंस सिंगल्स : पीवी सिंधु ने वोंग लिंग चिंग (मलेशिया) को 21-14, 21-11 से हराया।
मिक्स्ड डबल्स : ध्रुव कपिला/तनिषा क्रैस्टो ने अलेक्जेंडर डन/जूली मैकफर्सन (स्कॉटलैंड) को 21-16, 21-14 से हराया।
मिक्स्ड डबल्स : फेंग यान झे/हुआंग डोंग पिंग (चीन) ने रोहन कपूर/रुतविका शिवानी गद्दे को 21-11, 21-10 से हराया।
मेन्स डबल्स : सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी/चिराग शेट्टी को डैनियल लुंडगार्ड/मैड्स वेस्टरगार्ड (डेनमार्क) के खिलाफ रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा।

स्पेन ने फ्रांस को हराया

16 साल बाद फाइनल में बनाई जगह; एम्बाप्पे के खिलाफ यामाल का रिकॉर्ड कायम

नई दिल्ली। स्पेन ने साबित कर दिया है कि वे फीफा वर्ल्ड कप 2026 में सबसे मजबूत टीमों में से एक क्यों हैं। स्पेन ने डलास स्टेडियम में टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में मजबूत फ्रांस को 2-0 हराकर फाइनल में जगह बनाई। लुइस डे ला फुएंते की कप्तानी में स्पेनिश टीम के इस बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने के साथ ही वे 96 सालों में दूसरी और 44 सालों में पहली ऐसी टीम बन गई हैं जिसने वर्ल्ड कप में यह बड़ी उपलब्धि हासिल की।

दूसरी बार फाइनल में पहुंचा स्पेन

स्पेन ने यूरो 2024 जीता और मौजूदा यूरोपियन चैंपियन के तौर पर फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में पहुंच गया। जब वे पिछली बार 2010 में फाइनल में पहुंचे थे जिसे उन्होंने जीता था तब स्पेन मौजूदा यूरो चैंपियन भी था जिसने 2010 में ट्रॉफी जीती थी। अब स्पेन मौजूदा यूरो चैंपियन के तौर पर दो फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम बन गई है। वेस्ट जर्मनी ऐसा करने वाली पहली टीम थी और उसने साल 1972 और 1980 के यूरो चैंपियन के तौर पर 1974 और 1982 के फीफा वर्ल्ड कप फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। अगर स्पेन यह टूर्नामेंट जीतता है, तो वह मौजूदा यूरो चैंपियन के तौर पर दो फीफा वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बन जाएगी। जर्मनी ने 1972 के यूरो चैंपियन के तौर पर 1974 का टूर्नामेंट जीता था।

स्पेन को 2-0 से मिली जीत, मिकेल-पोरो ने किए गोल- सेमीफाइनल मुकाबले में स्पेन ने फ्रांस पर पूरी तरह दबदबा बनाए रखा फ्रांस टूर्नामेंट में सबसे खतरनाक अटैक करने वाली टीम के तौर पर फाइनल में पहुंचा था और उसने 16 गोल किए थे। हालांकि स्पेन की डिफेंसिव ताकत इतनी जबरदस्त थी कि उन्होंने मैच पर पूरी तरह कब्जा जमाए रखा और फ्रांस को गोल करने का कोई मौका तक नहीं दिया। मिकेल ओयारजाबल ने 22वें मिनट में पेनल्टी से स्पेन के लिए पहला गोल किया। इसके बाद 58वें मिनट में पेड्रो पोरो ने गोल करके मैच का नतीजा तय कर दिया।

बर्मिंघम में 12 साल बाद जीता भारत   सीरीज में 1-0 से आगे टीम इंडिया

अक्षर पटेल ने गेंद और बल्ले से किया कमाल

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में शानदार जीत अपने नाम कर ली है। बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया यह मुकाबला टीम इंडिया ने 6 विकेट से अपने नाम किया। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। बर्मिंघम में 12 साल के इंतजार के बाद भारतीय टीम ने वनडे मैच जीता है। अक्षर पटेल इस मैच में टीम इंडिया की जीत के हीरो साबित हुए। उन्होंने गेंद के बाद बल्ले से कमाल किया और शानदार अर्धशतकी पारी खेली। अक्षर पटेल ने गेंदबाजी में 9.5 ओवर में 4 विकेट लेकर 62 रन दिए थे। इसके बाद बल्लेबाजी में उन्होंने टीम को तब संभाला जब उनकी बल्लेबाजी की खास जरूरत थी। अक्षर ने 52 गेंद पर नाबाद 57 रन की पारी खेली।

12 साल बाद बर्मिंघम में जीत

भारत ने इंग्लैंड में इंग्लैंड के खिलाफ अब तक 46 वनडे मैच खेले हैं। इंग्लैंड की सरजमीं पर भारत को यह 19वीं जीत मिली है। जबकि इंग्लैंड की टीम ने 23 मैच भारत के खिलाफ अपने घर पर जीते हैं। भारत की बर्मिंघम में आखिरी जीत 2014 में अंग्रेज टीम के खिलाफ आई थी। इस मैदान पर इंग्लैंड की भी यह आखिरी हार थी। उसके बाद से यहां इंग्लैंड लगातार सात वनडे मैच जीता था। अब फिर से भारत ने इंग्लैंड को यहां हराया है। भारतीय टीम से विदा होना चाहता है गंभीर का साथी, क्ष्ष्ट्ठ को दे चुका है जानकारी भारत ने 2014 से 2026 के बीच यहां एक भी मैच नहीं जीता था।

शुभमन गिल बीच मैच गए मैदान से बाहर

80 रन बनाकर हुए रिटायर्ड हर्ट

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे। 48 रन पर दो विकेट के बाद उन्होंने उपकप्तान श्रेयस अय्यर के साथ पारी को संभाला और शतकीय साझेदारी पूरी की।

75 गेंद पर गिल 80 रन बना चुके थे लेकिन अचानक उन्हें मैच के बीच ही मैदान से बाहर रिटायर्ड हर्ट होकर जाना पड़ा। उनके वापस लौटने से भारत को बड़ा झटका लगा। मैच के पहले ओवर से बेहतरीन लय में नजर आ रहे कप्तान शुभमन गिल का रिटायर्ड हर्ट होकर वापस लौटना टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है।

शुभमन गिल को क्या हुआ?

शुभमन गिल पिछले 2,3 ओवर से लगातार लंगड़ाते दिख रहे थे। उन्होंने एक स्वीप शॉट लगाने का प्रयास किया था, जिसके बाद उन्हें खिंचाव महसूस हुआ। वह दिक्कत में भी दिखे और फिर फिजियो मैदान पर आए। काफी देर इलाज के बाद फैसला लिया गया कि वह बल्लेबाजी नहीं कर पाएंगे। इसके बाद वह रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे। वह वापस बल्लेबाजी करने उतर पाएंगे या नहीं इस पर नए अपडेट का इंतजार है।

राजकीय श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से मेला क्षेत्र का किय निरीक्षण

मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधा के अनुरूप करे कार्य : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

देवघर। राजकीय श्रावणी मेला, 2026 की तैयारियों को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया व पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण पुष्कर ने सयुंक्त रूप श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा को लेकर मेला क्षेत्र व रुटलाइन निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त ने आइएसबीटी, कोठिया टेंट सिटी निर्माण स्थल, सरसा, भलुवा, परित्राण, दुम्मा बॉर्डर, कांवरिया पथ का निरीक्षण करते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर की जाने वाली विभिन्न तैयारियों की वस्तुस्थिति से अवगत हुए।

इसके अलावा निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने बाघमारा बस स्टैंड के पश्चात कोठिया में श्रद्धालुओं के आवासन हेतु बनाए जाने वाले टेंट सिटी में सुविधा व सुरक्षा के साथ हाइजीन, वेंटिलेशन और फायर, सुरक्षा व विद्युत ऑडिट पर विशेष रूप से ध्यान रखने का निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिया। साथ टेंट सिटी से शौचालय की निश्चित दूरी के अलावा विद्युत व्यवस्था व विद्युत आपूर्ति के अलावा विद्युत संचरण की सुरक्षा को लेकर संबंधित कार्यपालक अभियंता को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया, ताकि साल दर साल श्रद्धालुओं को और भी बेहतर सुविधा टेंट सिटी में मील सके। आगे उपायुक्त ने परित्राण, भलुवा, सरसा समीप वाहन पड़ाव स्थल पर बेरिकेडिंग, महिला व पुरुषों हेतु अलग-अलग शौचालय, स्नानगृह की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। साथ ही मेला के दौरान स्वास्थ्य कैम्प, साउंड सिस्टम, साफ-सफाई और बैनर-पोस्टर के माध्यम से आवश्यक जानकारी को प्रदर्शित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कांवरिया पथ दुम्मा बॉर्डर से निरीक्षण करते हुए महीन बालू बिछाव, बिजली के तारों को ऊपर व दुरुस्त करने के अलावा चापाकलों के आसपास सफाई और अतिक्रमण हटाने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा कराए जा रहे कार्यों का निरीक्षण करते हुए कांवरिया पथ में श्रद्धालुओं की सुविधा अनुरूप कार्यों को ससमय दुरुस्त करने का आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया। साथ हीं उपयुक्त ने पूरे कांवरिया रूटलाईन में बालू बिछाव पर विशेष ध्यान देने का निदेश दिया एवं मेहिन बालू का हीं प्रयोग पूरे रूटलाईन में करने का निदेश दिया संबंधित विभाग के कार्यपालक अभियंता को दिया, ताकि पैदल आने वाले श्रद्धालुओं को ज्यादा कठिनाईयों का सामना न करना पड़े। इसके अलावे निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कांवरिया पथ में बनाये जाने वाले प्रशासनिक शिविर, ओपी, स्वास्थ्य केन्द्र, विद्युत व्यवस्था, सूचना-सह-सहायता केन्द्र, होल्डिंग प्वाइंट, शौचालय, स्नानागर, इंद्र वर्षा के अलावा कांवरिया पथ के किनारे एवं गाँव के बाहर पथों की विशेष साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिया। साथ ही उन्होंने कांवरिया पथ में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था, शौचालयों की साफ-सफाई के अलावा नलों से निकलने वाले पानी पथों पर जहां-तहां न बहे इस हेतु उपायुक्त द्वारा कार्यपालक अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया गया। इसके अलावे गर्मी को देखते हुए उपायुक्त ने कार्यपालक अभियन्ता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, देवघर एवं नगर निगम के अधिकारियों को निदेशित किया कि सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में पेयजल व शौचालय की समुचित व्यवस्था के साथ-साथ चौबीसों घंटे मेला क्षेत्र में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने का निदेश दिया, ताकि कांवरिया पथ एवं रूटलाईन में पेयजल आपूर्ति की समस्या किसी भी सूरत में उत्पन्न न हो। इस दौरान उपरोक्त के अलावा* उप विकास आयुक्त श्री पीयूष सिन्हा, नगर आयुक्त सुश्री सुलोचना मीना, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, देवघर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, ट्रैफिक डीएसपी, हेडक्वार्टर डीएसपी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता, विद्युत विभाग, भवन प्रमंडल, एनआरपी, आरसीडी के कार्यपालक अभियंता, अंचलाधिकारी देवघर व मधुपुर, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी, सिटी मैनेजर, नगर निगम की टीम, डीएमएफटी की टीम व संबंधित विभाग के अधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

आईआरसीटीसी की नई वेबसाइट का बीटा संस्करण हुआ लाइव

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) अपनी नई वेबसाइट का बीटा संस्करण बुधवार रात नौ बजे से आम उपयोगकताओं के लिए लाइव किया गया। उपयोगकर्ता नई वेबसाइट के डिजाइन और सुविधाओं का अनुभव लेने के साथ अपने सुझाव भी दे सकेंगे, जिन्हें अंतिम संस्करण में शामिल किया जाएगा।

रेल मंत्रालय ने बताया कि नई वेबसाइट का बीटा संस्करण मौजूदा आईआरसीटीसी वेबसाइट के होमपेज से भी एक्सेस किया जा सकेगा। वेबसाइट में किए गए कई महत्वपूर्ण बदलाव मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर के छात्रों द्वारा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ हुई बातचीत के दौरान दिए गए सुझावों पर आधारित हैं।

आईआरसीटीसी की वेबसाइट वर्ष 2002 में शुरू की गई थी और वर्तमान में इस पर प्रतिदिन औसतन 14.5 लाख टिकटों की बुकिंग होती है। नए संस्करण में वेबसाइट का इंटरफेस अधिक आकर्षक, सरल और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाया गया है, जिससे टिकट बुकिंग का अनुभव पहले की तुलना में अधिक सहज होगा।

बीटा संस्करण में चार प्रमुख बदलाव किए गए हैं। इनमें अनावश्यक कैप्चा, पॉप-अप और ध्यान भटकाने वाले ग्राफिक्स को हटाया गया है। सभी श्रेणियों में सीटों की उपलब्धता एक साथ दिखाई देगी, टिकट बुकिंग की प्रक्रिया में चरणों की संख्या कम कर चेकआउट को तेज बनाया गया है तथा सहेजे गए यात्री विवरण के माध्यम से बार-बार टिकट बुक करना पहले से अधिक आसान होगा।

रेल मंत्रालय के अनुसार नई वेबसाइट के डिजाइन और उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने की प्रक्रिया में एमएनआईटी के छात्रों को भी शामिल किया गया था। उनके सुझावों के आधार पर तैयार इस बीटा संस्करण को अब सार्वजनिक परीक्षण के लिए जारी किया जा रहा है, ताकि उपयोगकताओं से प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर इसमें और सुधार किए जा सकें।

मंत्रालय ने बताया कि अगले कुछ सप्ताह में आईआरसीटीसी की नई वेबसाइट को नए यात्री आरक्षण इंजन के साथ भी एकीकृत कर दिया जाएगा। वर्तमान में दशकों पुराने इस आरक्षण इंजन का भी व्यापक आधुनिकीकरण किया जा रहा है। चूंकि उन्नयन के दौरान टिकट बुकिंग प्रणाली को लगातार चालू रखना आवश्यक था, इसलिए यह कार्य चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। नया यात्री आरक्षण इंजन भी शीघ्र ही शुरू किया जाएगा।

रेल मंत्रालय ने उपयोगकताओं से अपील की है कि वे नई वेबसाइट का उपयोग कर अपने सुझाव और प्रतिक्रिया साझा करें, ताकि भविष्य में इसे और अधिक प्रभावी, तेज तथा उपयोगकर्ता-केंद्रित बनाया जा सके।

संक्षिप्त खबरें

देवघर : श्रावणी मेला-2026: रविवार-सोमवार को शीघ्र दर्शनम और वीआईपी दर्शन पर रोक.

देवघर(बिभा) : राजकीय श्रावणी मेला-2026 को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानियां की अध्यक्षता में बुधवार को बाबा मंदिर प्रांगण स्थित प्रशासनिक भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंडा धर्मरक्षिणी सभा के अध्यक्ष सुरेश भारद्वाज, महामंत्री निर्मल झा 'मंटू', वरीय उपाध्यक्ष चंद्रशेखर खवाड़े, तीर्थ-पुरोहित समाज और पंडा समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में पंडा समाज के सदस्यों ने श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर अपने सुझाव रखे। उपायुक्त ने कहा कि सभी सुझावों पर गंभीरता से विचार कर यथासंभव व्यवस्था को दुरुस्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनसहयोग से ही मेला को सफल बनाया जा सकता है। इस दौरान उन्होंने मेला क्षेत्र में सुरक्षा, सुगम जलार्पण, आवासन और आधुनिक तकनीकों के उपयोग से की गई तैयारियों की जानकारी भी दी। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त ने बड़ा निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि राजकीय श्रावणी मेला के दौरान वीआई, वीवीआईपी और आउट ऑफ टर्न दर्शन पूरी तरह बंद रहेगा। इसके साथ ही रविवार और सोमवार को शीघ्र दर्शनम की सुविधा पर भी पूर्णतः रोक रहेगी। उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य है कि हर श्रद्धालु को बिना भेदभाव के सुगम और सुरक्षित जलार्पण का अवसर मिले। उन्होंने पंडा समाज से अपील की कि वे श्रावणी और भादो मेला के सफल संचालन में प्रशासन का सहयोग करें, ताकि बाबा नगरी से जाने वाले प्रत्येक श्रद्धालु एक सुखद अनुभव लेकर जाएं। बैठक में पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर, उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, नगर आयुक्त सुलोचना मीणा, एसडीओ सह बाबा मंदिर प्रभारी रवि कुमार, सिविल सर्जन डॉ. रमेश कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने नगर परिषद कार्यालय पहुंचकर एसआईआर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

लोहरदगा(बिभा)। उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी संदीप कुमार मीना ने बुधवार 15 जुलाई को नगर परिषद कार्यालय पहुंचकर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत संचालित कार्यों की समीक्षा की तथा गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने गणना प्रपत्रों के वितरण की तुलना में अपेक्षाकृत कम संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निर्धारित समयसीमा के भीतर गणना प्रपत्रों का शत-प्रतिशत संग्रहण सुनिश्चित करते हुए उनका डिजिटाइजेशन भी पूर्ण किया जाए। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त कर्मियों की प्रतिनियुक्ति कर कार्य को गति प्रदान की जाए। इस संबंध में उन्होंने एईआरओ को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी संजय कुमार, ईआरओ-सह-अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार, एईआरओ-सह-कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद मुक्ति किड़ो तथा निर्वाचन कार्य से जुड़े अन्य कर्मी उपस्थित थे।

लोहरदगा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 25 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

लोहरदगा(बिभा)। पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कुडू थाना क्षेत्र से 25 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बताया जाता है कि पुलिस अधीक्षक लोहरदगा सादिक अनवर रिजवी को मंगलवार शाम करीब पांच बजे गुप्त सूचना मिली थी कि चंदवा-लोहरदगा मुख्य मार्ग पर ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्रद्धा केरकेट्टा के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चंदवा - लोहरदगा सड़क पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया इसी दौरान संदिग्धों की घेराबंदी कर तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से 25 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। बरामद मादक पदार्थ में मार्क-ए का वजन 17 ग्राम तथा मार्क-बी का वजन 8 ग्राम पाया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अक्षत कुमार (21 वर्ष), पिता- स्व. अजय प्रसाद तथा रोहित कुमार (24 वर्ष), पिता- अरुण मिस्त्री, दोनों निवासी चंदवा, थाना-चंदवा, जिला-लोहरदगा के रूप में हुई है।

उत्तर मध्य रेलवे के आठ अमृत स्टेशन तैयार, विरासत के साथ विकास को मिलेगी नई रफ्तार

बिहान भारत

प्रयागराज : भारतीय रेल केवल यात्राओं का माध्यम नहीं, बल्कि देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक प्रगति की जीवनरेखा है। बदलते भारत के साथ रेलवे स्टेशन भी नई पहचान गढ़ रहे हैं। वे अब केवल ट्रेनों के ठहराव के स्थान नहीं, बल्कि किसी शहर की संस्कृति, विरासत और विकास का परिचय बन चुके हैं।

इसी दृष्टि के साथ अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत देशभर के 1305 रेलवे स्टेशनों का चरणबद्ध पुनर्विकास किया जा रहा है। 17 जुलाई 2026 को अब 75 और पुनर्विकसित स्टेशन इस श्रृंखला में जुड़ रहे हैं, जिनमें उत्तर मध्य रेलवे के आठ स्टेशन भी शामिल हैं। ये स्टेशन आधुनिक यात्री सुविधाओं के साथ स्थानीय सांस्कृतिक पहचान को भी नए स्वरूप में प्रस्तुत करते हैं।

फतेहपुर रेलवे स्टेशन, जो लंबे समय से दिल्ली-हावड़ा रेलमार्ग का एक महत्वपूर्ण पड़ाव रहा है, अब लगभग 33.10 करोड़ की लागत से नए स्वरूप में यात्रियों का स्वागत कर रहा है। नया स्टेशन भवन, दूसरा प्रवेश द्वार, विस्तृत पार्किंग, 12 मीटर चौड़ा फुटओवर ब्रिज तथा आधुनिक यात्री सुविधाएँ इसे अधिक सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाती हैं।

पनकी धाम रेलवे स्टेशन में हुआ पुनर्विकास धार्मिक आस्था और शहरी विकास का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करता है। लगभग 24.94 करोड़ की लागत से विकसित इस स्टेशन पर चौड़े प्लेटफॉर्म, आधुनिक प्रतीक्षालय, लिफ्ट, नए फुटओवर ब्रिज, बेहतर सकुर्लेटिंग एरिया तथा अन्य यात्री सुविधाएँ श्रद्धालुओं और औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े यात्रियों के लिए यात्रा अनुभव को अधिक सहज बनाती हैं।

मां विंध्यवासिनी धाम के प्रवेश द्वार के रूप में प्रसिद्ध विन्ध्याचल रेलवे स्टेशन अब धार्मिक पर्यटन को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है। लगभग 23.24 करोड़ की लागत से हुए पुनर्विकास के अंतर्गत नया स्टेशन भवन, आधुनिक सुविधाएं, दिव्यांगजन-अनुकूल व्यवस्था तथा स्थानीय कला से प्रेरित वास्तुशिल्प इस स्टेशन को श्रद्धा और आधुनिकता का उत्कृष्ट संगम बनाते हैं।

राजस्थान की ऐतिहासिक नगरी का प्रतिनिधित्व करने वाला डीग रेलवे स्टेशन भी नए स्वरूप में विकसित हुआ है। लगभग 15.24 करोड़ की लागत से बने आधुनिक स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म उन्नयन, फुटओवर ब्रिज, लिफ्ट तथा बेहतर पार्किंग व्यवस्था से पर्यटन और स्थानीय आवागमन दोनों को नई सुविधा मिली है।

भिण्ड रेलवे स्टेशन का कायाकल्प चंबल अंचल के यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। लगभग 20.23 करोड़ की लागत से विकसित आधुनिक फसाड, उन्नत प्रतीक्षालय, 12 मीटर चौड़ा फुटओवर ब्रिज तथा दिव्यांगजन-अनुकूल सुविधाएं इसे अधिक समावेशी और यात्री-केंद्रित स्टेशन बनाती हैं।

बुंदेलखंड की ऐतिहासिक विरासत को नई पहचान देता महाराजा छत्रसाल स्टेशन छतरपुर अब आधुनिक अवसंरचना और क्षेत्रीय स्थापत्य का आकर्षक उदाहरण बन गया है। लगभग 16.78 करोड़ की लागत से विकसित नए स्टेशन भवन, लिफ्ट, फुटओवर ब्रिज, पार्किंग और अन्य आधुनिक सुविधाओं ने इसे क्षेत्र के गौरव के अनुरूप स्वरूप प्रदान किया है।

टीकमगढ़ रेलवे स्टेशन में किया गया पुनर्विकास आधुनिकता और पर्यावरणीय सौंदर्य का संतुलित उदाहरण है। लगभग 16.77 करोड़ की लागत से विकसित आकर्षक फसाड, हरित परिसर, बेहतर यात्री सुविधाएँ तथा उन्नत स्टेशन अवसंरचना इसे भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करती हैं।

हरपालपुर रेलवे स्टेशन, जो वर्षों से बुंदेलखंड की रेल संपर्क व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है, अब लगभग 11.74 करोड़ की लागत से नए रूप में विकसित हुआ है। नया स्टेशन भवन, विस्तारित प्लेटफॉर्म शेल्टर और उन्नत यात्री सुविधाएं इस स्टेशन को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाती हैं।

उत्तर मध्य रेलवे के ये आठ अमृत स्टेशन केवल आधारभूत संरचना के उन्नयन का उदाहरण नहीं हैं, बल्कि यह इस सोच का प्रतीक हैं कि विकास तभी सार्थक है, जब वह स्थानीय पहचान, सांस्कृतिक विरासत और यात्रियों की आवश्यकताओं - तीनों को साथ लेकर आगे बढ़े। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित ये स्टेशन अपने-अपने क्षेत्रों में पर्यटन, व्यापार, संपर्क और आर्थिक गतिविधियों को नई गति देते हुए विकसित भारत की नई तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं।

श्रावणी मेला के दौरान देवघर-सरायगढ़-देवघर स्पेशल ट्रेन सेवा का विस्तार

आसनसोल: श्रावणी मेला के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने देवघर एवं सरायगढ़ के बीच चलने वाली विशेष ट्रेन की सेवा को उसके वर्तमान मार्ग, ठहराव एवं समय-सारिणी के अनुसार जारी रखने का निर्णय लिया है। 05573/05574 सरायगढ़-देवघर-सरायगढ़ स्पेशल तथा 05574/05573 देवघर-सरायगढ़-देवघर स्पेशल का परिचालन 16.07.2026 से 31.08.2026 तक प्रतिदिन (कुल 47 फेरे) सरायगढ़ एवं देवघर से क्रमशः किया जाएगा। यह ट्रेन अपने वर्तमान 12-कोच मेमू रेक संयोजन के साथ चलेगी। इस संबंध में अन्य सभी निर्देश पूर्ववत लागू रहेंगे।

रेल परियोजना के तहत 3,907 करोड़ मिलना झारखंड के लिए सौगात : सेठ

बिभा संवाददाता

रांची। केन्द्रीय राज्य रक्षा मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल की ओर से झारखंड और ओडिशा से जुड़ी लगभग 3,907 करोड़ रूपए की रेल परियोजनाओं को मंजूरी मिलना झारखंड के लिए बडी सौगात है। उन्होंने कहा कि यह झारखंड और ओडिशा दोनों राज्यों के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताया।

संजय सेठ ने कहा कि स्वीकृत परियोजनाओं के तहत पारादीप-हरिदासपुर रेल लाइन का दोहरीकरण और राजखरसावां-डांगोआपोसी रेलखंड पर चौथी रेल लाइन का निर्माण किया जाएगा। इन परियोजनाओं के पूरा होने से रेल परिचालन अधिक सुगम होगा और माल ढुलाई क्षमता बढ़ेगी। साथ ही औद्योगिक और खनिज क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा।

इससे झारखंड और ओडिशा में उद्योग, व्यापार और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं का लाभ झारखंड और ओडिशा के 1,526 गांवों की 14 लाख से अधिक आबादी को मिलेगा। बेहतर रेल संपर्क से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और विकास की रफ्तार तेज होगी। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल का तेजी से आधुनिकीकरण हो रहा है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प, नई ट्रेनों का परिचालन, यात्री सुविधाओं का विस्तार और आधारभूत संरचना का सुदृढ़ीकरण केंद्र सरकार की विकासोन्मुखी सोच को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि झारखंड में रेलवे क्षेत्र में लगातार ऐतिहासिक विकास कार्य हो रहे हैं और यह स्वीकृति राज्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

शॉर्टकट नहीं, जीवन को चुनें: ट्रैक को अनधिकृत रूप से पार करने (ट्रैक ट्रेसपासिंग) की मूक समस्या से जूझता पूर्व रेलवे

बिहान भारत

कोलकाता: कल्पना कीजिए कि सुबह का व्यस्त समय है। केवल कुछ मिनट बचाने के लिए एक यात्री फुट ओवरब्रिज का उपयोग करने के बजाय रेलवे ट्रैक पार कर शॉर्टकट अपनाने का निर्णय लेता है। यह निर्णय कुछ ही सेकंड में लिया जाता है, लेकिन यही एक निर्णय अक्सर किसी परिवार के लिए आजीवन दुःख का कारण बन जाता है। रेलवे ट्रैक तेज गति से चलने वाली ट्रेनों के लिए हैं, पैदल चलने के लिए नहीं। इसके बावजूद, प्रतिदिन रेलवे ट्रैक पर अनधिकृत रूप से पार करना एक गंभीर खतरा बना हुआ है। ट्रेनों की नियमित आवाजाही के पीछे रेलवे ट्रैक पर होने वाली ऐसी दुर्घटनाओं, चोटों और मौतों की कड़वी सच्चाई छिपी है जिन्हें रोका जा सकता था।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा स्टेशन अधीक्षकों से संकलित नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, पूर्व रेलवे में ट्रैक पर अनधिकृत रूप से प्रवेश (ट्रेसपासिंग) के कारण हजारों असामान्य घटनाएं दर्ज की गई हैं। वर्ष 2025 में पूरे जोन में ऐसे 2,394 मामले सामने आए, जिनमें 2,038 लोगों की मृत्यु हुई तथा 359 लोग घायल हुए। यह चिंताजनक स्थिति वर्ष 2026 में भी जारी है। जून 2026 तक ही पूर्व रेलवे में 1,144 ट्रेसपासिंग की घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं, जिनमें 1,001 लोगों की जान गई तथा 147 लोग घायल हुए। आंकड़ों से स्पष्ट है कि इन दुखद घटनाओं का अधिकांश हिस्सा अत्यधिक व्यस्त सियालदह और हावड़ा मंडलों में केंद्रित है, हालांकि अन्य सभी मंडल भी इससे प्रभावित हैं।

वर्ष 2025 के मंडलवार आंकड़े इस समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। सियालदह मंडल में सर्वाधिक 1,108 घटनाएं दर्ज हुईं, जिनमें 933 लोगों की मृत्यु तथा 175 लोग घायल हुए। हावड़ा मंडल में 745 घटनाएं हुईं, जिनमें 620 लोगों की मृत्यु तथा 128 लोग घायल हुए। वहीं, आसनसोल मंडल में 318 घटनाओं में 278 लोगों की मृत्यु और 40 लोग घायल हुए, जबकि मालदा मंडल में 223 घटनाओं में 207 लोगों की मृत्यु तथा 16 लोग घायल हुए।

वर्ष 2026 में भी जून माह तक यह स्थिति बनी रही। सियालदह मंडल में 529 घटनाएं दर्ज हुईं, जिनमें 463 लोगों की मृत्यु तथा 66 लोग घायल हुए। हावड़ा मंडल में 348 घटनाओं में 304 लोगों की मृत्यु तथा 47 लोग घायल हुए। इसके अतिरिक्त, आसनसोल मंडल में 163 घटनाओं में 141 लोगों की मृत्यु तथा 23 लोग घायल हुए, जबकि मालदा मंडल में 104 घटनाओं में 93 लोगों की मृत्यु तथा 11 लोग घायल हुए।

पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर के गतिशील नेतृत्व में रेलवे प्रशासन ने इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए पूरे जोन में व्यापक और निरंतर अभियान शुरू किया है। अत्यधिक जोखिम वाले स्टेशनों पर जन-जागरूकता अभियान चलाने से लेकर संवेदनशील क्रॉसिंग स्थलों पर कड़ी निगरानी रखने तक, पूर्व रेलवे अपने नेटवर्क को अधिक सुरक्षित और ट्रेसपासिंग-मुक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। रेलवे की सुरक्षा एजेंसियां और स्टेशन प्रशासन यात्रियों को ट्रैक पार करने के खतरों के प्रति लगातार जागरूक कर रहे हैं तथा यह संदेश दे रहे हैं कि कुछ मिनट बचाने के लिए उठाया गया शॉर्टकट कभी भी जीवन से अधिक महत्वपूर्ण नहीं हो सकता।

लोगों को अपनी जान जोखिम में डालने से रोकने के लिए पूर्व रेलवे रेलवे अधिनियम की धारा 147 के तहत कानून का सख्ती से पालन सुनिश्चित कर रही है, जो रेलवे परिसर में अनधिकृत प्रवेश और वहां से हटने से इनकार करने से संबंधित है। यह प्रावधान उन सभी व्यक्तियों पर लागू होता है जो बिना अनुमति रेलवे परिसर के किसी प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करते हैं और अनुरोध किए जाने पर भी वहां से नहीं हटते। यात्री क्षेत्र का अनुचित उपयोग करने पर ?500 का जुमार्ना लगाया जाता है तथा जुमार्ना अदा न करने की स्थिति में तीन महीने तक का कारावास या 5,000 तक का जुमार्ना हो सकता है। वहीं, रेलवे ट्रैक, यार्ड जैसे गैर-यात्री क्षेत्रों में अवैध प्रवेश करने पर दंड और अधिक कठोर है। ऐसे मामलों में तीन महीने तक का कारावास, 5,000 तक का जुमार्ना अथवा दोनों का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, इस अपराध के लिए विशेष परिस्थितियों को छोड़कर कम से कम एक महीने का कारावास या 2,000 का जुमार्ना अनिवार्य है।

इस गंभीर स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने आम जनता से भावुक अपील करते हुए कहा कि रेलवे ट्रैक पर खोया गया प्रत्येक जीवन एक ऐसी त्रासदी है, जो किसी परिवार को हमेशा के लिए बिखेर देती है। उन्होंने कहा कि कुछ सेकेंड बचाने के लिए रेलवे ट्रैक पार करना ऐसा जोखिम है, जिसकी कीमत बहुत अधिक होती है। उन्होंने यह भी कहा कि महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में पूर्व रेलवे जन-जागरूकता बढ़ाने से लेकर कानून के प्रभावी क्रियान्वयन तक हरसंभव प्रयास कर रहा है। अंततः सुरक्षा की शुरूआत प्रत्येक व्यक्ति से होती है। इसलिए उन्होंने सभी नागरिकों से अपने जीवन को सर्वोपरि रखने, रेलवे का सहयोग करने तथा रेलवे ट्रैक पार करने के लिए हमेशा फुट ओवरब्रिज और सबवे का ही उपयोग करने की अपील की।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट, भोसले गली, हरिहर सिंह रोड, बरियातू, रांची-834009 (झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली ।**
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com